नई दिल्ली । शुक्रवार, 12 जून, 2026
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष द्वादशी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :157/ मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
नई दिल्ली संस्करण
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल ‘मैने यही चाहा था’ : फी फा वर्ल्ड कप वॉर्म-अप में...
@ विचार सांसद और विधायक भाग रहे, क्या ममता बनर्जी भी...
@ व्यापार वैश्विक चुनौतियों के बावजूद वित्त वर्ष 2027 में...

अभिषेक बनर्जी के खिलाफ जांच सीआईडी को सौंपी गई

एजेंसी ■ कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान कथित तौर पर हिंसा भड़काने और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को धमकी देने संबंधी मामले में तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी के खिलाफ दर्ज मामले की जांच शुक्रवार को राज्य पुलिस के आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) को सौंप दी गई। पिछले महीने पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के खिलाफ बिधाननगर सिटी पुलिस के अंतर्गत आने वाले बिधाननगर साइबर क्राइम थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। अब तक इस मामले की जांच साइबर क्राइम थाने की पुलिस कर रही थी। हालांकि, राज्य पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की कि शुक्रवार को इस मामले की जांच सीआईडी को स्थानांतरित कर दी गई। सीआईडी पहले से ही पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के लिए आरक्षित कुछ पदों पर नियुक्तियों से जुड़े एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव पर तृणमूल कांग्रेस के कुछ विधायकों के हस्ताक्षरों में कथित फर्जीवाड़ा के मामले में अभिषेक बनर्जी को पूछताछ के लिए तीन समन जारी कर चुकी है। अभिषेक बनर्जी ने अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द कराने के लिए कलकत्ता हाईकोर्ट का रुख किया था, लेकिन 21 मई को न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य की एकल पीठ ने उनकी याचिका खारिज कर दी थी। अदालत ने चुनाव पूर्व एक जनसभा में अभिषेक बनर्जी द्वारा दिए गए कथित भड़काऊ बयान पर भी कड़ी टिप्पणी की थी।

विकसित भारत 2047 के लिए राज्यों को मिला रोडमैप

नीति आयोग की बैठक में पीएम मोदी ने राज्यों को दिया विकास का मंत्र

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार की सुबह नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में नीति आयोग की 11वीं शासी परिषद की बैठक की अध्यक्षता की। इस वर्ष का विषय ‘2047 तक विकसित भारत के लिए समावेशी मानव विकास’ था।

बैठक में 28 राज्यों और 5 केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री, उपराज्यपाल और प्रशासक शामिल हुए। यह पहली बार था जब सभी 28 राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने नीति आयोग की शासी परिषद की बैठक में भाग लिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ऐसे समय में जब कई प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं अनिश्चितता और आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रही हैं, भारत की विकास गाथा विश्व को प्रेरित करती रहती है। उन्होंने आत्मनिर्भरता के प्रति राष्ट्र के संकल्प को और मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया और विशेष रूप से नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने और लागू करने के महत्व पर प्रकाश डाला। सहकारी संघवाद के महत्व पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्यों को मिलकर एक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए काम करना चाहिए।

उन्होंने इस बात पर बल दिया कि विकसित भारत की परिकल्पना प्रत्येक राज्य, जिले, ब्लॉक और गांव का सामूहिक संकल्प होना चाहिए। पीएम मोदी ने कहा कि देश के युवा इसकी सबसे बड़ी संपत्ति हैं, जिनमें लगभग 70 करोड़ भारतीय 25 वर्ष से कम आयु के हैं।

तेल भंडारों पर होगा हमारा कब्जा, ट्रम्प की धमकी

एजेंसी ■ वाशिंगटन

‘ट्रुथ सोशल’ पर एक पोस्ट में अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि वॉशिंगटन, बहुत जल्द ही, ईरान के खार्ग द्वीप पर कब्ज़ा कर लेगा। यह द्वीप ईरान के लगभग सभी तेल निर्यात और अन्य तेल इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए मुख्य टर्मिनल का काम करता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को फिर से चेतावनी दी कि ईरान के साथ शांति समझौता करने की कूटनीतिक कोशिशों के बीच अमेरिका ईरान पर ‘बहुत ज़ोरदार’ हमला करेगा। उन्होंने कहा कि ये हमले देर रात किए जाने की योजना है। ‘ट्रुथ सोशल’ पर एक पोस्ट में अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि वॉशिंगटन, बहुत जल्द ही, ईरान के खार्ग द्वीप पर कब्ज़ा कर लेगा। यह द्वीप ईरान के लगभग सभी तेल निर्यात और अन्य तेल इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए मुख्य टर्मिनल का काम करता है। इस कदम का मकसद तेहरान के तेल और गैस बाज़ार पर अपना दबदबा बनाना है। उन्होंने वेनेज़ुएला का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां के तेल संसाधनों पर अमेरिकी नियंत्रण ‘वेनेज़ुएला और अमेरिका, दोनों के लिए बहुत फायदेमंद’ रहा है। उन्होंने अपनी इस बात को भी दोहराया कि ईरान की नौसेना, वायु सेना, रडार, एंटी-एयरक्राफ्ट और ज़्यादातर आक्रामक क्षमताएं खत्म हो चुकी हैं।

निशांत बने एमएलसी, पवन सिंह सहित सभी 10 उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित

एजेंसी ■ पटना

बिहार विधान परिषद के द्विवार्षिक चुनाव और एक सीट पर उपचुनाव के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। भोजपुरी सिनेमा के चर्चित गायक और अभिनेता पवन सिंह सहित एनडीए के सभी नौ और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के एक उम्मीदवार ने निर्विरोध जीत दर्ज की। गुरुवार को नाम वापसी की अवधि खत्म होने के बाद सभी को विजयी घोषित कर दिया गया। विधान परिषद की विधानसभा कोटे वाली 9 सीटों पर द्विवार्षिक चुनाव के लिए नौ उम्मीदवार तथा पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा खाली की गई एक सीट पर भी उपचुनाव हुआ, जिसके लिए एक उम्मीदवार पर्चा भरा था। सोमवार को कुल 10 सीटों पर 10 उम्मीदवारों ने नामांकन किया था। इनमें से नौ सीटों पर एनडीए और विपक्ष की ओर से राजद के एक प्रत्याशी ने पर्चा भरा। वैसे सबसे अधिक चर्चा एनडीए में शामिल राष्ट्रीय लोक मोर्चा को एक भी सीट नहीं देने को लेकर हो रही है। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के दीपक प्रकाश फिलहाल मंत्री हैं, लेकिन वे किसी भी सदन के सदस्य नहीं हैं।

हमारे पास दो महीने का फुल स्टॉक है : केंद्र

एजेंसी ■ नई दिल्ली

क्या आपको भी पेट्रोल पंप या गैस एजेंसी पर ईंधन खत्म होने की चिंता सता रही है? अगर हां, तो आपके लिए एक बड़ी और राहत भरी खबर है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने साफ कर दिया है कि देश में कच्चे तेल, एलपीजी और एलएनजी का पर्याप्त भंडार मौजूद है। सरकार ने गुरुवार को उपभोक्ताओं और उद्योगों को आश्वस्त किया है कि आपूर्ति से जुड़ी कोई भी समस्या नहीं है और पैनिक में आकर जरूरत से ज्यादा खरीदारी करने की कोई आवश्यकता नहीं है। अंतर मंत्रालयी प्रेसवार्ता के दौरान पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि प्रमुख पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति पूरी तरह स्थिर है। उन्होंने कहा, ‘कच्चे तेल, पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और प्राकृतिक गैस की सप्लाई स्थिर है और हमारी रिफाइनरियां अपनी अधिकतम क्षमता पर काम कर रही हैं‘। लगातार उठ रहे सवालों का जवाब देते हुए शर्मा ने कहा कि पिछले तीन महीनों से सरकार यही बता रही है कि देश में पर्याप्त इन्वेंट्री है। उन्होंने नया अपडेट देते हुए स्पष्ट किया, ‘हमारे पास रोलिंग स्टॉक मौजूद है और अगले लगभग दो महीने के लिए आपूर्ति पूरी तरह से सुरक्षित कर ली गई है‘।

कल्याण बनर्जी का ममता को अल्टीमेटम, अभिषेक या मुझे चुनो

एजेंसी ■ कोलकाता

तृणमूल कांग्रेस में गहराते संकट के बीच, वरिष्ठ नेता कल्याण बनर्जी ने ममता बनर्जी को अभिषेक बनर्जी और अपने में से किसी एक को चुनने का अल्टीमेटम दिया है। यह कदम अभिषेक के कथित अहंकारी व्यवहार और कानूनी मामले में अनादर के आरोपों के बाद आया है, जिससे TMC के भीतर गंभीर राजनीतिक कलह उजागर हुई है।

तृणमूल कांग्रेस के अंदर चल रहे संकट को और बढ़ाते हुए, पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के कट्टर वफादार कल्याण बनर्जी ने उनके भतीजे और पार्टी के महासचिव अभिषेक बनर्जी की आलोचना की है। कल्याण बनर्जी ने कहा कि मैं ममता बनर्जी के साथ हूँ। लेकिन ममता दी को यह तय करना होगा कि वह अभिषेक को रखेंगी या मुझे। ममता दी को ही पहले यह तय करना होगा। ममता दी को पहले यह तय करना होगा कि वह अभिषेक बनर्जी के बिना पार्टी नहीं चला सकतीं। तब मैं वहाँ नहीं रहूँगा।

‘अभिषेक बनर्जी को बयान के लिए मजबूर नहीं कर सकते’ कल्याण बनर्जी ने कलकत्ता हाई कोर्ट में पार्टी के महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी की ओर से एक मामले में पेश होने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि CID से जुड़ा यह मामला असल में पहले ही दायर किया गया था। उन्होंने इसे पहले ही फाइल कर दिया था। शुक्रवार को वेकेशन बेंच बैठी थी और मैंने पूरे दिन इंतज़ार किया, लेकिन मामले पर

टीएमसी में आंतरिक कलह

सुनवाई नहीं हुई। उसके बाद, मैंने कोर्ट के सामने इसका ज़िक्र किया और जज ने कहा कि मामले की सुनवाई बुधवार को होगी। जैसा कि आप जानते हैं, मंगलवार को कैमक स्ट्रीट पर उनके घर और दीदी के ऑफ़िस में तलाशी ली गई थी।

उन्होंने कहा कि मैं दिल्ली से आया था और वहाँ भी गया था। तलाशी के दौरान मैं मौजूद था। फिर कल सुबह, मैंने जस्टिस कौशिक चंदा के सामने मामले का ज़िक्र किया और कहा कि यह ज़रूरी है। मैंने उनसे कहा कि तलाशी गैर-कानूनी थी। तलाशी पहले ही हो चुकी थी और कभी भी कुछ भी हो सकता था, इसलिए मामले पर सुनवाई ज़रूरी थी। जज ने मुझसे कहा कि मामले की सुनवाई उसी दिन होगी। उसके बाद, दोपहर करीब 12.30 बजे, एक वकील ने आकर मुझे बताया कि तलाशी के संबंध में एक अलग रिट याचिका दायर की गई है और एक सीनियर वकील इसे देखेंगे। मैंने पूछा, ‘अगर आपने यह मामला पहले ही दायर कर दिया था, तो हमसे इस पर चर्चा क्यों नहीं की? यह पूरी तरह से गैर-कानूनी है।

उन्होंने कहा कि उसके बाद, पूरे दिन किसी ने कुछ नहीं कहा। मैंने रात भर केस की तैयारी की। आज भी, आप देख सकते हैं कि मैं हर जगह जा रहा हूँ, जोखिम उठा रहा हूँ और अपना काम कर रहा हूँ। फिर भी, उनकी अनादर करने की आदत नहीं बदली है। उन्हें (अभिषेक बनर्जी) लगता है कि हर कोई उनसे नीचे है, मानो सब बस कामाक स्ट्रीट के कर्मचारी हों। मैं 45 साल से इस पेशे में हूँ। एक सीनियर वकील के तौर पर मुझे कौन नहीं जानता? क्या कोई ऐसा है? मैं कितने समय से प्रैक्टिस कर रहा हूँ? इस कोर्ट को छोड़िए, सुप्रीम कोर्ट में भी लोग मुझे जानते हैं। लेकिन वे इतने अहंकारी हो गए हैं... किसी का सम्मान नहीं करते। इसीलिए मैं पीछे हट गया हूँ।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 का आगाज, पहली बार 3 देशों में होगा आयोजन

मैक्सिको। फुटबॉल के सबसे बड़े महाकुंभ 23वें फीफा मेंस वर्ल्ड कप 2026 का आगाज देर रात होने जा रहा है। यह टूर्नामेंट 20 जुलाई तक चलेगा और पहली बार तीन देशों यूएस, कनाडा और मैक्सिको की संयुक्त मेजबानी में आयोजित किया जा रहा है। विश्व कप का उद्घाटन मुकाबला मेक्सिको सिटी के ऐतिहासिक स्टेडियम में मेजबान मैक्सिको और साउथ अफ्रिका के बीच खेला जाएगा। भारतीय समयानुसार यह मैच 12 जून की रात 12:30 बजे शुरू होगा। इस बार का विश्व कप कई मायनों में ऐतिहासिक है। पहली बार 48 टीमें टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही हैं, जिनके बीच 16 शहरों में कुल 104 मुकाबले खेले जाएंगे।

मध्य प्रदेश में भाजपा राज्यसभा की तीनों सीटें जीती

मीनाक्षी नटराजन के पास बचे हैं कौन से विकल्प?

एजेंसी ■ भोपाल

मध्य प्रदेश में राज्यसभा की तीन सीटों पर बीजेपी के उम्मीदवारों को जीत का प्रमाण पत्र दे दिया गया। दरअसल, नाम वापसी की समय-सीमा खत्म होने के बाद और केवल तीन पदों के लिए तीन ही नामांकन शेष रहने के चलते सभी उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हो गए हैं। हालांकि, मीनाक्षी नटराजन का नामांकन खारिज होने के मामले पर अभी सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई बाकी है। ऐसे में आगे मध्य प्रदेश में घोषित हुए चुनाव नतीजों का क्या होगा, इस पर देश की नजर बनी हुई है। मध्य प्रदेश में चुनावी सरगर्मियां तेज हैं। दरअसल, दो दिन पहले ही राज्य में राज्यसभा चुनाव के लिए पर्चा भरने वाली मीनाक्षी नटराजन का नामांकन खारिज कर दिया गया।

तीन दिनों में तीन जहाजों पर हमला

3 भारतीय नाविक शहीद; भारत ने जताया ऐतराज

एजेंसी ■ नई दिल्ली

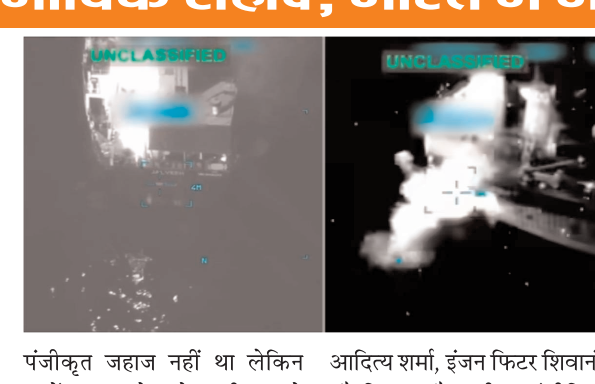

पश्चिम एशिया संघर्ष की स्थिति बिगड़ने के साथ ही पिछले तीन दिनों में अमेरिकी सेना ने तीन वाणिज्यिक जहाजों पर हमला किया है जिसमें तीन भारतीय नाविकों की मौत हो गई है और पांच दर्जन से ज्यादा भारतीय नाविकों को बचाने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी है।

इन हमलों में एमटी (मोटर इंजन) मारिवेक्स, एमटी सेटेबेलो और एमटी जलवीर शामिल हैं। वैसे इन तीनों में कोई भी भारत में पंजीकृत जहाज नहीं था लेकिन इनमें काम करने वाले तकरीबन सारे नाविक भारतीय ही थे।

एमटी सेटेबेलो पर हुए हमले में तीन भारतीय नाविक डेक कैडेट आदित्य शर्मा, इंजन फिटर शिवानंद चौरसिया और चीफ इंजीनियर पटनाला सुरेश शहीद हो गये हैं। जबकि मारिवेक्स पर 24 भारतीय नाविकों को ओमान सरकार की मदद से सुरक्षित बचाया गया, जबकि जलवीर पर सवार करीब 20 भारतीय नाविक भी सुरक्षित हैं और उनका बचाव देर शाम तक चलने की सूचना है।

इस घटनाक्रम पर भारत ने अमेरिका के साथ अपना कड़ा विरोध जताया है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने नई दिल्ली अमेरिकी दूतावास में कार्यकारी राजदूत (चार्ज डी 'एफेयर्स) जेसन मीक्स को तलब कर अपनी नाराजगी जताई और इस बारे में अपनी औपचारिक विरोध नोट भी सौंपा।

भारत में पीएमएस इंडस्ट्री के अगले विकास के चरण में पारदर्शिता और निवेशक सुरक्षा की होगी अहम भूमिका: सेबी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत में पीएमएस इंडस्ट्री के अगले विकास के चरण में पारदर्शिता, निवेशक सुरक्षा और मजबूत शासन-व्यवस्था की अहम भूमिका होगी। यह बयान भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर मनोज कुमार ने गुरुवार को दिया।

कुमार ने एपीएमआई लीडरशीप कॉन्क्लेव 2026 में कहा कि भारत की पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विसेज (पीएमएस) इंडस्ट्री की एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) करीब 42 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया है और 2.1 लाख अधिक निवेश इसमें निवेश कर रहे हैं। कुमार ने कहा, ‘भारत में पीएमएस इंडस्ट्री एक अहम मोड़ पर है। जैसे-जैसे निवेशकों की उम्मीदें बदल रही हैं और पर्सनलाइज्ड वेल्थ मैनेजमेंट सॉल्यूशन की मांग बढ़ रही है, इस इंडस्ट्री के पास भारत के इन्वेस्टमेंट इकोसिस्टम के एक अहम स्तंभ के तौर पर उभरने का मौका है।‘

उन्होंने कहा कि इस सेक्टर की टिकाऊ विकास के लिए पूरी इंडस्ट्री में स्टैंडर्डाइजेशन, बेहतर डेटा पारदर्शिता और एक मजबूत वितरण सिस्टम बहुत जरूरी होंगे।

कुमार के अनुसार, एक मजबूत, भरोसेमंद और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी पीएमएस इंडस्ट्री बनाने के लिए टियर-2 और टियर-3 मार्केट में गहरी पैठ, निवेशकों में ज्यादा जागरूकता, जिम्मेदार वितरण प्रथाएं और पक्षकारों के बीच सहयोग बहुत जरूरी होगा। यह कॉन्क्लेव ‘एसोसिएशन ऑफ पोर्टफोलियो मैनेजर्स इन इंडिया’ (एपीएमआई) ने आयोजित किया था, जो सेबी-रजिस्टर्ड पोर्टफोलियो मैनेजरों का प्रतिनिधि संगठन है। एपीएमआई के चेयरमैन बिहारीलाल देवरा ने कहा कि पीएमएस इंडस्ट्री भारत के वेल्थ मैनेजमेंट सेक्टर का एक अहम हिस्सा बन गई है। इसकी वजह निवेशकों में बढ़ती जागरूकता, कस्टमाइज्ड इन्वेस्टमेंट सॉल्यूशन की बढ़ती मांग और समर्थित नियामत ढांचा है।

उन्होंने कहा, ‘एपीएमआई में, हम निवेशकों की सुरक्षा, इंडस्ट्री के विकास और मार्केट की ईमानदारी जैसे हमारे साझा लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए इंडस्ट्री के लोगों और सेबी के बीच रचनात्मक बातचीत को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।’ देओरा ने आगे कहा कि 2022 में काम शुरू करने के बाद से एसोसिएशन ने निवेशकों की सुरक्षा, नियमों का पालन, पारदर्शिता, डिजिटल बदलाव, प्रोफेशनल क्षमता बढ़ाने और आसानी से बिजनेस करने पर ध्यान देते हुए लगभग 50 रणनीतिक पहल की हैं।

‘गृहिणी का योगदान केवल परिवार तक सीमित नहीं है, मानव संसाधन विकास और राष्ट्र निर्माण में भी’

एजेंसी ■ नई दिल्ली

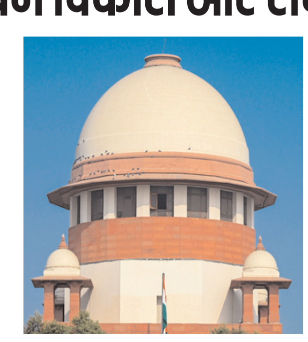

सुप्रीम कोर्ट ने गृहिणियों के अवैतनिक घरेलू श्रम को महत्वपूर्ण आर्थिक और सामाजिक मान्यता देते हुए एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। कोर्ट के निर्णय से दुर्घटना पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा मिलने में सहायता मिलेगी और समाज में गृहिणियों के योगदान को नई पहचान मिलने की उम्मीद है।

सर्वोच्च अदालत ने कहा कि गृहिणी का योगदान केवल परिवार तक सीमित नहीं है, बल्कि वह मानव संसाधन विकास और राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसलिए उन्हें केवल ‘होममेकर’ कहने के बजाय ‘नेशन बिल्डर’ कहा जाना चाहिए।

जस्टिस संजय करोल की अध्यक्षता वाली पीठ ने दुर्घटना की शिकार गृहिणियों के मामलों में मुआवजा निर्धारण के लिए नए दिशानिर्देश जारी किए। अदालत ने ‘घरेलू देखभाल के नुकसान’ का आर्थिक मूल्य 30,000 रुपये प्रति माह निर्धारित किया है। पीठ ने स्पष्ट किया कि पत्नी और गृहिणी द्वारा किए जाने वाले घरेलू कार्य, बच्चों का पालन-पोषण, परिवार की देखभाल तथा समाज निर्माण में उनका योगदान आर्थिक दृष्टि से बहुत मूल्यवान है। अदालत ने कहा कि जब किसी दुर्घटना के कारण परिवार इस सेवा से वंचित हो जाता है, तो मुआवजा तय करते समय इस नुकसान को अवश्य ध्यान में रखा जाना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि यह नया सिद्धांत पहले के फैसलों में निर्धारित मुआवजा मानकों के अतिरिक्त होगा और अब सभी मोटर दुर्घटना मुआवजा दावों में इसका पालन किया जाएगा। अदालत ने सभी उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों से अपील की कि वे मोटर दुर्घटना मुआवजा मामलों की नियमित निगरानी करें, ताकि पीड़ित परिवारों को समय पर न्याय मिल सके। कोर्ट ने मोटर वाहन अधिनियम (एमवी एक्ट) की धारा 169 के तहत ‘संक्षिप्त प्रक्रिया’ का सख्ती से पालन करने पर भी जोर दिया।

संक्षिप्त खबरें

दबंगों का टोल प्लाजा पर आतंक बैरियर तोड़ा; कर्मचारियों से मारपीट

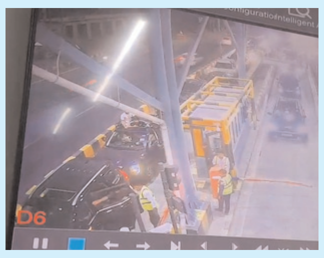

ग्रेटर नोएडा। गौतमबुद्ध नगर के दादरी क्षेत्र स्थित लुहारली टोल प्लाजा पर दबंगों की गुंडागर्दी का मामला सामने आया है। बुलंदशहर जेल से कुछ लोगों के छूटने के बाद उनके समर्थकों का काफिला जब लुहारली टोल प्लाजा पहुंचा तो वहां जमकर हंगामा हुआ। आरोप है कि कई गाड़ियों में सवार दबंग बिना टोल शुल्क दिए ही आगे बढ़ने लगे और विरोध करने पर टोल कर्मचारियों के साथ मारपीट की गई। पूरी घटना टोल प्लाजा पर लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कई वाहनों का काफिला हूटर बजाते हुए टोल प्लाजा पहुंचा। टोल कर्मचारियों ने जब नियमानुसार टोल शुल्क जमा करने के लिए कहा तो वाहन सवार लोगों ने दबंगई दिखानी शुरू कर दी। आरोप है कि उन्होंने टोल बैरियर को तोड़ते हुए जबरन वाहनों को निकाल लिया। इस दौरान कर्मचारियों द्वारा विरोध किए जाने पर उनके साथ अभद्रता और मारपीट की गई, जिससे टोल प्लाजा पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही थाना दादरी पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस द्वारा जारी आधिकारिक जानकारी के अनुसार, 10 जून को थाना दादरी क्षेत्र के अंतर्गत लुहारली टोल प्लाजा पर 5 से 6 गाड़ियां बिना टोल दिए निकलने का प्रयास कर रही थीं। टोल कर्मियों द्वारा रोके जाने पर वाहन सवार व्यक्तियों ने उनके साथ मारपीट की।

प्रेम प्रसंग में युवक की हत्या, युवती के दो भाई गिरफ्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद के सोनकपुर थाना क्षेत्र से प्रेम प्रसंग में एक युवक की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस के अनुसार, युवती के दो भाइयों ने अपनी बहन के प्रेमी की गला दबाकर हत्या कर दी और फिर शव को जंगल में फेंक दिया। मृतक की पहचान चमन के रूप में हुई है। घटना के संदर्भ में मिली जानकारी के मुताबिक, मृतक चमन का युवती से प्रेम संबंध था। बताया जा रहा है कि बीते रविवार को वह अपनी प्रेमिका को साथ लेकर जाने की फिराक में था। इसी दौरान युवती के परिजनों को इसकी भनक लग गई। आरोप है कि युवती के दोनों भाइयों ने चमन को पकड़ लिया और उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी शव को जंगल में फेंककर फरार हो गए। शव मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। यह घटना सोनकपुर थाना क्षेत्र की है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में आवश्यक साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं तथा आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है। प्रेम प्रसंग से जुड़ी इस वारदात ने क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। पुलिस मामले की सभी पहलुओं से गहनता से जांच कर रही है। वहीं, मामले को लेकर एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि थाना सोनकपुर में बुधवार को एक युवक का शव मिलने की सूचना प्राप्त हुई थी।

'सरकार के पास जो भी रिपोर्ट हो, उसे जारी करना चाहिए' अहमदाबाद प्लेन क्रैश में मारे गए व्यक्ति के पिता

अहमदाबाद। अहमदाबाद विमान दुर्घटना की पहली बरसी से पहले, पीड़ितों के परिवार दुख और कई सवालों से जूझ रहे हैं। इनमें अनिल पटेल भी शामिल हैं, जिन्होंने इस त्रासदी में अपने बेटे हर्षित पटेल और बहू पूजा पटेल को खो दिया। उन्होंने सरकार से बिना किसी देरी के जांच से जुड़े किसी भी उपलब्ध निष्कर्ष को जारी करने का आग्रह किया है। एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-171 का हादसा पिछले साल 12 जून को हुआ था, जब लंदन गैटविक जाने वाला विमान उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद अहमदाबाद के मेघानीनगर इलाके में एक मेडिकल हॉस्टल कॉम्प्लेक्स से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस हादसे में लगभग 260 लोगों की जान चली गई थी, जिससे यह हाल के वर्षों की सबसे घातक विमान दुर्घटनाओं में से एक बन गई। आईएएनएस से बात करते हुए अनिल पटेल ने कहा कि पीड़ित परिवारों को उन हालात के बारे में स्पष्ट जानकारी मिलनी चाहिए, जिनकी वजह से यह हादसा हुआ। मैं सरकार से गुजारिश करता हूं कि जो भी रिपोर्ट उपलब्ध हो, उसे जल्द से जल्द सार्वजनिक किया जाए। हमें यह जानना है कि यह त्रासदी कैसे हुई। इस दौरान अपने निजी जीवन में हुए भारी नुकसान को याद करते हुए पटेल ने बेटे और बहू की मौत के बाद आए अकेलेपन का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अब मैं अकेला हूं। हमारा परिवार छोटा था। मेरी बेटी की शादी हो चुकी है और वह अपने ससुराल में रहती है। मेरा बेटा और बहू ही मेरे लिए सब कुछ थे। पटेल ने अपने बेटे के साथ रोज होने वाली बातचीत को याद किया। उन्होंने कहा कि वह मुझे हर रात फोन करता था, चाहे रात के 9, 10 या 11 ही क्यों न बज गए हों, और मुझे बताता था कि उसने दिन भर क्या-क्या किया।

भारत ने मालदीव को भेजी टीके की 20 हजार खुराक : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। भारत ने पड़ोसी देश मालदीव को सार्वजनिक स्वास्थ्य सुरक्षा मजबूत करने में सहयोग देने के लिए 20,000 खसरा वैक्सीन डोज और लगभग 3 टन चिकित्सा सामग्री की खेप भेजी है। यह सहायता मालदीव में बढ़ते खसरे के मामलों के बीच दी गई है। विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी।

जारी बयान के मुताबिक भारत सरकार की ये सोच है कि यह समय पर दी गई मदद मालदीव सरकार के टीकाकरण अभियान को मजबूत करने और खसरे के बढ़ते मामलों से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। साथ ही, इससे देश की स्वास्थ्य प्रतिक्रिया क्षमता को भी मजबूती मिलेगी।

इसमें आगे कहा गया कि, यह सहायता मालदीव में बढ़ती स्वास्थ्य चुनौतियों के समाधान और वहां के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भेजी गई है। भारत ने भरोसा जताया कि यह सहयोग बीमारी के प्रसार को रोकने और टीकाकरण कवरेज बढ़ाने में मदद करेगा।

भारत ने दोहराया कि मालदीव उसकी 'नेबरहुड फर्स्ट' नीति और 'विजन महासागर' के तहत विशेष महत्व रखता है। दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और रणनीतिक संबंध लंबे समय से मजबूत रहे हैं।

भारत ने स्वयं को एक विश्वसनीय 'फर्स्ट रिस्पॉन्डर' बताते हुए कहा कि वह संकट या आवश्यकता के समय अपने पड़ोसी देशों के साथ खड़ा रहने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी भावना के तहत भारत मालदीव सरकार के साथ साझा प्राथमिकताओं पर मिलकर काम करता रहेगा।

मालदीव की हेल्थ प्रोटेक्शन एजेंसी (एचपीए) ने 13 मई को मालदीव में खसरे के दोबारा दस्तक देने की जानकारी दी थी। इसके बाद स्वास्थ्य अधिकारियों ने संक्रमण के स्रोत और संभावित प्रसार का पता लगाने के लिए जांच शुरू की। खसरे से निपटने के लिए, एचपीए ने टीकाकरण अभियान शुरू किया। पिछले हफ्ते चार नए मामले सामने आने के बाद इस वर्ष दर्ज कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 15 हो गई है।

आईबी अधिकारी अंकित शर्मा हत्याकांड में फैसला 7 जुलाई तक टला

नई दिल्ली। दिल्ली के बहुचर्चित आईबी अधिकारी अंकित शर्मा हत्याकांड मामले में अब फैसले का इंतजार और लंबा हो गया है। कड़कड़डूमा कोर्ट ने इस मामले में फैसला सुनाने के लिए नई तारीख 7 जुलाई तय की है। इससे पहले अदालत को 11 जून को फैसला सुनाना था, लेकिन अब सुनवाई आगे बढ़ा दी गई है।

यह मामला फरवरी 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए सांप्रदायिक दंगों के दौरान इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या से जुड़ा है। इस मामले में पूर्व आम आदमी पार्टी (आप) पार्षद ताहिर हुसैन समेत कुल 11 लोगों को आरोपी बनाया गया है।

गौरतलब है कि 26 फरवरी 2020 को अंकित शर्मा का शव खजूरी खास इलाके के एक नाले से बरामद किया गया था। उनकी मौत ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था और यह मामला दिल्ली दंगों के सबसे चर्चित मामलों में शामिल हो गया था। अभियोजन पक्ष के अनुसार, ताहिर हुसैन और अन्य आरोपी उस हिंसक भीड़ और कथित साजिश का हिस्सा थे, जिसने दंगों के दौरान अंकित शर्मा की हत्या की। अंकित शर्मा के पिता रविंदर कुमार की शिकायत पर दयालपुर पुलिस स्टेशन में 26 फरवरी 2020 को एफआईआर दर्ज की गई थी।

शिकायत में बताया गया था कि 25 फरवरी को अंकित शर्मा घर का सामान खरीदने के लिए निकले थे, लेकिन देर तक वापस नहीं लौटे। परिवार उनकी तलाश कर रहा था। इसी दौरान स्थानीय लोगों से सूचना मिली कि चांद बाग इलाके से एक युवक को नाले में फेंका गया है। बाद में जब पुलिस ने नाले की तलाशी ली तो वहां से अंकित शर्मा का शव बरामद हुआ।

मामले की जांच के बाद मार्च 2023 में कड़कड़डूमा कोर्ट ने ताहिर हुसैन समेत सभी 11 आरोपियों के खिलाफ दंगा, घातक हथियारों के साथ दंगा, विभिन्न समुदायों के बीच वैमनस्य फैलाने, हत्या और आपराधिक साजिश जैसी गंभीर धाराओं के तहत आरोप तय किए थे।

पश्चिम बंगाल में नए उद्योगों और रोजगार के लिए भाजपा सरकार का क्या है प्लान

मंत्री मौमिता बिस्वास ने किया खुलासा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार में मंत्री मौमिता बिस्वास ने पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को राज्य में उद्योग और कल-कारखाने नहीं होने का जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने आरोप लगाया कि जब कभी राज्य में उद्योग को लगाने की योजना तैयार की जाती थी तो तत्कालीन सरकार की ओर से उसे साजिशन विफल कर दिया जाता था, ताकि राज्य में विकास की यात्रा ही शुरू न हो।

उन्होंने बातचीत में दावा किया कि जब कभी किसी भारतीय और विदेशी निवेशक ने पश्चिम बंगाल में निवेश करने के बारे में विचार किया, तो उन्हें रोक दिया गया। यही नहीं, टाटा जैसे दिग्गज उद्योगपति ने भी एक बार पश्चिम बंगाल में निवेश करने के बारे में सोचा था, लेकिन तत्कालीन सरकार ने उन्हें ऐसा करने से रोक दिया, जिसका नतीजा यह हुआ कि यह सभी निवेशक और उद्योगपति दूसरे राज्यों में चले गए और आज वहां पर स्थिति कैसी है, यह बात किसी से छुपी नहीं है। किसी जमाने में अमूल को चंद महिलाओं ने शुरू किया था और आज यह कितनी बड़ी संस्था में तब्दील हो चुका है, यह जगजाहिर है।

मंत्री मौमिता बिस्वास ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सिर्फ लोगों को दिखाने के लिए विदेशी दौरे पर जाती थीं। उन्होंने आज तक राज्य में निवेशकों को आमंत्रित करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया। अगर उठाया होता, तो आज स्थिति ऐसी नहीं होती। ये लोग बड़े प्रतिनिधिमंडल लेकर विदेश दौरे पर जाते थे, लेकिन अफसोस की बात है कि इन लोगों ने उद्योग के क्षेत्र में कोई कदम नहीं उठाया।

सिमडेगा में स्कॉर्पियो दुर्घटनाग्रस्त तीन बच्चों समेत पांच की मौत

सिमडेगा। झारखंड के सिमडेगा जिले में गुरुवार को एक भीषण सड़क हादसे में दंपति और तीन बच्चों समेत पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा कोलेबिरा थाना क्षेत्र में गुमला-सिमडेगा मार्ग पर अघरमा के पास हुआ, जहां एक स्कॉर्पियो वाहन अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

स्कॉर्पियो में कुल नौ लोग सवार थे। सभी एक पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए लोहरदगा से लसिया जा रहे थे। इसी दौरान अघरमा के समीप स्कॉर्पियो चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया और घायलों को वाहन से बाहर निकालने में मदद की। बाद में पुलिस की सहायता से सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार दुर्घटना में पति-पत्नी और तीन बच्चों की मौत हुई है, जबकि चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हैं। हालांकि, समाचार लिखे जाने तक प्रशासन की ओर से मृतकों की पहचान और मृतकों-घायलों की संख्या को लेकर विस्तृत आधिकारिक जानकारी जारी नहीं की गई थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा राहत और बचाव कार्यों की निगरानी की। पुलिस ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही हादसे के कारणों के बारे में स्पष्ट रूप से कुछ कहा जा सकेगा। इस बीच, हादसे की सूचना मिलने पर सिमडेगा के विधायक भूषण बाड़ा और जिला परिषद सदस्य जोसिमा खाखा भी घटनास्थल पहुंचे। उन्होंने राहत कार्यों का जायजा लिया और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

योग को जीवन शैली का अभिन्न हिस्सा बनाएं : सीएम मोहन यादव

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने प्रदेशवासियों से योग को जीवन शैली का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मद्देनजर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने गुरुवार को विशेष संदेश जारी कर योग की महत्ता को बताई हो साथ ही, आयुष मंत्रालय द्वारा आयोजित होने वाले योग के विशेष ऑनलाइन सत्र की जानकारी भी दी है।

उन्होंने हर उम्र के नागरिकों से अपील की है कि वे इस सत्र में जरूर शामिल हों। इस तरह के कार्यक्रमों से ही स्वस्थ समाज का निर्माण हो सकता है। मुख्यमंत्री यादव ने संदेश में कहा कि योग भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा की अमूल्य धरोहर है। जिसने आज संपूर्ण विश्व को स्वस्थ एवं संतुलित जीवन का मार्ग दिखाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस एक वैश्विक जन-आंदोलन के रूप में स्थापित हुआ है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 के 7वें काउंटडाउन के अवसर पर भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा 14 जून को प्रातः साढ़े छह बजे से साढ़े सात बजे तक विशेष ऑनलाइन योग सत्र का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य अधिक से अधिक नागरिकों को योग से जोड़ते हुए स्वस्थ, जागरूक एवं निरोग समाज का निर्माण करना है।

बिहार के शेखपुरा जिले में ऑपरेशन मुस्कान, पुलिस ने 25 गुम मोबाइल खोजकर असली मालिकों को लौटाए

पटना। बिहार के शेखपुरा जिले में मोबाइल फोन गुम होने की बढ़ती घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए शेखपुरा पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। इस अभियान के अंतर्गत गुम हुए कुल 25 मोबाइल फोन को बरामद किया गया है।

बरामद किए गए सभी मोबाइल फोन का सत्यापन करने के बाद एसपी बलिराम कुमार चौधरी ने उन्हें उनके वास्तविक धारकों को सौंप दिया। अपने खोए हुए मोबाइल वापस पाकर लोगों के चेहरे पर खुशी साफ झलक रही थी।

यह ऑपरेशन जिले के विभिन्न थानों में दर्ज मोबाइल गुमशुदगी से संबंधित मामलों का डेटा एकत्र करने के बाद तकनीकी अनुसंधान के माध्यम से इन मोबाइल फोन को ट्रेस कर बरामद किया गया। शेखपुरा पुलिस द्वारा इससे पहले भी जनवरी 2025 से मई 2026 तक इस अभियान के तहत लगभग 250 गुम मोबाइल फोन बरामद कर उनके असली मालिकों को लौटाए जा चुके हैं। इस सफलता को लेकर एसपी बलिराम कुमार चौधरी ने बताया कि ऑपरेशन मुस्कान का मुख्य उद्देश्य आम जनता के चेहरे पर मुस्कान लाना और उनकी खोई हुई संपत्ति वापस दिलाना है। इस अभियान के तहत आगे भी लगातार कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि गुरुवार को बरामद 25 मोबाइल फोन की कीमत लगभग 4 लाख और 57 हजार रुपए है। पुलिस को इसी प्रकार की सराहनीय कार्रवाई गुरुवार को दिल्ली से सामने आई, जहां साउथ डिस्ट्रिक्ट साइबर पुलिस स्टेशन ने एक संगठित अंतरराज्यीय साइबर ठगी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह फर्जी ऑनलाइन हेलीकॉप्टर और ट्रैवल बुकिंग वेबसाइटों के जरिए देशभर में लोगों से ठगी कर रहा था। मामले की शुरुआत उस शिकायत से हुई, जिसमें पीड़ित से 20,328 रुपए की ठगी की गई थी।

आरोपियों ने फर्जी वेबसाइटें बनाकर उन्हें सरकारी या अधिकृत ट्रैवल पोर्टल जैसा दिखाया और लोगों को यात्रा बुकिंग का झांसा देकर पैसे ऐंठे। इस आधार पर साइबर थाना, साउथ जिला में केस दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने बैंक ट्रांजैक्शन, डिजिटल पेमेंट चैनल, डोमेन रजिस्ट्रेशन रिकॉर्ड, ईमेल अकाउंट, आईपी लॉग और होस्टिंग सर्विस से प्राप्त तकनीकी डेटा का विश्लेषण किया।

सुशासन के 12 वर्ष : पीएम मोदी के नेतृत्व में गुजरात के सड़क मार्ग बने आधुनिक

गांधीनगर। इस वर्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पीएम के तौर पर 12 वर्ष पूर्ण हुए हैं। 26 मई, 2014 को उन्होंने देश के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला था। उनके दूरदर्शी नेतृत्व में गुजरात ने देश के 'ग्रोथ इंजन' के रूप में अपनी प्रतिष्ठा को और मजबूत बनाया है।

गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने राज्य के सड़क मार्गों को आधुनिक बनाने का अभियान शुरू किया था, जिससे राज्य में परिवहन अधिक सुगम बने, औद्योगिक विकास तेज हो और विकास का लाभ सुदूरवर्ती व्यक्ति तक पहुंचे। इसी प्रकार, समग्र देश में मजबूत रोड इन्फ्रास्ट्रक्चर के निर्माण के लिए उनके दिशा-निर्देशन में वर्ष 2017 में भारतमाला परियोजना शुरू की गई थी। भारतमाला परियोजना समग्र देश में राजमार्गों के विकास की एक महत्वपूर्ण परियोजना है; जिससे सड़कों पर कार्गो की आवाजाही में सुधार हो, लॉजिस्टिक्स लागत कम हो तथा आर्थिक कॉरिडोर, सीमावर्ती सड़कों, समुद्र तटीय सड़कों और एक्सप्रेसवे के नेटवर्क से देशभर में कनेक्टिविटी में वृद्धि हो।

इस परियोजना अंतर्गत समग्र देश में 50 आर्थिक कॉरिडोरों का निर्माण करने, 550 जिलों को राष्ट्रीय राजमार्ग के लिंकेज से कनेक्टिविटी देने तथा सड़क यात्रा के औसत समय में सुधार करने का लक्ष्य रखा गया है। गुजरात में इस परियोजना अंतर्गत लगभग 1068 किलोमीटर के आधुनिक सड़क मार्गों के नेटवर्क से गुजरात के विकास को नई दिशा मिली है। इस परियोजना अंतर्गत देश के उत्तरी क्षेत्र के राज्यों-प्रदेशों की पूर्वी क्षेत्रों के साथ कनेक्टिविटी बढ़ाने का भी उद्देश्य है। साथ ही; जामनगर, कंडला तथा मुंद्रा जैसे बंदरगाहों से उत्तरी क्षेत्र के राज्यों-प्रदेशों को विभिन्न उत्पादों के आयात-निर्यात की वैश्विक सुविधा उपलब्ध कराने की भी इस परियोजना की मंशा है। जब भारत सरकार ने वर्ष 2017 में भारतमाला परियोजना शुरू की, तब गुजरात को समग्र कार्यक्रम में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राज्यों में से एक के रूप में पहचान की गई। 1600 किलोमीटर से अधिक का समुद्र तट, महत्वपूर्ण औद्योगिक कॉरिडोर एवं मुंद्रा, कंडला तथा हजीरा जैसे बंदरगाहों के साथ गुजरात को ऐसे हाईवे नेटवर्क की आवश्यकता थी, जो राज्य की आर्थिक महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप हो। भारतमाला अंतर्गत विकसित सड़क नेटवर्क ने इन बंदरगाहों को राज्य के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों के साथ अधिक तेज और कार्यक्षम रूप से जोड़ा है। आज गुजरात में इस परियोजना के प्रथम चरण में 65,000 करोड़ रुपए के खर्च से 1557 किलोमीटर के 45 प्रोजेक्ट मंजूरी किए गए हैं, जिनमें से 1068 किलोमीटर सड़क निर्माण का कार्य पूर्ण किया गया है।

टीएमसी-कांग्रेस विलय की अटकलों पर विराम, केसी वेणुगोपाल बोले- 'सिर्फ अफवाहें, सच्चाई नहीं'

नई दिल्ली। टीएमसी के कांग्रेस में विलय की चर्चाओं के बीच कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने इन सभी अटकलों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि टीएमसी और कांग्रेस के विलय को लेकर चल रही खबरें महज अफवाहें हैं और इनमें कोई सच्चाई नहीं है।

वेणुगोपाल ने गुरुवार को आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'ये पूरी तरह अफवाहें हैं। हमारी कम्युनिकेशन सेक्रेटरी पहले ही इस बारे में स्पष्ट कर चुकी हैं। इन बातों का कोई आधार नहीं है।'

उन्होंने बताया कि पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने हाल ही में कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात की थी। हालांकि, इन मुलाकातों को लेकर उठ रही अटकलों को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि यह सिर्फ सामान्य राजनीतिक चर्चा थी। केसी वेणुगोपाल ने कहा, 'यह इंडिया ब्लॉक से जुड़ी चर्चाओं का विस्तार था। सभी दल इंडिया ब्लॉक को मजबूत करना चाहते हैं और इस सरकार के खिलाफ लोकतांत्रिक लड़ाई को मजबूत करना चाहते हैं। चर्चा का विषय सिर्फ यही था, इसके अलावा कुछ नहीं।' दरअसल, मंगलवार को ममता बनर्जी की सोनिया गांधी से वन-टू-वन मीटिंग और बुधवार को अभिषेक बनर्जी की राहुल गांधी से अलग बैठक के बाद टीएमसी और कांग्रेस के दोबारा एक होने की अटकलें तेज हो गई थीं। हालांकि, पश्चिम बंगाल विधानसभा में टीएमसी विधायक दल के नए और बहुमत वाले गुट के नेता तथा विधानसभा में विपक्ष के नेता ऋतब्रत बनर्जी ने कांग्रेस और टीएमसी के विलय की किसी भी संभावना से साफ इनकार कर दिया है।

विद्यार्थियों के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई : कलेक्टर

कमजोर रिजल्ट, फर्जी पंजीयन और शिक्षा में लापरवाही पर कड़ा प्रहार

रायपुर। अशासकीय विद्यालयों के प्राचार्यों की बैठक में कलेक्टर गौरव सिंह सख्त तेवर में नजर आए। बोर्ड परीक्षा परिणामों की समीक्षा के दौरान उन्होंने कमजोर प्रदर्शन, फर्जी पंजीयन, नियमित कक्षाओं के अभाव और शिक्षा के नाम पर हो रही अनियमितताओं पर नाराजगी जताई। कलेक्टर ने साफ कहा कि विद्यार्थियों के भविष्य के साथ समझौता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषी विद्यालयों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

सरकारी स्कूलों से पीछे निजी स्कूल

कक्षा 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा परिणामों की समीक्षा के दौरान सामने आया कि जिले का औसत परिणाम बेहतर रहा है।कक्षा 10वीं में 71.05 प्रतिशत और कक्षा 12वीं में 84.79 प्रतिशत परिणाम दर्ज किया गया। हालांकि कई अशासकीय विद्यालयों का प्रदर्शन शासकीय विद्यालयों से कमजोर रहा और कुछ स्कूलों के नतीजों में पिछले वर्ष की तुलना में गिरावट भी देखी गई। इस पर कलेक्टर ने ऐसे विद्यालयों की विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

बैठक से गायब प्राचार्यों को नोटिस

बैठक में बिना पूर्व सूचना अनुपस्थित रहने वाले अशासकीय विद्यालयों के प्राचार्यों पर भी कलेक्टर ने नाराजगी जताई। उन्होंने ऐसे प्राचार्यों को कारण बताओ नोटिस जारी करने और जरूरत पड़ने पर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए।कलेक्टर ने कहा कि शिक्षा जैसे संवेदनशील विषय में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

फर्जी पंजीयन और अनियमितताओं पर चलेगा सख्त एक्शन

कलेक्टर ने फर्जी पंजीयन, नियमित कक्षाओं के अभाव और आरटीआई के दुरुपयोग जैसे मामलों पर विशेष चिंता जताई।उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि यदि किसी विद्यालय में गंभीर अनियमितताएं पाई जाती हैं तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि शिक्षा के नाम पर किसी भी तरह का खेल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

शिक्षा में अनियमितता पर रायपुर कलेक्टर सख्त

विद्यालयों की गुणवत्ता और कार्यप्रणाली पर नजर रखने के लिए जिला स्तर पर विशेष निरीक्षण दल गठित किया जाएगा। यह दल समय-समय पर स्कूलों का निरीक्षण करेगा, शैक्षणिक स्तर का मूल्यांकन करेगा और शिक्षा व्यवस्था की वास्तविक स्थिति की रिपोर्ट तैयार करेगा। निरीक्षण के आधार पर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे।

अभिभावकों से सीधे लिया जाएगा फीडबैक

कलेक्टर ने निरीक्षण दल को निर्देश दिए कि वह शिक्षकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों और अभिभावकों से जुड़ी जानकारी जुटाए। साथ ही कॉल सेंटर के माध्यम से अभिभावकों से संपर्क कर विद्यालयों की शैक्षणिक गुणवत्ता और व्यवस्थाओं को लेकर उनकी राय ली जाए। यदि किसी विद्यालय के खिलाफ गंभीर शिकायतें मिलती हैं तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

'विद्यालय शिक्षा का मंदिर है, व्यवसाय का माध्यम नहीं'

बैठक के दौरान कलेक्टर गौरव सिंह ने दो टूक कहा कि विद्यार्थियों का भविष्य सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी को भी उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का अधिकार नहीं है, उन्होंने कहा कि विद्यालय शिक्षा का मंदिर है, इसे व्यवसाय का माध्यम नहीं बनाया जा सकता। शिक्षा के नाम पर अनियमितता और विद्यार्थियों के भविष्य से समझौता करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

महादेव घाट ओवरब्रिज: दो साल की देरी के बाद फिर शुरू हुई प्रक्रिया, नया टेंडर अंतिम चरण में

रायपुर (संवाददाता)। अमलेश्वर मार्ग पर बढ़ते यातायात दबाव को कम करने के लिए प्रस्तावित महादेव घाट ओवरब्रिज परियोजना पिछले दो वर्षों से कागजी प्रक्रियाओं में उलझी रही। वर्ष 2024 में प्रशासनिक मंजूरी मिलने के बाद नवंबर 2025 में लगभग 18.66 करोड़ रुपये का टेंडर जारी किया गया था, लेकिन चयनित एजेंसी द्वारा विभाग से अनुबंध नहीं किए जाने के कारण निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका।

लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने करीब चार महीने तक एजेंसी का इंतजार किया, लेकिन प्रक्रिया पूरी नहीं होने पर उसकी सुरक्षा राशि जब्त कर अप्रैल 2026 में दोबारा टेंडर जारी करना पड़ा। नए टेंडर में चार कंपनियों ने भाग लिया है और तकनीकी जांच पूरी होने के बाद अब वित्तीय परीक्षण की प्रक्रिया चल रही है। विभागीय अधिकारियों का दावा है कि अगले कुछ दिनों में नई एजेंसी का चयन कर कार्यादेश जारी कर दिया जाएगा।

खारून नदी पर पुराने पुल के समीप बनने वाला यह स्टील ओवरब्रिज 180 मीटर लंबा और 17 मीटर चौड़ा होगा। निर्माण एजेंसी को कार्य शुरू होने के बाद 18 माह के भीतर परियोजना पूरी करनी होगी। हालांकि मानसून के कारण शुरुआती निर्माण कार्य प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। महादेव घाट, चंगोराभाठा, डीडी नगर, संतोषी नगर, प्रोफेसर कॉलोनी, अमलेश्वर, अंजोरा, पाटन रोड और दुर्ग-भिलाई क्षेत्र से रायपुर आने-जाने वाले हजारों लोगों को इस ओवरब्रिज से राहत मिलने की उम्मीद है। अधिकारियों के अनुसार, वर्तमान और भविष्य के यातायात दबाव को देखते हुए अगले तीन दशकों की जरूरतों को ध्यान में रखकर इसका डिजाइन तैयार किया गया है। इस मामले पर जानकारी के लिए जब हमने पीडब्लूडी के अधिकारियों से संपर्क करना चाहा तो उनसे संपर्क नहीं हो सका।

संक्षिप्त खबरें

हार्मोनी के गायकों ने दी शानदार प्रस्तुति

रायपुर। छत्तीसगढ़ी मैथिल ब्राह्मण समाज के हार्मोनी म्यूज़िकल ग्रुप का फ़िल्मी गीतों का संगीतमयी कार्यक्रम हाल ही में मयाराम सुरजन हॉल में संपन्न हुआ। ग्रुप के डायरेक्टर संजीब ठाकुर नें बताया कि इस कार्यक्रम में रायपुर के अलावा, भिलाई, दुर्ग, राजनांदगाँव, कवर्धा, और जगदलपुर के मैथिल ब्राह्मण समाज के ग़ायक गायिकाएँ कार्यक्रम में शामिल हुए। साल में एक बार होने वाले हार्मोनी ग्रुप की यह तीसरी प्रस्तुति थी। इस सांगितिक कार्यक्रम में मायाराम सुरजन हॉल श्रोताओं से खचाखच भरा रहा।

श्रोताओं नें ग़ायक कलाकारों की ग़ायकी को बहुत पसंद किया

कार्यक्रम में संजीव ठाकुर, मनीष झा, प्रेरणा झा, निधि ठाकुर, प्रवीण ठाकुर, संध्या झा , पंचेश झा ,प्रतीक्षा ठाकुर, आरती झा के अलावा, दुर्ग से अभिलाषा ठाकुर, डॉ. विकास ठाकुर, भिलाई से डॉ. ऋतू मिश्रा, अंशुमान दत्त मिश्रा,शक्ति मिश्रा , प्रवेश मिश्रा, राजनांदगाव से समीर ठाकुर, कवर्धा से रंजना झा, जगदलपुर से निशांत मिश्रा नें अपनी शानदार प्रस्तुतियों से समा बांधा। कार्यक्रम में नन्ही नृत्ययाँगना बेबी अवनी ठाकुर नें शानदार सेमी क्लासिकल डांस करके श्रोताओं का मन मोह लिया। कार्यक्रम का मंच संचालन ज्ञानेश झा ने किया।

वरिष्ठजन एक दिन मोबाइल का नहीं करेंगे उपयोग

रायपुर। वर्तमान युग में मोबाइल के बिना जीवन की कल्पना असंभव प्रतीत होती है, लेकिन ऐसा नहीं है। हम उस युग के लोग हैं, जिन्होंने अपने युवावस्था में मोबाइल जैसे संसाधन नहीं देखे। जब मोबाइल आया, तो हम लोग युवावस्था के अंतिम पड़ाव पर हुआ करते थे, ऐसे में बिना मोबाइल के भी हमारा कार्य चलता था, फिर आज हम इसके आदी क्यों हो रहे हैं। कहीं न कहीं हमें देखकर हमारे नाती- पोते भी मोबाइल देखते हैं। ज्यादातर घरों पर बच्चे अपने दादा-दादी का मोबाइल ही देखते हैं। वरिष्ठ नागरिकों की संस्था 'सहयोग' की मासिक बैठक में अध्यक्ष अपर्णा कालेले ने इस आशय के विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर सभी सदस्यों ने सप्ताह में एक दिन मोबाइल उपवास करने का संकल्प लिया। महाराष्ट्र मंडल की सहयोगी संस्था 'सहयोग' के सचिव श्याम सुंदर खंगन ने बताया कि संस्था की मासिक बैठक भगिनी मंडल चौबे कॉलोनी में हुई। बैठक की शुरुआत गणेश वंदना और फिर सदस्यों के स्वागत से हुई। इस बीच संस्था के नवीन सदस्यों का अन्य सदस्यों से परिचय कराया गया। तत्पश्चात कोषाध्यक्ष दीपक पात्रीकर ने संस्था की वार्षिक सदस्यता शुल्क एवं आय-व्यय की जानकारी दी। जिन सदस्यों का जन्मदिन इस माह होता है, उन्हें शुभकामना दी गई।

सिलयारी नाबालिग अपहरण-दुष्कर्म मामले में बाल आयोग का स्वतः संज्ञान

रायपुर। राजधानी रायपुर के धरसींवा थाना क्षेत्र अंतर्गत सिलयारी में 13 वर्षीय नाबालिग बालिका के कथित अपहरण और दुष्कर्म मामले को छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने गंभीरता से लेते हुए स्वतः संज्ञान लिया है। सोशल मीडिया और विभिन्न समाचार माध्यमों में सामने आई खबरों के आधार पर आयोग ने प्रकरण दर्ज कर जांच प्रक्रिया शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, मामले की शुरुआती जांच के दौरान पीड़िता द्वारा किसी अपराध से इनकार किए जाने का हवाला देते हुए प्रकरण को बंद करने की तैयारी की जा रही थी। लेकिन घटना से जुड़े कुछ वीडियो और ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद नए तथ्य सामने आए। इसके बाद पुलिस ने मामले की दोबारा जांच की और जांच के आधार पर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। वहीं, जांच में लापरवाही बरतने के आरोप में संबंधित चौकी प्रभारी को निलंबित कर दिया गया है। राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने पूरे मामले को बाल सुरक्षा और पुलिस जांच प्रक्रिया से जुड़ा गंभीर विषय मानते हुए 'बाल अधिकार संरक्षण आयोग अधिनियम, 2005' की धारा 13(1)(ज) एवं धारा 14 के तहत कार्रवाई की है। आयोग ने जिला बाल संरक्षण अधिकारी (डीसीपीओ) रायपुर को पीड़ित बालिका का बयान दर्ज कर विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

गोल्डन होम्स चोरी मामले में पेशेवर बदमाश दबोचे गए

6.28 लाख का माल बरामद, 3 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर (संवाददाता)। राजधानी के खम्हारडीह थाना क्षेत्र स्थित गोल्डन होम्स में हुई लाखों रुपये की चोरी का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट तथा खम्हारडीह पुलिस की संयुक्त टीम ने मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से सोने-चांदी के जेवरात, नकदी, चोरी के पैसों से खरीदा गया मोबाइल फोन, कूलर और वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल समेत करीब 6.28 लाख रुपये का सामान बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार, गोल्डन होम्स निवासी भरत छापड़िया ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 3-4 जून की रात अज्ञात चोर उनके घर में घुस गया। परिवार के सोते समय आरोपी ने अलमारी और लॉकर खोलकर सोने के जेवरात, चांदी के सिक्के और नकदी पर हाथ साफ कर दिया था। शिकायत के आधार पर खम्हारडीह थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस उपायुक्त (क्राइम एंड साइबर) स्मृतिक राजनाला और पुलिस उपायुक्त (उत्तर) मयंक गुर्जर के निर्देशन में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज का सूक्ष्म विश्लेषण किया तथा तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मुख्य आरोपी डी रवि राव उर्फ डी बच्चन (29) तक पहुंची।

पूछताछ में रवि राव ने चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार कर लिया। उसने बताया कि चोरी का कुछ सामान अपने चचेरे भाई डी इग्नेश राव (19) और परिचित अशोक मानिकपुरी (53) को बेचने और छिपाने के लिए दिया था। इसके बाद पुलिस ने दोनों को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी के जेवरात और नकदी सहित कुल 6 लाख 28 हजार रुपये का मशरूका बरामद किया है। मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक मुख्य आरोपी डी रवि राव उर्फ डी बच्चन पहले भी चोरी, मारपीट और प्रतिबंधात्मक धाराओं के मामलों में जेल जा चुका है, जबकि डी इग्नेश राव आर्म्स एक्ट के मामले में पूर्व में जेल जा चुका है।

साय सरकार का बड़ा फैसला : विधायक अब दूसरे जिलों के कर्मचारियों को भी कर सकेंगे अटैच

रायपुर (संवाददाता)। छत्तीसगढ़ की साय सरकार ने विधायकों को सचिवालयीन सहायता उपलब्ध कराने के नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव किया है। अब विधायक अपने विधानसभा क्षेत्र तक सीमित न रहकर राज्य के किसी भी जिले में पदस्थ कर्मचारियों की सेवाएं सचिवालयीन कार्यों के लिए प्राप्त कर सकेंगे। सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने इस संबंध में सभी कलेक्टरों को संशोधित निर्देश जारी कर दिए हैं।

जारी आदेश के अनुसार वर्ष 2019 में सांसदों और विधायकों को लिपिकीय एवं सचिवालयीन सहायता उपलब्ध कराने के लिए जारी दिशा-निर्देशों में संशोधन किया गया है। पहले विधायक केवल अपने विधानसभा क्षेत्र में पदस्थ कर्मचारियों को ही अपने साथ अटैच करा सकते थे, जिससे कई बार उन्हें आवश्यक स्टाफ उपलब्ध कराने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता था।

नए निर्देश के तहत अब विधायक राज्य के किसी भी जिले में कार्यरत कर्मचारियों को सचिवालयीन सहायता के लिए अपने साथ अटैच करा सकेंगे। हालांकि, राज्य स्तरीय कार्यालयों में पदस्थ कर्मचारियों को विधायकों के साथ अटैच करने की अनुमति नहीं होगी।

वहीं, सामान्य प्रशासन विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह प्रतिबंध सांसदों पर लागू नहीं होगा। सांसद पूर्व की तरह राज्य स्तरीय कार्यालयों में पदस्थ कर्मचारियों की सेवाएं भी प्राप्त कर सकेंगे।

सरकार के इस निर्णय को विधायकों के प्रशासनिक कार्यों को सुचारू बनाने और उन्हें आवश्यक सचिवालयीन सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

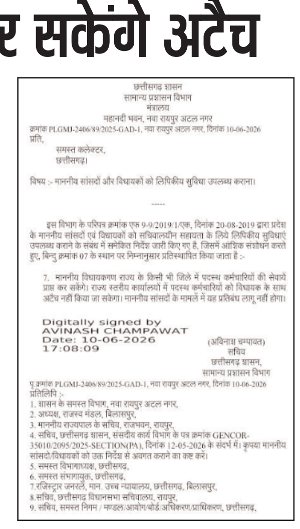
छत्तीसगढ़ शासन
सामान्य प्रशासन विभाग
मंत्रालय
महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर

क्रमांक PLGMJ-2406/89/2025-GAD-1, नवा रायपुर अटल नगर, दिनांक 10-06-2026

प्रति,
समस्त कलेक्टर,
छत्तीसगढ़।

विषय :- माननीय सांसदों और विधायकों को लिपिकीय सुविधा उपलब्ध कराना।

इस विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ 9-9/2019/1/एक, दिनांक 20-08-2019 द्वारा प्रदेश के माननीय सांसदों एवं विधायकों को सचिवालयीन सहायता के लिये लिपिकीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के संबंध में सनेकित निर्देश जारी किए गए है, जिसमें आंशिक संशोधन करते हुए, बिन्दु क्रमांक 07 के स्थान पर निम्नानुसार प्रतिस्थापित किया जाता है :-

7. माननीय विधायकगण राज्य के किसी भी जिले में पदस्थ कर्मचारियों की सेवायें प्राप्त कर सकेंगे। राज्य स्तरीय कार्यालयों में पदस्थ कर्मचारियों को विधायक के साथ अटैच नहीं किया जा सकेगा। माननीय सांसदों के मामले में यह प्रतिबंध लागू नहीं होगा।

Digitally signed by
AVINASH CHAMPAWAT
Date: 10-06-2026
17:08:09

(अविनाश चम्पावत)
सचिव
छत्तीसगढ़ शासन,
सामान्य प्रशासन विभाग

पृ.क्रमांक PLGMJ-2406/89/2025-GAD-1, नवा रायपुर अटल नगर, दिनांक 10-06-2026

प्रतिलिपि :-
1. शासन के समस्त विभाग, नवा रायपुर अटल नगर,
2. अध्यक्ष, राजस्व मंडल, बिलासपुर,
3. माननीय राज्यपाल के सचिव, राजभवन, रायपुर,
4. सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, संसदीय कार्य विभाग के पत्र क्रमांक GENCOR-35010/2095/2025-SECTION(PA), दिनांक 12-05-2026 के संदर्भ में। कृपया माननीय सांसदों/विधायकों को उक्त निर्देश से अवगत कराने का कष्ट करें।
5. समस्त विभागाध्यक्ष, छत्तीसगढ़,
6. समस्त संभागायुक्त, छत्तीसगढ़,
7. रजिस्ट्रार जनरल, मान. उच्च न्यायालय, छत्तीसगढ़, बिलासपुर,
8. सचिव, छत्तीसगढ़ विधानसभा सचिवालय, रायपुर,
9. सचिव, समस्त निगम / मण्डल/आयोग/बोर्ड/अधिकरण/प्राधिकरण, छत्तीसगढ़,

खराब मौसम के कारण दिल्ली-रायपुर फ्लाइट डायवर्ट

भूपेश बघेल समेत कई नेता थे सवार

रायपुर। दिल्ली से रायपुर आ रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई-5138 को खराब मौसम के चलते रायपुर एयरपोर्ट पर लैंड नहीं कराया जा सका। सुरक्षा कारणों से विमान को नागपुर एयरपोर्ट की ओर डायवर्ट किया गया, जहां उसकी सुरक्षित लैंडिंग कराई गई।

जानकारी के अनुसार, रायपुर में बारिश और कम दृश्यता के कारण विमान की सुरक्षित लैंडिंग संभव नहीं हो पा रही थी। फ्लाइट ने कुछ समय तक रायपुर के आसपास उड़ान भरते हुए मौसम सामान्य होने का इंतजार किया, लेकिन परिस्थितियां अनुकूल नहीं होने पर पायलट ने विमान को नागपुर ले जाने का निर्णय लिया।

फ्लाइट में भूपेश बघेल, दीपक बैज, अरुण साव, रेणुका सिंह सहित कई प्रमुख नेता और अन्य यात्री सवार थे। भाजपा प्रवक्ता गौरीशंकर श्रीवास भी इसी विमान में मौजूद थे। फ्लाइट के नागपुर डायवर्ट होने से यात्रियों के रायपुर पहुंचने में देरी होने की संभावना है। एयरलाइन की ओर से आगे की यात्रा और व्यवस्थाओं को लेकर आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश का दौर जारी है, जिससे हवाई सेवाओं पर भी असर पड़ रहा है।

यूजर चार्ज देने वालों को मिलेगी डस्टबिन, 1.70 लाख होंगे वंचित

निगम की योजना पर उठे सवाल

रायपुर। स्वच्छ भारत मिशन के तहत रायपुर नगर निगम ने 3.84 करोड़ रुपये की लागत से करीब 1.60 लाख डस्टबिन खरीदे हैं। इन डस्टबिनों का उद्देश्य घर-घर कचरा पृथक्करण को बढ़ावा देना बताया जा रहा है, लेकिन शहर के बड़ी संख्या में परिवारों तक इसका लाभ नहीं पहुंच पाएगा। निगम की योजना के अनुसार केवल 80 हजार परिवारों को दो-दो डस्टबिन (गीले और सूखे कचरे के लिए) दिए जाएंगे, जबकि शहर में करीब 2.50 लाख परिवार नियमित रूप से यूजर चार्ज जमा कर रहे हैं।

इस स्थिति में लगभग 1.70 लाख परिवार डस्टबिन वितरण योजना से बाहर रह जाएंगे। इसे लेकर नागरिकों के बीच सवाल उठ रहे हैं कि जब सफाई सेवाओं के लिए लगातार यूजर चार्ज लिया जा रहा है, तो सभी परिवारों को कचरा पृथक्करण की मूलभूत सुविधा क्यों नहीं दी जा रही।

यूजर चार्ज बढ़ा, सुविधा सीमित

नगर निगम ने पिछले वर्षों में यूजर चार्ज में वृद्धि की है। 500 वर्गफीट तक के मकानों के लिए शुल्क 240 रुपये से बढ़ाकर 480 रुपये वार्षिक कर दिया गया है। 501 से 1000 वर्गफीट तक के मकानों पर 600 रुपये और उससे बड़े मकानों पर 960 रुपये प्रतिवर्ष वसूले जा रहे हैं। इसके बावजूद डस्टबिन वितरण सीमित परिवारों तक ही रखने की योजना पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

हर वार्ड में केवल 1100 डस्टबिन

स्वच्छ भारत मिशन के अधिकारियों के अनुसार सभी जोन कार्यालयों में डस्टबिन पहुंच चुके हैं। योजना के तहत प्रत्येक जोन में लगभग 8 हजार और प्रत्येक वार्ड में करीब 1100 डस्टबिन वितरित किए जाने हैं। हालांकि अभी तक व्यापक स्तर पर वितरण शुरू नहीं हो पाया है।

पुराने डस्टबिनों का भी नहीं हुआ पूरा उपयोग

नगर निगम द्वारा डस्टबिन खरीद को लेकर यह पहला विवाद नहीं है। वर्ष 2018 में भी बड़ी संख्या में डस्टबिन खरीदे और बांटे गए थे। इसके बाद 2021 और 2022 में भी खरीदारी हुई, लेकिन उनका वितरण पूरी तरह नहीं हो सका। कई स्थानों पर डस्टबिन गोदामों और जोन कार्यालयों में पड़े रहने की शिकायतें सामने आई थीं।

निगम का पक्ष

नगर निगम का कहना है कि आर्थिक रूप से सक्षम परिवार स्वयं डस्टबिन खरीद सकते हैं। खरीदे गए डस्टबिन मुख्य रूप से झुग्गी-बस्तियों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के परिवारों को वितरित किए जाएंगे, ताकि उनमें गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग रखने की आदत विकसित हो सके और स्रोत स्तर पर कचरा पृथक्करण को बढ़ावा मिले। हालांकि सवाल अब भी बरकरार है कि स्वच्छता शुल्क देने वाले लाखों परिवारों को योजना का लाभ कब और कैसे मिलेगा, तथा करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद भी शहर में कचरा पृथक्करण की व्यवस्था कितनी प्रभावी हो पाएगी।

> खरीदे गए डस्टबिन मुख्य रूप से झुग्गी-बस्तियों और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को वितरित किए जाएंगे। इन क्षेत्रों में गीला और सूखा कचरा अलग-अलग रखने की आदत विकसित करने और लोगों को जागरुक करने के उद्देश्य से यह वितरण किया जाएगा।
>
> **-मीनल चौबे**
> महापौर, नगर निगम रायपुर

ऑटोमोबाइल दुकान में लगी आग लाखों की सम्पत्ति जलकर खाक

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के एमजी रोड स्थित जया ऑटोमोबाइल शोरूम में गुरुवार को भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घटना मौदहापारा थाना क्षेत्र की है। आग लगने की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने के लिए राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया।

जानकारी के अनुसार, मौदहापारा थाने के ठीक सामने स्थित जया ऑटोमोबाइल में अचानक आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे पूरे क्षेत्र में धुएं का गुबार फैल गया। प्रारंभिक तौर पर आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है, हालांकि वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है।

संपादकीय

कुछ बात तो है उनमें, कोई यूँ ही मोदी नहीं हो जाता

प्रो. मनोज कुमार

कुछ बात तो है उनमें, कोइ यूँ ही नरेन्द्र मोदी नहीं कहलाता. वैसे भी भारतीय राजनीति में अलग-अलग समय में अलग-अलग मानक गढ़े जाते हैं और वह ऐतिहासिक हो जाता है. एक और राजनीतिक मानक गढ़ा है प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी ने. लगातार 12 वर्ष प्रधानमंत्री बने रहने का उनका यह नया कीर्तिमान है. आप चाहें जितना विरोध कर लें, आप चाहें जितनी आलोचना कर लें लेकिन कुछ बात तो उनमें है कि कई बार विरोधी भी कायल हो जाते हैं. 12 वर्ष पूर्व उनका अभिनंदन, स्वागत और उम्मीदों का साल था. जैसा होता है समय के साथ इस भाव में कहीं कमी दिखी तो चाहने वाले वैसे ही बने रहे. उनकी पहचान वैश्विक नेता के रूप में अपवाद स्वरूप बनी रही तो लगातार और बार-बार राज्यों के चुनावों में उनके नाम पर जीत इस बात की आश्वस्ति दिलाती रही कि 'मोदी मैजिक' कायम है. साथ ही अन्य दलों से टूटकर भी आने वाले जनप्रतिनिधियों ने उनके प्रति अपना भरोसा जताया, यह एक अलग किस्म का भारतीय राजनीति को अनुभव हुआ. इसके पहले भी दल-बदल होता रहा है लेकिन इसे दल-बदल के साथ 'दिल' बदल के रूप में देखा जाना चाहिए. आम आदमी पार्टी और हालिया तृणमूल कांग्रेस के सांसदों का उनके साथ चले जाना, यह परिघटना के रूप में परिभाषित होगा. हालांकि विरोधियों का कहना है कि उनका 'डर से दिल' बदला है. डर या विश्वास, दिल से दल बदल रहा है और 12 वर्षों में इस बदलाव को रेखांकित किया जाएगा. यह भी अजीब सा लगता है कि बार-बार कहा जा रहा है कि मोदी ने नेहरु के रिकार्ड को तोड़ दिया. अरे नहीं, भाई मोदी ने रिकार्ड बनाया है.

भारतीय राजनीति में 12 वर्ष का समय बहुत होता है और जब चौतरफा हमले हो रहे हैं तब सत्ता में बने रहना सच में अर्थपूर्ण है. विरोध विरोधियों से हो तो सामान्य सी बात है लेकिन विरोध खुद के घर से हो तो यह चुनौती बन जाता है. विरोधियों के कुछ जायज हमले हैं तो कुछ नाजायज. कुछ हमले तो व्यक्तिगत हो रहे हैं, जिसे सही नहीं कहा जा सकता है. नीति-नियमों के आधार पर तार्किक विरोध का हर मंच पर स्वागत होता है लेकिन पूर्वाग्रहों से भरे विरोध कोई मायने नहीं रखता है. खैर, वैश्विक संकट का असर भारत में दिखने लगा. अनेक स्तरों पर भारत भी इस संकट से जूझ रहा है और इसका परिणाम यह हुआ कि 12 साल पहले किए गए वायदों को पूरा करने में खरोंच लगी. महंगाई, बेरोजगारी का ग्राफ बढ़ता गया. युद्ध के चलते भारत की आर्थिक हालत पर भी घाव लगा और देखते ही देखते महंगाई का ग्राफ तेजी से बढने् लगा. आखिरकार मोदी को आम आदमी के सामने आकर सहयोग का आह्वान करना पड़ा. कुछ बातें ऐसी थी जिसे एक आम भारतीय नहीं मानता है जैसे सोना ना खरीदने की बात लेकिन अर्थशास्त्र के जानकार बताएंगे ऐसा क्यों? हम मोटामोटी तौर पर सहज और सरल जिंदगी चाहते हैं और सरकार को अलादीन का चिराग मानकर उसे हर मुराद पूरी करने की जिद् भी कर बैठते हैं और जब जिद् पूरी नहीं होती है तब सरकार खराब हो जाती है. इस समय सरकार का मतलब समझा दिया गया है मोदी और मोदी को खराब साबित करने के लिए हर स्तर पर कोशिश जारी है.

यह भी सच है कि 12 वर्ष पहले युवाओं को जो उम्मीदों के पंख लगे थे, वह टूटकर बिखरने लगे. उम्मीद टूटी लेकिन नाउम्मीद नहीं हुए और वे अपने एक 'वोट' से अपने नायक मोदी को मजबूत करते रहे, यह भी एक बड़ा सच है. स्मरण कीजिए कि लोकपाल की माँग को लेकर यही नौजवान सडक़ पर उतरे तो कांग्रेस की सरकार पलट दी तो क्या यह नाराजगी मोदी को चुनौती नहीं दे सकती है? जरूर दे सकती है लेकिन तब जब युवा नाउम्मीद हो जाए. इन 12 वर्षों में ऐसे चाहे-अनचाहे बात-बयान हुआ और उनकी इमेज को सोशल मीडिया के जरिए तोडने् की कोशिश की गई. अतिरेक में विरोधियों के साथ भी ऐसा ही हुआ और इसका दुष्परिणाम यह निकला कि सत्ता और प्रतिपक्ष में जो समन्वय होना चाहिए था, उसमें दरार पड़ गई. प्रतिपक्ष की प्रकृत्ति प्रतिरोध की रही है लेकिन विरोधी व्यवहार कई नीतिगत मुश्किलें उत्पन्न करता है और ऐसा हुआ भी.

समय एक सा नहीं रहता है और यह सबके साथ होता है, मोदी कोइ अपवाद नहीं लेकिन 12 वर्षों तक मोदी करिश्मा अपवाद है. इस अपवाद का सबसे बड़ा गुण है एक कुशल जनसंचार के रूप में स्वयं को स्थापित करना. 'मन की बात' के माध्यम से वे देश के करोड़ों लोगों तक पहुँच गए. माटी से खादी तक चर्चा कर हुनरमंद लोगों को उनके घेरे से बाहर लाकर मुख्यधारा से जोडक़र एक नया मुकाम दिया. प्रधानमंत्री मोदी तारीफ करें तो उनके हुनर को पंख लग जाना स्वाभाविक है. 'मन की बात' की हर ऐपिसोड में समाज के अंतिम छोर पर बैठे हुनरमंद को तलाश कर ले आते हैं. वे जनता की नब्ज भी जानते हैं और समझते हैं. और ऐसे में वे कभी खेल के मैदान में उतर जाते हैं तो कभी गाँव की चौपाल में खाट में बैठकर अपनापन का भाव जताते हैं. जैसा कि उन्होंने खुद ही अपील कर कहा कि मोदीजी नहीं, मोदी कहा जाए. वे जानते हैं कि एक 'जी' अपनों से पराया बना देती है. उनका यही हुनर उन्हें एक कुशल संचारक के रूप में स्थापित करता है. संचार की अवधारणा कहती है कि संदेश देने वाले की कामयाबी इस बात में नहीं है कि वह संदेश क्या देता है बल्कि कामयाबी इस बात में है कि संदेश ग्रहण करने वाला उसे कैसे ग्रहण करता है. बातें और भी बहुत सी है और यही बातें उन्हें दूसरों से जुदा करती है।

सांसद और विधायक भाग रहे, क्या ममता बनर्जी टीएमसी छोड़ कर कांग्रेस में जा रही हैं ?

नीरज कुमार दुबे

पश्चिम बंगाल की राजनीति इस समय अपने सबसे उथल पुथल भरे दौर से गुजर रही है। कभी बंगाल की निर्विवाद ताकत मानी जाने वाली ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस अब अंदरूनी बगावत, सांसदों और विधायकों के पलायन तथा राजनीतिक अस्तित्व के संकट से जूझती दिखाई दे रही है। दिल्ली में सोनिया गांधी के साथ ममता बनर्जी और राहुल गांधी के साथ अभिषेक बनर्जी की बैठकों ने इस संकट को और अधिक राजनीतिक रंग दे दिया है। भले ही कांग्रेस और तृणमूल दोनों सार्वजनिक रूप से किसी विलय की संभावना से इंकार कर रहे हों, लेकिन घटनाक्रम यह संकेत दे रहा है कि बंगाल की राजनीति में एक बड़ा पुनर्संयोजन शुरू हो चुका है। एक तरह से यह साफ नजर आ रहा है कि सिर्फ टीएमसी के सांसद, विधायक और पार्षद ही पाला नहीं बदल रहे हैं खुद टीएमसी प्रमुख अपनी पार्टी को खत्म कर कांग्रेस में वापस लौटना चाह रही हैं।

यह वीनर्स नकली दांतों से 300 गुना बेहतर है! और कीमत बहुत सस्ती है

हम आपको बता दें कि दिल्ली में राहुल गांधी और अभिषेक बनर्जी की डेढ़ घंटे लंबी मुलाकात तथा उससे पहले सोनिया गांधी और ममता बनर्जी की बैठक ने राजनीतिक गलियारों में हलचल पैदा कर दी है। तृणमूल कांग्रेस ने इन बैठकों को लोकतंत्र और संविधान बचाने की साझा प्रतिबद्धता बताया, लेकिन राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि यह महज औपचारिक बातचीत नहीं थी। बंगाल विधानसभा चुनावों के बाद जिस तरह तृणमूल कांग्रेस कमजोर हुई है और पार्टी के भीतर टूट की स्थिति बनी है, उसके बाद कांग्रेस से नजदीकी बनाना ममता बनर्जी की राजनीतिक मजबूरी बन गई है।

स्थिति यह है कि तृणमूल कांग्रेस के भीतर विद्रोह अब खुली चुनौती का रूप ले चुका है। पार्टी के 80 में से 58 विधायक अलग होकर निष्कासित विधायक रितब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट के साथ चले गए हैं। इस गुट को विधानसभा में मुख्य विपक्षी दल के रूप में मान्यता भी मिल चुकी है। रितब्रत बनर्जी लगातार दावा कर रहे हैं कि वही 'असली तृणमूल कांग्रेस' हैं और कांग्रेस के साथ किसी भी प्रकार के विलय या समझौते के खिलाफ हैं। उनका दावा है कि उनके साथ विधायकों की संख्या लगातार बढ़ रही है और कई सांसद भी उनके संपर्क में हैं।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि कांग्रेस के साथ संभावित विलय या अत्यधिक नजदीकी की अटकलों ने तृणमूल कांग्रेस के भीतर असुरक्षा और बेचैनी को और बढ़ा दिया है। पार्टी के कई विधायक, सांसद और क्षेत्रीय नेता अपनी पूरी राजनीतिक पहचान कांग्रेस विरोध की जमीन पर बनाकर आगे बढ़े थे। ऐसे में उन्हें यह डर सता रहा है कि यदि ममता बनर्जी अंततः कांग्रेस के साथ विलय या व्यापक राजनीतिक समझौते की राह पर चलती हैं, तो उनकी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान समाप्त हो जाएगी। यही कारण है कि तृणमूल में भगदड़ और तेज होने की संभावना जताई जा रही है। पार्टी के भीतर एक बड़ा वर्ग ऐसा है जो कांग्रेस में लौटने के पक्ष में नहीं है और वह या तो अलग गुट के साथ रहना चाहता है या फिर नए राजनीतिक विकल्प तलाश रहा है। यही बेचैनी अब खुले विद्रोह और लगातार इस्तीफों के रूप में सामने आती दिखाई दे रही है।

संकट केवल विधानसभा तक सीमित नहीं है। संसद में भी तृणमूल कांग्रेस की नींव हिलती दिख रही है। राज्यसभा सांसद प्रकाश चिक बराइक के इस्तीफे ने पार्टी की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। उनसे पहले सुष्मिता देव और सुखेंदु शेखर राय भी पार्टी और राज्यसभा से इस्तीफा दे चुके हैं। सुष्मिता देव की असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा से मुलाकात ने यह अटकलें और तेज कर दी हैं कि तृणमूल कांग्रेस के कई नेता अब भारतीय जनता पार्टी की ओर रुख कर सकते हैं।

लोकसभा में भी तृणमूल के भीतर विद्रोही खेमे की ताकत बढ़ती दिखाई दे रही है। काकोली घोष दस्तिदार के नेतृत्व वाला गुट दावा कर रहा है कि उसे बीस से अधिक सांसदों का समर्थन हासिल है। सयोनी घोष, माला राय, युसुफ पठान, शताब्दी राय, शत्रुघ्न सिन्हा और रचना बनर्जी जैसे कई चर्चित नाम विद्रोही खेमे के साथ बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह गुट राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार को समर्थन देने के लिए लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिख चुका है।

इन घटनाओं के बीच कांग्रेस की भूमिका बेहद दिलचस्प हो गई है। बंगाल कांग्रेस के भीतर भी मतभेद खुलकर सामने आ गए हैं। अधीर रंजन चौधरी और अब्दुल मन्नान जैसे वरिष्ठ नेता ममता बनर्जी के साथ किसी भी तरह की नजदीकी के खिलाफ खुलकर बोल रहे हैं। मन्नान ने तो यहां तक कह दिया कि 'गंदे पानी को साफ पानी में मिलाने से साफ पानी भी गंदा हो जाता है।' अधीर रंजन चौधरी ने ममता पर कांग्रेस को बंगाल से खत्म करने का आरोप लगाते हुए कहा कि अब वही ममता गांधी परिवार के सहारे की तलाश में हैं।

दूसरी ओर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शुभंकर सरकार ने अपेक्षाकृत नरम रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि जो राहुल गांधी को भविष्य का प्रधानमंत्री और विपक्ष का नेता मानता है, उसका स्वागत है। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भ्रष्टाचार के आरोपों से बचने के लिए कांग्रेस की छतरी का इस्तेमाल करने वालों के लिए दरवाजे खुले नहीं हैं। यह बयान सीधे तौर पर तृणमूल के उन नेताओं की ओर इशारा माना जा रहा है जिन पर विभिन्न घोटालों के आरोप लगे हैं।

हम आपको याद दिला दें कि ममता बनर्जी का पूरा राजनीतिक उदय ही कांग्रेस के खिलाफ विद्रोह की जमीन पर खड़ा हुआ था। वर्ष 1998 में उन्होंने जोरशोर से कांग्रेस से अलग होकर तृणमूल कांग्रेस का गठन किया था। उस समय ममता ने कांग्रेस नेतृत्व पर बंगाल की राजनीति की अनदेखी करने और वामपंथ के सामने आत्मसमर्पण करने का आरोप लगाया था। इसके बाद उन्होंने खुद को कांग्रेस के विकल्प के रूप में स्थापित किया और धीरे धीरे बंगाल में कांग्रेस की जड़ें कमजोर कर दीं। वर्ष 2011 में वाम मोर्चे को सत्ता से हटाने के बाद ममता बनर्जी ने अपने राजनीतिक विस्तार के लिए कांग्रेस से पूरी दूरी बना ली थी और लगातार गांधी परिवार तथा कांग्रेस नेतृत्व पर तीखे हमले करती रहीं।

लेकिन अब जब तृणमूल कांग्रेस भीतर से टूट रही है, सांसद और विधायक पार्टी छोड़ रहे हैं और राजनीतिक जमीन खिसकती दिखाई दे रही है, तब वही ममता बनर्जी एक बार फिर कांग्रेस की जड़ों की ओर लौटती नजर आ रही हैं। यही वजह है कि दिल्ली में गांधी परिवार के साथ उनकी बैठकों को केवल शिष्टाचार मुलाकात मानने को राजनीतिक विश्लेषक तैयार नहीं हैं।

दरअसल, बंगाल की राजनीति अब केवल सत्ता की लड़ाई नहीं रह गई है, बल्कि यह अस्तित्व की जंग बन चुकी है। तृणमूल कांग्रेस संगठनात्मक बिखराव से जूझ रही है और बात सिर्फ संसद या विधानसभा में उसके सदस्यों तक सीमित नहीं रह गयी है। बंगाल में कई निगमों से उसके महापौर या पार्षद इस्तीफा दे चुके हैं और पंचायतों में भी इसी तरह के इस्तीफों का दौर जारी है। इस सबके बीच भाजपा यह स्पष्ट कर चुकी है कि तृणमूल कांग्रेस के नेताओं के लिए उसके दरवाजे बंद हैं वहीं कांग्रेस इस संकट को अपने पुनर्जीवन के अवसर के रूप में देख रही है। राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्षी एकता की राजनीति को मजबूती देने के लिए कांग्रेस बंगाल में नई संभावनाएं तलाश रही है।

बहरहाल, सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या ममता बनर्जी कांग्रेस के साथ राजनीतिक समझौते की राह पर चलेंगी, या फिर पार्टी के भीतर का विद्रोह उन्हें और कमजोर कर देगा। यदि तृणमूल कांग्रेस का टूटना जारी रहा तो बंगाल की राजनीति में शक्ति संतुलन पूरी तरह बदल सकता है।

आने वाले नगर निकाय चुनाव और उपचुनाव इस बदलाव की पहली बड़ी परीक्षा साबित होंगे। फिलहाल इतना तय है कि बंगाल की राजनीति में शुरू हुई यह हलचल केवल राज्य तक सीमित नहीं रहने वाली, बल्कि राष्ट्रीय विपक्ष की राजनीति पर भी इसका गहरा असर पड़ने वाला है।

जब भारत ने सैन्य विमान निर्माण में रचा नया इतिहास

महेन्द्र तिवारी

भारत ने रक्षा और विमानन क्षेत्र में एक ऐसी उपलब्धि हासिल की है, जिसे आने वाले वर्षों में देश की औद्योगिक और सामरिक प्रगति के महत्वपूर्ण अध्याय के रूप में याद किया जाएगा। गुजरात के वडोदरा स्थित टाटा और एयरबस की अंतिम संयोजन इकाई में निर्मित पहले सी-295 सैन्य परिवहन विमान ने सफलतापूर्वक अपनी पहली परीक्षण उड़ान पूरी कर ली है। यह केवल एक विमान की उड़ान नहीं थी, बल्कि उस विश्वास, क्षमता और तकनीकी आत्मनिर्भरता की उड़ान थी, जिसकी कल्पना भारत लंबे समय से करता रहा है। इस उपलब्धि ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि भारत अब केवल रक्षा उपकरणों का उपभोक्ता नहीं रहना चाहता, बल्कि वह उन्नत रक्षा प्रणालियों और सैन्य विमानों के निर्माण में भी अग्रणी भूमिका निभाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

सी-295 कार्यक्रम भारत की रक्षा उत्पादन क्षमता को मजबूत करने वाली सबसे महत्वपूर्ण परियोजनाओं में गिना जा रहा है। भारतीय वायुसेना के लिए कुल 56 सी-295 विमानों की खरीद का निर्णय लिया गया था। इस व्यवस्था के अंतर्गत 16 विमान सीधे स्पेन से उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जबकि शेष 40 विमानों का निर्माण भारत में किया जा रहा है। यही वह पहल है जिसने देश में सैन्य विमान निर्माण के क्षेत्र में एक नए युग की शुरुआत की है। इन 40 विमानों का निर्माण वडोदरा में स्थापित उत्पादन परिसर में किया जाएगा, जहां भारतीय इंजीनियर, तकनीशियन और विशेषज्ञ वैश्विक स्तर की प्रौद्योगिकी के साथ काम कर रहे हैं।

पहले भारत निर्मित सी-295 विमान की सफल परीक्षण उड़ान ने इस परियोजना की व्यवहारिक सफलता को प्रमाणित कर दिया है। यह उड़ान उत्पादन के बाद होने वाली परीक्षण प्रक्रिया का महत्वपूर्ण चरण थी। किसी भी सैन्य विमान को सेवा में शामिल करने से पहले उसकी विभिन्न प्रणालियों, उड़ान क्षमता, नियंत्रण व्यवस्था, सुरक्षा तंत्र और प्रदर्शन का कठोर परीक्षण किया जाता है। पहली सफल उड़ान यह दर्शाती है कि विमान निर्धारित मानकों के अनुरूप तैयार हुआ है और आगे की परीक्षण प्रक्रियाओं के लिए सक्षम है।

भारत में निर्मित पहला सी-295 विमान मई 2026 में पूरी तरह तैयार हुआ था। इसके बाद जून 2026 में उड़ान परीक्षणों का दौर प्रारंभ हुआ। इस सफल परीक्षण के बाद उम्मीद की जा रही है कि भारत में निर्मित पहला विमान इसी वर्ष भारतीय वायुसेना को सौंप दिया जाएगा। यह उपलब्धि केवल रक्षा क्षेत्र के लिए ही नहीं बल्कि भारतीय विनिर्माण क्षमता के लिए भी गर्व का विषय है।

सी-295 एक मध्यम श्रेणी का सामरिक परिवहन विमान है, जिसे अनेक प्रकार के सैन्य अभियानों के लिए विकसित किया गया है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता इसकी बहुउद्देश्यीय उपयोगिता है। यह विमान एक बार में 71 सैनिकों या लगभग 50 पैराट्रूपरों को ले जाने में सक्षम है। इसके अलावा इसका उपयोग रसद आपूर्ति, चिकित्सा निकासी, आपदा राहत, विशेष सैन्य अभियानों तथा सीमावर्ती क्षेत्रों में त्वरित तैनाती जैसे कार्यों के लिए भी किया जा सकता है।

भारत जैसे विशाल और विविध भौगोलिक परिस्थितियों वाले देश के लिए ऐसे विमान का महत्व और भी बढ़ जाता है। हिमालयी क्षेत्रों से लेकर रेगिस्तानी इलाकों तथा समुद्री सीमाओं तक, भारतीय सशस्त्र बलों को विभिन्न परिस्थितियों में त्वरित परिवहन क्षमता की आवश्यकता होती है।

सी-295 को इसी उद्देश्य से डिजाइन किया गया है। यह छोटी और अपेक्षाकृत कम विकसित हवाई पट्टियों से भी उड़ान भर सकता है और उतर सकता है। इसकी यह क्षमता उन क्षेत्रों में विशेष रूप से उपयोगी है जहां सामान्य बड़े विमान संचालन नहीं कर सकते।

बोध कथा

यह समय भी बीत जायेगा

एक बार एक राजा की सेवा से प्रसन्न होकर एक साधू नें उसे एक ताबीज दिया और कहा की राजन इसे अपने गले मे डाल लो और जिंदगी में कभी ऐसी परिस्थिति आये की जब तुम्हें लगे की बस अब तो सब ख़तम होने वाला है, परेशानी के भंवर में अपने को फंसा पाओ, कोई प्रकाश की किरण नजर ना आ रही हो, हर तरफ निराशा और हताशा हो तब इस ताबीज को खोल कर इसमें रखे कागज़ को पढना्, उससे पहले नहीं! राजा ने वह ताबीज अपने गले में पहन लिया! एक बार राजा अपने सैनिकों के साथ शिकार करने घने जंगल मे गया! एक शेर का पीछा करते-करते राजा अपने सैनिकों से अलग हो गया और दुश्मन राजा की सीमा में प्रवेश कर गया, घना जंगल और शाम का समय, तभी कुछ दुश्मन सैनिकों के घोड़ों की टापों की आवाज राजा को आई और उसने भी अपने घोड़े को एड़ लगाई, राजा आगे-आगे दुश्मन सैनिक पीछे-पीछे! बहुत दूर तक भागने पर भी राजा उन सैनिकों से पीछा नहीं छुडा पाया! भूख- प्यास से बेहाल राजा को तभी घने पेड़ों के बीच में एक गुफा सी दिखी, उसने तुरंत स्वयं और घोड़े को उस गुफा की आड़ में छुपा लिया और सांस रोक कर बैठ गया, दुश्मन के घोड़ों के पैरों की आवाज धीरे-धीरे पास आने लगी! दुश्मनों से घिरे हुए अकेले राजा को अपना अंत नजर आने लगा, उसे लगा की बस कुछ ही क्षणों में दुश्मन उसे पकड़ कर मौत के घाट उतार देंगे! वो जिंदगी से निराश हो ही गया था कि उसका हाथ अपने ताबीज पर गया और उसे साधू की बात याद आ गई! उसने तुरंत ताबीज को खोल कर कागज को बाहर निकाला और पढ़ा! उस पर्ची पर लिखा था — 'यह समय भी बीत जाएगा' राजा को अचानक ही जैसे घोर अन्धकार में एक ज्योति की किरण दिखी, डूबते को जैसे कोई सहारा मिला! उसे अचानक अपनी आत्मा में एक अकथनीय शान्ति का अनुभव हुआ।

तीर तेवर — सागर कुमार

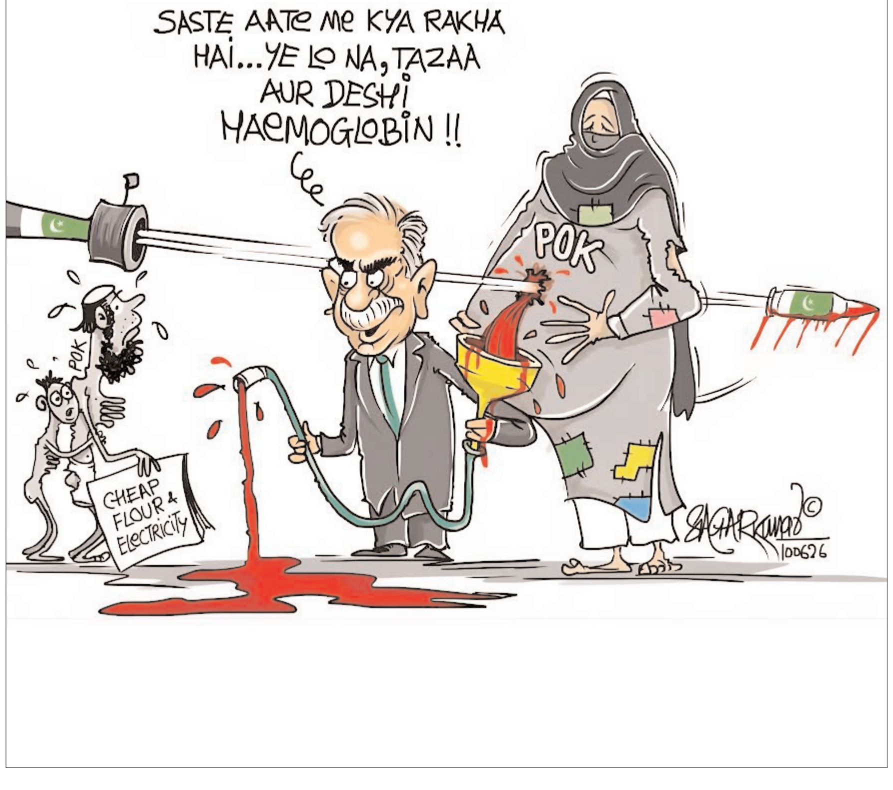

व्यंग्य केसरी

डिजिटल विलाप और छदामीराम

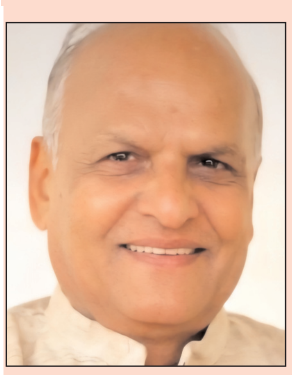

गिरीश पंकज

छदामीराम के पूज्य पिताजी लंबी बीमारी के बाद आखिरकार 'लॉग आउट' हो गए. यानी चल बसे . घर में कोहराम मच गया. रिश्तेदारों ने रोना-धोना शुरू कर दिया, लेकिन छदामीराम की आत्मा पर इस दुख का असर थोड़ा अलग तरह से हुआ. जैसे ही पिताजी की सांसें थमीं, छदामी के दिमाग में एक विचार कौंधा— 'इतना बड़ा इवेंट और कोई लाइव कवरेज नहीं?' उसने तुरंत दाहिने हाथ से अपनी रोती हुई आंखें पोंछीं और बाएं हाथ से जेब में रखा स्मार्टफोन निकाला. कैमरा 'फ्रंट मोड' पर किया, बालों को थोड़ा बिखेरा ताकि शोक का माहौल नेचुरल लगे, और चेहरे पर दु:ख के भाव लाकर दहाड़ मार-मार कर रोने लगा,

'हाय-हाय! मेरे पिताजी मर गए रे. '

'अरे छदामी, थोड़ा जोर से रो, आवाज साफ नहीं आ रही!' पड़ोस के काका ने सांत्वना देने के इरादे से कहा.

'धत्त काका! बीच में मत बोलो, रीटेक लेना पड़ेगा,' छदामी ने फुसफुसाते हुए काका को डांटा. 'और थोड़ा लाइट की तरफ से हटो, मेरे चेहरे पर शैडो आ रही है. दुख साफ दिखना चाहिए. '

छदामी ने दोबारा रिकॉर्डिंग चालू की. इस बार उसने आंसू और हिचकी ली कि बड़े-बड़े कलाकार शरमा जाएँ . उसने बाएं हाथ से मोबाइल को 45 डिग्री के एंगल पर पकड़ा और रोते-रोते कुछ सेकंड की भावुक रील बनाई.

कैप्शन लिखा: 'माय डैड पास्ड अवे... फीलिंग अलोन विद 105 अदर्स. और उसे फेसबुक, इंस्टाग्राम और वॉट्सऐप स्टेटस पर एक साथ पोस्ट कर दिया.

अंतिम संस्कार... लेकिन पहले 'चेक-इन'

पिताजी की अर्थी उठने ही वाली थी कि छदामी ने श्मशान घाट का लोकेशन टैग करते हुए फेसबुक पर स्टेटस डाला: 'एट श्मशान घाट... विद डैड्स पार्थिव शरीर. '

मुखाग्नि देने का समय आया. पंडित जी ने कहा, 'बेटा, अब अग्नि दो. '

छदामी ने कहा, 'रुको पंडित जी! जरा ये फोन पकड़ना. जब मैं आग लगाऊँगा, तो जूम-इन करना. हां, और बैकग्राउंड में वो थोड़ा उदास वाला म्यूजिक डाल देना, 'चिठ्ठी न कोई संदेश' वाला. '

चिता धू-धू कर जल उठी. लोग पिताजी की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना कर रहे थे, और छदामी चिता की लपटों के सामने खड़े होकर सेल्फी ले रहा था.

शाम को जब छदामी श्मशान से लौटा, तो उसकी आंखें सचमुच लाल थीं. इसलिए नहीं कि वह पिताजी के गम में रोया था, बल्कि इसलिए क्योंकि वह पिछले तीन घंटे से लगातार स्क्रीन स्क्रॉल कर रहा था.

रमेश का कमेंट: 'ओह! बहुत दुखद भाई. ? शांति. '

छदामी का रिप्लाई: 'थैंक यू भाई. पोस्ट को शेयर भी कर देना, रीच बढ़ जाएगी. '

तभी उसकी नजर एक कमेंट पर पड़ी जिसने उसका दिल तोड़ दिया. उसकी कॉलोनी के शर्मा जी ने उसकी रोने वाली रील पर 'लाइक' का बटन दबा दिया था. छदामी भड़क गया. उसने तुरंत शर्मा जी को फोन लगाया, 'शर्मा जी! आपको तमीज नहीं है? मेरे पिताजी मरे हैं और आप 'लाइक' कर रहे हैं? कम से कम 'हार्ट' या 'क्राइंग' वाला इमोजी तो देते! आपसे यह उम्मीद नहीं थी. '

?शर्मा जी ने माफी मांगी और तुरंत अपना रिएक्शन बदला. तब जाकर छदामी के कलेजे को ठंडक मिली.

?दिन बीतते गए. छदामी ने 'पिताजी की याद में पहला दिन', 'पिताजी की याद में तीसरा दिन' करके पूरी सीरीज चला दी. हर पोस्ट के साथ उसके फॉलोअर्स बढ़ रहे थे. तेरहवीं के दिन घर में भोज था. छदामी ने हलवाई के पास जाकर वीडियो बनाया, 'दोस्तो, आज पिताजी की तेरहवीं है. ये देखिए बूंदी के लड्डू बन रहे हैं. ब्लॉग का लिंक लगा दिया है, देखना मत भूलना! '

?शाम को जब सब मेहमान चले गए, तो छदामी ने राहत की सांस ली. उसने अपने व्यूज और लाइक्स का टोटल लगाया. पिताजी के जाने का गम तो था, लेकिन इस बात की खुशी ज्यादा थी कि उसकी 'रोने वाली सेल्फी' पर रिकॉर्ड तोड़ पचास हजार व्यूज आए थे.

?उसने पिताजी की तस्वीर के सामने हाथ जोड़े और मन-ही-मन कहा, 'पिताजी, आप जीते जी मेरे किसी काम नहीं आए, लेकिन जाते-जाते मुझे वायरल कर गए. भगवान आपकी आत्मा को शांति दे और मेरे अकाउंट को 'ब्लू टिक'!'

संक्षिप्त खबरें

किसानों की समस्याओं को लेकर कांग्रेस का कलेक्ट्रेट घेराव

मुख्यमंत्री के नाम सौंपा 9 सूत्रीय मांगपत्र

बेमेतरा (संवाददाता)। जिले में किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर बेमेतरा जिला किसान कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट कार्यालय का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मुख्यमंत्री के नाम 9 सूत्रीय मांगपत्र कलेक्टर को सौंपा। प्रदर्शन में किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा, पूर्व कृषि मंत्री रविंद्र चौबे, पूर्व विधायक गुरुदयाल सिंह बंजारे, पूर्व विधायक एवं कांग्रेस जिलाध्यक्ष आशीष छाबड़ा, किसान कांग्रेस जिला अध्यक्ष मंगत साहू सहित महिला कांग्रेस, एनएसयूआई और कांग्रेस के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। कांग्रेस द्वारा सौंपे गए मांगपत्र में प्रति एकड़ खाद कटौती का नियम समाप्त करने, सभी किसानों को एकमुश्त खाद वितरण सुनिश्चित करने, डीजल की पर्याप्त उपलब्धता, कृषि बिजली दरों में राहत देने, खाद की कालाबाजारी पर रोक लगाने, किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) ऋण सीमा बढ़ाने, धान खरीदी की राशि का एकमुश्त भुगतान करने तथा लंबित अनुदान राशि जारी करने सहित कुल 9 मांगें शामिल हैं। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि खरीफ सीजन की तैयारी के बीच किसान खाद, बिजली और अन्य कृषि संसाधनों की समस्याओं से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों की परेशानियों को दूर करने में विफल रही है, जिसके कारण किसानों में नाराजगी बढ़ रही है।

कयाकिंग-कैनोइंग में छत्तीसगढ़ का दमदार प्रदर्शन 18 पदकों के साथ खिताबी रेस हुई रोमांचक

रायपुर। अटल नगर के सेंध जलाशय में आयोजित अस्मिता जोनल कयाकिंग एंड कैनोइंग प्रतियोगिता 2026 का गुरुवार को समापन समारोह आयोजित किया गया। प्रतियोगिता में 10 राज्यों के करीब 130 खिलाड़ियों ने हिस्सा लेकर अपने हुनर का प्रदर्शन किया। सब-जूनियर और जूनियर वर्ग में आयोजित इस प्रतियोगिता में दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, चंडीगढ़ और मेजबान छत्तीसगढ़ की टीमें शामिल हुईं। तीन दिनों की प्रतियोगिता के बाद मेजबान छत्तीसगढ़ ने 8 स्वर्ण, 3 रजत और 7 कांस्य समेत कुल 18 पदक अपने नाम किए हैं। इसके साथ ही टीम फिलहाल ओवरऑल तालिका में दूसरे स्थान पर बनी हुई है और खिताब की दौड़ में मजबूत दावेदारी पेश कर रही है।

खराब मौसम से मुकाबले टले

हालांकि खराब मौसम के कारण अंतिम चरण के दो इवेंट स्थगित कर दिए गए। अब शुक्रवार सुबह होने वाले इन मुकाबलों के नतीजे ही ओवरऑल चैंपियन का फैसला करेंगे। मौजूदा चैंपियन पंजाब अपनी बादशाहत बरकरार रखने की कोशिश में है, जबकि छत्तीसगढ़ पहली बार खिताब जीतने के करीब पहुंच गया है।

लाखों की चोरी मामले में अंतर्राज्यीय गिरोह के 6 सदस्य गिरफ्तार

दुर्ग। दुर्ग पुलिस ने भिलाई के नेहरू नगर पश्चिम स्थित एक सूने मकान में हुई लाखों रुपये की चोरी की वारदात का सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए अंतर्राज्यीय गिरोह के छह आरोपियों को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए सोने, हीरे और चांदी के आभूषण, नगदी रकम, लग्जरी वाहन, मोबाइल फोन और वारदात में प्रयुक्त औजार बरामद किए हैं। इस कार्रवाई ने एक ऐसे संगठित गिरोह का पर्दाफाश किया है जो लंबे समय से सूने मकानों को निशाना बनाकर चोरी की घटनाओं को अंजाम देता था। मामला उस समय सामने आया जब नेहरू नगर पश्चिम निवासी विनय कुमार अग्रवाल अपने परिवार के साथ एक धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए घर में ताला लगाकर बाहर गए हुए थे। 5 मई को वापस लौटने पर उन्होंने देखा कि घर का मुख्य ताला टूटा हुआ है और अलमारी के लॉकर भी क्षतिग्रस्त हैं। घर के भीतर रखे सोने, हीरे, चांदी के आभूषणों के साथ लगभग 3 लाख 40 हजार रुपये नगद गायब थे। घटना की सूचना मिलते ही थाना सुपेला पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए विशेष जांच टीम गठित की गई। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का बारीकी से परीक्षण किया तथा तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान की।

थाना प्रभारी को हटाने, पानी की टंकी पर चढ़े दो युवक, रिश्वत का लगाया आरोप

पुलिस का जवाब- जुआ खिलाने का काम करते थे आरोपी

कोरबा (संवाददाता)। जिले के हरदीबाजार थाना क्षेत्र में गुरुवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब दो युवक थाना प्रभारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर गांव की पानी टंकी पर चढ़ गए। युवकों ने टंकी पर पेट्रोल छिड़ककर विरोध जताया और टीआई को निलंबित नहीं किए जाने पर आत्महत्या की चेतावनी दी। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और करीब तीन घंटे की समझाइश के बाद दोनों को सुरक्षित नीचे उतारा गया।

विरोध करने वाले युवकों रफीक मोहम्मद (22) और दीपेश निर्मलकर (23) ने हरदीबाजार टीआई प्रमोद कुमार डनसेना पर मारपीट करने और लगभग 24 हजार रुपये रिश्वत लेने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि 9 जून को पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर लाठी-डंडों और बेल्ट से पीटा तथा जबरन बयान लिखवाया। दूसरी ओर, हरदीबाजार टीआई प्रमोद कुमार डनसेना ने सभी आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि दोनों युवक क्षेत्र में जुआ फड़ संचालित करते हैं। सूचना मिलने पर उन्हें पकड़ा गया था और उनके खिलाफ धारा 151 के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई। पुलिस का दावा है कि कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें छोड़ दिया गया था।

मामले में एक नया मोड़ तब आया जब जुआ प्रकरण में गिरफ्तार अनवर अली की पत्नी शफीना बेगम ने भी पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए। उनका कहना है कि पुलिस उनके पति को घर से ले गई थी, लेकिन बाद में उनके बारे में जानकारी नहीं दी गई। उन्होंने पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए जवाबदेही तय करने की मांग की है। घटना के बाद क्षेत्र में पुलिस कार्रवाई और कथित दुर्व्यवहार को लेकर बहस तेज हो गई है। फिलहाल प्रशासन पूरे मामले की जांच और तथ्यों की पड़ताल में जुटा है।

रामगढ़ पहाड़ी, हसदेव अरण्य एवं वन संपदा संरक्षण हेतु 13 जून को रामगढ़ में होगी एक दिवसीय परिचर्चा

उदयपुर (सरगुजा)। सरगुजा अंचल की ऐतिहासिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहर रामगढ़ पहाड़ी के संरक्षण तथा छत्तीसगढ़ की वन संपदा एवं पर्यावरणीय संतुलन को बचाने के उद्देश्य से रामगढ़ संरक्षण एवं संवर्धन समिति, उदयपुर द्वारा 13 जून को रामगढ़ में एक दिवसीय परिचर्चा का आयोजन किया जा रहा है। समिति के अनुसार, प्रभु श्रीराम के वनवास काल से जुड़ी मानी जाने वाली रामगढ़ पहाड़ी वर्तमान में संकट का सामना कर रही है। केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा प्रस्तावित केते एक्सटेंशन कोल खदान परियोजना से रामगढ़ पहाड़ी, आसपास के प्राकृतिक संसाधनों तथा लाखों पेड़ों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका व्यक्त की जा रही है। इसके साथ ही क्षेत्र के पर्यावरणीय संतुलन एवं जैव विविधता पर भी गंभीर असर पड़ सकता है। समिति का मानना है कि रामगढ़, हसदेव अरण्य और छत्तीसगढ़ की समृद्ध वन संपदा के संरक्षण के लिए, समाज के सभी वर्गों का एकजुट होना आवश्यक है।

बलौदाबाजार में महिला की हत्या, घर के पीछे खून से सनी लाश मिली, देवर हिरासत में

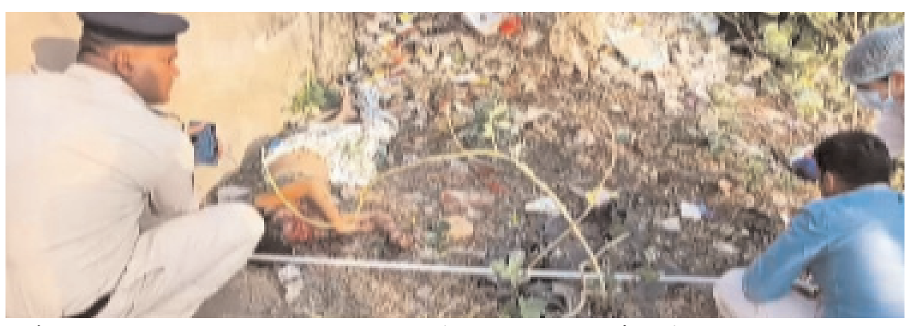

बलौदाबाजार (संवाददाता)। जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र में एक महिला की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। वार्ड क्रमांक 20 सिविल लाइन क्षेत्र में रहने वाली 29 वर्षीय महिला पुष्पा ध्रुव की खून से सनी लाश उसके घर के पीछे बाड़ी में मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

जानकारी के मुताबिक, मृतका पुष्पा ध्रुव (पति सोमनाथ ध्रुव) का शव घर के पीछे बाड़ी में खून से लथपथ हालत में मिला। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि महिला के चेहरे और सिर पर किसी भारी वस्तु से कई बार वार किया गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए, पुलिस ने संदेह के आधार पर मृतका के देवर देवेंद्र ध्रुव को हिरासत में लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। कोतवाली थाना प्रभारी लखेश केंवट ने बताया कि महिला का शव घर की बाड़ी में मिला है और उसके चेहरे पर भारी वस्तु से हमला किए जाने के निशान हैं। एक युवक को हिरासत में लिया गया है, जो मृतका का देवर बताया जा रहा है। पुलिस परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। जांच पूरी होने के बाद ही हत्या के कारणों का खुलासा हो सकेगा।

फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

प्रधानमंत्री आवास योजना में गड़बड़ी का आरोप

कोरबा (संवाददाता)। जिले के पसान क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना को लेकर गंभीर अनियमितता का मामला सामने आया है। तेलियामार निवासी दिव्यांग वृद्ध महिला रमसिया बाई ने कलेक्टर से शिकायत करते हुए आरोप लगाया है कि उसके और उसके पति जय सिंह उरांव के नाम पर स्वीकृत प्रधानमंत्री आवास का लाभ उन्हें पूरी तरह नहीं मिल पाया। महिला का कहना है कि पंचायत स्तर पर सरपंच और सचिव की मिलीभगत से आवास संबंधी रिकॉर्ड में बदलाव किया गया, जिससे उनका हक प्रभावित हुआ।

पीड़िता के अनुसार, उसके और उसके पति के नाम पर स्वीकृत दोनों आवास आज भी अधूरे हैं, जबकि सरकारी रिकॉर्ड में उन्हें पूर्ण दर्शाया जा रहा है। कई बार जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से गुहार लगाने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ, जिसके बाद वह न्याय की उम्मीद लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंची। महिला ने मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर अधूरे आवासों को पूरा कराया जाए। वहीं जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) ने शिकायत मिलने की पुष्टि करते हुए पूरे मामले की जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। अब देखने वाली बात होगी कि जांच में क्या तथ्य सामने आते हैं और हितग्राही को उसका अधिकार कब तक मिल

श्रद्धा महिला मंडल, एसईसीएल बिलासपुर का वृद्धाश्रम में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

बिलासपुर। श्रद्धा महिला मंडल, एसईसीएल बिलासपुर द्वारा माता रानी की कुटिया वृद्धाश्रम में निवासरत वृद्ध महिलाओं के लिए एक निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम श्रद्धा महिला मंडल की अध्यक्षा एवं एसईसीएल परिवार की प्रथम महिला शशि दुहन के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ।

इस अवसर पर मंडल की उपाध्यक्षगण उपस्थित रहीं। सभी ने वृद्धाश्रम में रह रही वृद्धजनों से आत्मीय संवाद कर उनका कुशलक्षेम जाना तथा उनका उत्साहवर्धन किया। शिविर में डॉ पारुली साहू एवं उनकी टीम द्वारा 25 वृद्धजनों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक परामर्श एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया। शिविर में रक्तचाप, नाड़ी, CBC, RBS, HbAvc, लिवर प्रोफाइल, किडनी प्रोफाइल एवं लिपिड प्रोफाइल सहित विभिन्न जांचें निःशुल्क की गईं। स्वास्थ्य परीक्षण के उपरांत जरूरतमंद महिलाओं को निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान शशि दुहन ने वृद्धाश्रम की महिलाओं को हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया तथा उनके स्वास्थ्य की नियमित देखभाल हेतु प्रतिमाह स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित करने की घोषणा की। शिविर के उपरांत वृद्धाश्रम में निवासरत 25 बुजुर्गों को पौष्टिक नाश्ता एवं फल की टोकरियाँ वितरित की गईं, जिससे उनके प्रति स्नेह, सम्मान एवं अपनत्व का भाव व्यक्त किया जा सके। इस सेवा कार्य में समिति की सदस्याओं ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई।यह स्वास्थ्य शिविर श्रद्धा महिला मंडल की सामाजिक सेवा, करुणा एवं जनकल्याण के प्रति प्रतिबद्धता का एक सराहनीय प्रयास रहा, जिससे वृद्धाश्रम की महिलाओं को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ प्राप्त हुआ तथा उनमें सुरक्षा एवं अपनत्व की भावना का संचार हुआ।

प्राइवेट रिकवरी एजेंट नहीं बन सकती पुलिस : हाईकोर्ट

बिलासपुर। पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर हाईकोर्ट ने तल्ख टिप्पणी की है। एक मामले में सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रवींद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने कहा है कि पुलिस निजी वसूली एजेंट के रूप में काम नहीं कर सकती। कोर्ट ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 बीएनएसएस के नियमों का उल्लंघन कर एक फाइनेंस कंपनी एनबीएफसी के बैंक खाते के करोड़ों रुपए 'होल्ड' करने के पुलिस के आदेश को खारिज कर दिया है।

दरअसल, नई दिल्ली की 'ऑक्सीजो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड एनबीएफसी कंपनी उद्योगों और छोटे व्यवसायियों को लोन देने का काम करती है। कंपनी का एक खाता कोटक महिंद्रा बैंक रायपुर ब्रांच में संचालित है, जिसमें देशभर के कर्जदारों की ईएमआई के तौर पर प्रतिदिन 12 से 15 करोड़ रुपए आते हैं। कंपनी ने रायपुर की एक फर्म श्रीजीकृपा प्रोजेक्ट लिमिटेड को कच्चा माल खरीदने के लिए करीब 10 करोड़ रुपए की लोन सुविधा दी। बाद में श्रीजीकृपा प्रोजेक्ट्स का माल सप्लाई करने वाली एक अन्य कंपनी ओएफबी टेक से वजन में धोखाधड़ी को लेकर विवाद हो गया, जिसके बाद मंदिर हसौद थाना में करीब 6.9 लाख रुपए (जो बाद में 43.38 लाख रुपये आंकी गई) की धोखाधड़ी का केस दर्ज किया गया। मामले की जांच करते हुए मंदिर हसौद पुलिस ने बिना किसी ठोस कानूनी आधार के आक्सीजो फाइनेंस कंपनी के खाते से लेनदेन पर पूरी तरह रोक लगा दी और बाद में कंपनी के 53,47,17,835 रुपए (53.47 करोड़ रुपए) की राशि को 'होल्ड' कर दिया। बाद में जब मामला बढ़ा तो पुलिस ने इसे घटाकर 43.38 लाख रुपए होल्ड रखने का नया आदेश जारी किया।

महंगाई भत्ता सहित छह सूत्रीय मांगों को लेकर कर्मचारियों का प्रदर्शन

तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के आह्वान पर महंगाई भत्ता (डीए) सहित छह सूत्रीय मांगों को लेकर जगदलपुर में शासकीय कर्मचारियों ने विशाल प्रदर्शन किया। संघ के प्रदेश महामंत्री गजेन्द्र श्रीवास्तव, संभागीय अध्यक्ष अतुल शुक्ला एवं जिला अध्यक्ष संजय चौहान के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने कलेक्टर चौक में एकत्र होकर अपनी मांगों के समर्थन में जोरदार नारेबाजी की।

प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने राज्य सरकार से भेदभाव नीति बंद कर केंद्र के समान महंगाई भत्ता प्रदान करने, लंबित मांगों का शीघ्र निराकरण करने तथा कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए आवश्यक निर्णय लेने की मांग की। कर्मचारियों ने कहा कि लंबे समय से उनकी जायज मांगें लंबित हैं, जिससे कर्मचारियों में व्यापक असंतोष व्याप्त है। इसके पश्चात कर्मचारी रैली के रूप में कलेक्टर कार्यालय पहुंचे, जहां मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव, छत्तीसगढ़ शासन के नाम संबोधित ज्ञापन बस्तर कलेक्टर को सौंपा गया। ज्ञापन में महंगाई भत्ता सहित छह सूत्रीय मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने का आग्रह किया गया। इस अवसर पर संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि यदि कर्मचारियों की मांगों पर जल्द विचार नहीं किया गया तो आंदोलन को और व्यापक स्वरूप दिया जाएगा। कार्यक्रम में कर्मचारी संघ के अनेक पदाधिकारी एवं विभिन्न विभागों के बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे।

अभनपुर में पटवारी-आरआई की कमी से अटके राजस्व प्रकरण, किसान और ग्रामीण परेशान

अभनपुर (संवाददाता)। अनुविभागीय राजस्व एवं तहसील न्यायालय अभनपुर में कर्मचारियों की भारी कमी के कारण राजस्व मामलों के निराकरण की प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। क्षेत्र में पिछले एक वर्ष से एक दर्जन से अधिक पटवारी और राजस्व निरीक्षक (आरआई) के पद रिक्त होने से भूमि संबंधी कई महत्वपूर्ण प्रकरण लंबित पड़े हुए हैं।

जानकारी के अनुसार विवादित भूमि, नामांतरण, त्रुटि सुधार, सीमांकन, बटांकन और नक्शा सुधार जैसे मामलों में समय पर जांच और प्रतिवेदन उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। इसके चलते किसानों और ग्रामीणों को बार-बार राजस्व कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। कर्मचारियों की कमी के कारण अधिकांश पटवारियों को अपने मूल हल्के के साथ अतिरिक्त हल्कों का भी कार्यभार संभालना पड़ रहा है, जबकि कई राजस्व निरीक्षकों को दो-दो क्षेत्रों की जिम्मेदारी दी गई है। अधिक कार्यभार के चलते मैदानी निरीक्षण और आवश्यक रिपोर्ट समय पर तैयार नहीं हो पा रही है, जिससे राजस्व न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या लगातार बढ़ रही है। भूमि संबंधी विवादों के समाधान में हो रही देरी से किसानों और आम नागरिकों की परेशानियां बढ़ गई हैं। कई आवेदक महीनों से अपने प्रकरणों के निराकरण का इंतजार कर रहे हैं। स्थानीय किसानों और ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि रिक्त पड़े पटवारी और राजस्व निरीक्षक के पदों पर जल्द नियुक्ति की जाए, ताकि राजस्व मामलों का समयबद्ध निराकरण हो सके और लोगों को अनावश्यक परेशानी से राहत मिल सके। प्रशासनिक व्यवस्था मजबूत होने से भूमि संबंधी विवादों के निपटारे में भी तेजी आने की उम्मीद है।

वैश्विक चुनौतियों के बावजूद वित्त वर्ष 2027 में भारत की विकास दर 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमानः बीएमआई

नई दिल्ली। फिच ग्रुप की कंपनी बीएमआई (बीएमआई) के अनुमान के अनुसार, वैश्विक चुनौतियों और पश्चिम एशिया संकट के असर के बावजूद वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत रहने की संभावना है। यह देश की पिछले 10 वर्षों की औसत विकास दर से अधिक है और इससे भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा।

बीएमआई का यह अनुमान भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 2026-27 के लिए 6.6 प्रतिशत विकास दर के अनुमान के अनुरूप है।

गौरतलब है कि भारत ने वैश्विक चुनौतियों के बावजूद वित्त वर्ष 2025-26 में 7.7 प्रतिशत की मजबूत आर्थिक वृद्धि दर्ज की थी।

बीएमआई ने अपनी रिपोर्ट में कहा, 'आगे देखें तो, हम वित्त वर्ष 2026-27 में 6.6 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि की उम्मीद करते हैं। हमारा अनुमान वित्त वर्ष 2025-26 की 7.7 प्रतिशत वृद्धि दर की तुलना में कम है, लेकिन पिछले दशक की भारत की औसत 6.1 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर से अधिक है। '

बीएमआई ने चालू वित्त वर्ष में अपेक्षाकृत धीमी वृद्धि के लिए तीन प्रमुख कारण बताए हैं।

पहला, पिछले वर्ष लागू किए गए जीएसटी सुधारों का घरेलू खपत पर पड़ा सकारात्मक प्रभाव अब धीरे-धीरे कम हो रहा है। सितंबर 2025 में लागू जीएसटी सुधारों के कारण वित्त वर्ष 2026 की दिसंबर तिमाही में खपत में तेज उछाल देखा गया था। इसके बाद मार्च तिमाही में वार्षिक आधार पर खपत वृद्धि दर 1.1 प्रतिशत अंक घटकर 7.1 प्रतिशत रह गई।

रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2026-27 में महंगाई बढ़कर 5.3 प्रतिशत तक पहुंच सकती है, जिसका कारण आपूर्ति शृंखला में संभावित बाधाएं हैं, खासकर होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) में व्यवधान की आशंका। सामान्य परिस्थितियों में दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत ऊर्जा निर्यात इसी मार्ग से होकर गुजरते हैं।

बीएमआई का मानना है कि बढ़ती महंगाई घरेलू खपत को प्रभावित कर सकती है और आर्थिक वृद्धि पर दबाव बना सकती है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान निवेश वृद्धि की रफ्तार भी धीमी पड़ सकती है।

हालांकि, बीएमआई के अनुसार इसका मुख्य कारण भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा संभावित 50 आधार अंकों (बेसिस प्वाइंट्स) की ब्याज दर वृद्धि नहीं है, क्योंकि उसका वास्तविक असर वित्त वर्ष 2027-28 में अधिक दिखाई देगा।

बीएमआई ने कहा कि 2025 के दौरान आरबीआई द्वारा की गई 125 आधार अंकों की ब्याज दर कटौती के कारण अल्पकालिक ब्याज दरें अभी भी अपेक्षाकृत कम हैं।

वैश्विक अस्थिरता से भारतीय शेयर बाजार लाल निशान में बंद; निफ्टी 23,200 के निचले फिसला

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार गुरुवार के कारोबारी सत्र में लाल निशान में बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 150.63 अंक या 0.20 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 73,832.55 और निफ्टी 53.35 अंक या 0.23 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,161.60 पर था।

बाजार में मिलाजुला कारोबार हुआ। निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी आईटी, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी पीएसई, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी एनर्जी, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी कमोडिटीज, निफ्टी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग और निफ्टी इन्फ्रा सबसे ज्यादा गिरने वाले सूचकांक थे।

दूसरी तरफ निफ्टी मीडिया, निफ्टी फार्मा, निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी हेल्थकेयर सबसे ज्यादा बढ़ने वाले सूचकांक थे।

सेंसेक्स पैक में एमएंडएम, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, सन फार्मा, भारती एयरटेल, एक्सिस बैंक और एनटीपीसी गेनर्स थे। इन्फोसिस, एचसीएल टेक, बजाज फाइनेंस, इटरनल, बीईएल, एलएंडटी, एचयूएल, ट्रेंट, एशियन पेंट्स, इंडिगो, बजाज फिनसर्व, टीसीएस और टेक महिंद्रा लूजर्स थे।

लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी बिकवाली देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 484.80 अंक या 0.81 प्रतिशत की गिरावट के साथ 59,325.40 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 119.90 अंक या 0.67 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 17,702.60 पर बंद हुआ।

एसबीआई सिक्योरिटीज के मुताबिक, वैश्विक स्तर पर तनाव बढ़ने के कारण भारतीय शेयर बाजार में सत्र के दौरान बिकवाली देखने को मिली। इसके साथ ही, अमेरिका में उम्मीद से अधिक महंगाई के आंकड़े ने बाजार पर दबाव बनाने का काम किया है।

एसबीआई सिक्योरिटीज ने आगे कहा कि निफ्टी के लिए मजबूत सपोर्ट जोन 23,050-23,000 है। अगर निफ्टी 23,000 के नीचे फिसलता है तो यह 22,850 और फिर 22,700 के स्तर तक जा सकता है।

अमेरिकी प्रॉपटेक कंपनी ओपनडोर भारत से समेट रही कारोबार, 250 कर्मचारियों की नौकरी पर संकट

नई दिल्ली। अमेरिका की रियल एस्टेट प्रौद्योगिकी कंपनी ओपनडोर ने भारत में अपने कारोबार को बंद करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) काज नेजातियन ने घोषणा की है कि भारत में स्थित भूमिकाओं को अब अमेरिका स्थित ग्राहकों के नजदीक स्थानांतरित किया जाएगा।

कर्मचारियों को भेजे गए एक संदेश और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की गई पोस्ट में नेजातियन ने कहा कि व्यापक पुनर्गठन योजना के तहत कंपनी ने भारत में अपने सहयोगियों को विदाई देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

उन्होंने लिखा, 'आज हमने भारत में अपने सहयोगियों को अलविदा कहना शुरू किया है क्योंकि हम यहां अपना संचालन बंद कर रहे हैं। हमारे ग्राहक अमेरिका में हैं और हमारा परिचालन कार्य भी वहीं होना चाहिए।'

सीईओ के अनुसार, कुछ महीने पहले जब कंपनी ने 'ओपनडोर 2.0' की शुरुआत की थी, तब भारत में उसके लगभग 250 कर्मचारी कार्यरत थे।

उन्होंने बताया कि पिछले कुछ महीनों के दौरान इनमें से कई भूमिकाओं को पहले ही अमेरिका स्थानांतरित किया जा चुका है और अब शेष पदों को भी ग्राहकों के नजदीक लाने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

इस फैसले का असर भारत में कार्यरत सभी कर्मचारियों पर पड़ेगा। हालांकि, कुछ टीम सदस्य प्रमुख कार्यक्षेत्रों के सुचारू संचालन में सहयोग देने के लिए अस्थायी रूप से बने रहेंगे। नेजातियन ने स्पष्ट किया कि यह निर्णय भारत स्थित कर्मचारियों के प्रदर्शन से जुड़ा नहीं है। उन्होंने कहा कि यहां के कर्मचारियों ने कंपनी के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

उन्होंने कहा, 'भारत में हमारे सहयोगी बेहद प्रतिभाशाली और अच्छे लोग हैं। हम उन्हें किसी भी कंपनी के लिए सिफारिश करने में खुशी महसूस करेंगे।'

उन्होंने यह भी बताया कि प्रभावित कर्मचारियों को सेवा समाप्ति पैकेज, नई नौकरी तलाशने में सहायता और अन्य आवश्यक सहयोग प्रदान किया जाएगा।

फैसले के पीछे की वजह बताते हुए मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कहा कि कंपनी का परिचालन कार्य ग्राहकों के करीब रहकर अधिक प्रभावी तरीके से किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि पहले कंपनी ने विभिन्न प्रणालियों और मैनुअल प्रक्रियाओं को संभालने के लिए भारत में बड़ी टीम बनाई थी, लेकिन अब इनमें से कई प्रक्रियाओं को सरल और स्वचालित बना दिया गया है।

दुनिया के शीर्ष 30 फाइनेंशियल सर्विसेज मार्केट्स में मुंबई, दिल्ली एनसीआर और बेंगलुरु शामिलः रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत फाइनेंशियल सर्विसेज के लिए एक प्रमुख ग्लोबल टैलेंट हब के तौर पर अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। मुंबई, दिल्ली एनसीआर और बेंगलुरु दुनिया के टॉप 30 फाइनेंशियल सर्विसेज मार्केट में से एक हैं। यह जानकारी गुरुवार को जारी रिपोर्ट में दी गई थी।

रियल एस्टेट कंसल्टेंसी 'कोलियर्स इंडिया' की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय शहर श्रम की उपलब्धता, टैलेंट पाइपलाइन, वेंचर कैपिटल फंडिंग गतिविधियों और इंडस्ट्री आउटपुट के मामले में अच्छी स्थिति में हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, फाइनेंशियल सर्विस कंपनियां अपनी लोकेशन से जुड़ी रणनीतियों पर फिर से विचार कर रही हैं, क्योंकि वे टैलेंट तक पहुंच, लागत के मामले में प्रतिस्पर्धा और तेजी से हो रहे तकनीकी बदलावों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रही हैं। रिपोर्ट में बताया गया कि फाइनेंशियल सर्विस टैलेंट के लिए मुंबई को बड़े इंटरनेशनल मार्केट के साथ-साथ प्रमुख 'ग्लोबल सेंटर्स' में शामिल किया गया, जबकि दिल्ली एनसीआर एक अहम 'रणनीतिक केंद्र' के तौर पर उभरा।

वहीं, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद और पुणे की पहचान दुनिया के प्रमुख 'डोमेस्टिक और ऑपरेशनल सेंटर्स' के तौर पर की गई।

इसके अलावा, एशिया-पैसिफिक लेबर इंडेक्स रैंकिंग में बेंगलुरु, मुंबई और पुणे ने टॉप तीन स्थान हासिल किए।

कॉलियर्स इंडिया में ऑफिस सर्विसेज के मैनेजिंग डायरेक्टर अर्पित मल्होत्रा ??ने कहा, 'बेहतरीन टैलेंट, टेक्नोलॉजी की जानकारी और बड़े पैमाने पर काम करने की क्षमता के दम पर भारत तेजी से ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विस हब के तौर पर अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है।'

उन्होंने आगे कहा कि जैसे-जैसे कंपनियां पारंपरिक ग्लोबल फाइनेंशियल हेडक्वार्टर और डिलीवरी सेंटरों से आगे देख रही हैं, भारतीय शहर रणनीतिक और हाई-वैल्यू वाले बिजनेस कामों में मदद करने के लिए अच्छी स्थिति में हैं।

मल्होत्रा ??के अनुसार, प्रमुख ग्लोबल और घरेलू बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विस और इंश्योरेंस (बीएफएसआई) कंपनियों द्वारा ऑफिस स्पेस की बढ़ती मांग के कारण, अगले कुछ सालों में भारत में ऑफिस की कुल मांग में इस सेक्टर की हिस्सेदारी 15-20 प्रतिशत तक हो सकती है।

अमेरिका-ईरान तनाव बढ़ने से कीमती धातुओं में गिरावट, एमसीएक्स पर सोना 1.46 लाख रुपए के करीब, चांदी 0.47 प्रतिशत फिसली

मुंबई । अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव का असर वैश्विक कमोडिटी बाजारों पर साफ दिखाई दे रहा है। गुरुवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। हालांकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में सुरक्षित निवेश (सेफ हेवन) की मांग बढ़ने से सोने को कुछ समर्थन मिला, लेकिन घरेलू बाजार में निवेशकों का रुख सतर्क बना हुआ है।

गुरुवार के सत्र में एमसीएक्स पर जुलाई डिलीवरी वाला सोना 1,46,518 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला, जो पिछले बंद भाव 1,48,017 से करीब 1,500 रुपए नीचे है। हालांकि खबर लिखे जाने के समय (सुबह 11.50 बजे के करीब) जुलाई वायदा सोना करीब 0.13 प्रतिशत गिरकर 1,47,828 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करता दिखाई दिया।

वहीं जुलाई वायदा चांदी अपने पिछले बंद भाव 2,35,505 रुपए प्रति किलोग्राम से 3,834 रुपए गिरकर 2,31,671 रुपए प्रति किलोग्राम पर खुला। वहीं खबर लिखे जाने तक यह 1,105 रुपए यानी 0.47 प्रतिशत गिरकर 2,34,400 रुपए प्रति किलो पर ट्रेड करता नजर आया।

गौरतलब है कि बाजार में अस्थिरता की मुख्य वजह अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव है। अमेरिकी सेना ने ईरान के कुछ ठिकानों पर हमले किए हैं, जिसके बाद हालात और गंभीर हो गए हैं। जवाब में ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को जहाजों के लिए बंद करने की घोषणा की है। यह समुद्री मार्ग वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस घटनाक्रम से कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई है, जिससे वैश्विक महंगाई को लेकर चिंता बढ़ी है। इसी वजह से निवेशकों का रुझान सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर बढ़ रहा है।

कमोडिटी विशेषज्ञों के अनुसार, एमसीएक्स गोल्ड ने गुरुवार को गैप-डाउन ओपनिंग की और महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक स्तर 1.50 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम से नीचे फिसल गया। फिलहाल सोने का रुख कमजोर बना हुआ है।

विशेषज्ञों का कहना है कि यदि सोना दोबारा 1.50 लाख रुपए के ऊपर टिकने में सफल रहता है, तो इसमें सुधार देखने को मिल सकता है और कीमतें 1.54 लाख से 1.55 लाख रुपए के स्तर तक पहुंच सकती हैं। दूसरी ओर, यदि भाव 1.46 लाख रुपए से नीचे फिसलता है तो बिकवाली का दबाव बढ़ सकता है और कीमतें 1.45 लाख से 1.43 लाख रुपए के दायरे तक जा सकती हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, चांदी में भी कमजोरी का माहौल बना हुआ है। एमसीएक्स सिल्वर ने भी गैप-डाउन शुरुआत की और फिलहाल 2.30 लाख रुपए प्रति किलोग्राम के आसपास समर्थन लेने की कोशिश कर रही है।

विश्लेषकों के मुताबिक, अगर चांदी 2.36 लाख रुपए के ऊपर निकलती है तो इसमें तेजी लौट सकती है और भाव 2.40 लाख से 2.43 लाख रुपए तक जा सकते हैं। वहीं, 2.30 लाख रुपए का स्तर टूटने पर कीमतें 2.28 लाख से 2.25 लाख रुपए तक फिसल सकती हैं।

वैश्विक वीजा कार्यक्रमों में भारत का दबदबा, कुशल प्रतिभाओं का सबसे बड़ा निर्यातक बना देशः रिपोर्ट

नई दिल्ली। गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत दुनिया के प्रमुख वीजा कार्यक्रमों में शीर्ष स्थानों पर बना हुआ है। अमेरिका के एच-1बी वीजा कार्यक्रम में भारत सबसे बड़ा स्रोत देश है, जबकि ब्रिटेन के स्किल्ड वर्कर वीजा और यूरोपीय संघ के ब्लू कार्ड कार्यक्रम में भारत दूसरे स्थान पर है।

वर्कफोर्स मैनेजमेंट सर्विसेज फर्म डील की रिपोर्ट के अनुसार, भारत वैश्विक स्तर पर कुशल पेशेवरों की आपूर्ति में अहम भूमिका निभा रहा है और बदलते वैश्विक प्रवासन रुझानों का लाभ उठाने की मजबूत स्थिति में है। अब कंपनियां लागत कम करने के बजाय दुर्लभ और उच्च कौशल वाली प्रतिभाओं के लिए अधिक वेतन देने को तैयार हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के गोल्डन वीजा और सामान्य रोजगार वीजा दोनों श्रेणियों में सबसे आगे हैं। वर्तमान में यूएई की कुल आबादी में भारतीयों की हिस्सेदारी लगभग 38 प्रतिशत है।

150 से अधिक देशों में 40,000 से ज्यादा कंपनियों के भर्ती आंकड़ों पर आधारित इस रिपोर्ट में पाया गया कि वीजा धारक कर्मचारियों को समान पदों पर काम करने वाले स्थानीय कर्मचारियों की तुलना में अधिक वेतन मिलता है। इससे यह स्पष्ट होता है कि वैश्विक भर्ती का मुख्य कारण प्रतिभा की कमी है, न कि कम वेतन पर कर्मचारियों को नियुक्त करना।

अमेरिका में एच-1बी वीजा धारकों का औसत वेतन 1.40 लाख डॉलर है, जबकि समान पदों पर अमेरिकी नागरिकों का औसत वेतन 1.30 लाख डॉलर है।

ब्रिटेन में स्किल्ड वर्कर वीजा धारकों की औसत आय 96,000 पाउंड है, जबकि स्थानीय नागरिकों की आय 87,000 पाउंड है।

यूएई में गोल्डन वीजा धारकों की औसत आय 6.05 लाख दिरहम है, जबकि सामान्य रोजगार वीजा धारकों की आय 4.59 लाख दिरहम है।

शीर्ष भारतीय बैंकों ने विदेशी मुद्रा में जमा पर बढ़ाई ब्याज दर

मुंबई। शीर्ष भारतीय बैंकों ने विदेशी मुद्रा में जमा (फॉरेन करेंसी नॉन-रेजिडेंट -एफसीएनआर (बी) डिपाजिट) विशेष रूप से अमेरिकी डॉलर जमा पर ब्याज दर को बढ़ाकर 6.6 प्रतिशत तक कर दिया है। इनमें भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), बैंक ऑफ इंडिया (बीओआई) और यस बैंक का नाम शामिल है।

भारतीय बैंकों ने यह फैसला भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा विदेशी मुद्रा आकर्षित करने के लिए उठाए गए कदमों के बाद लिया है।

इससे पहले लंबी अवधि के अमेरिकी डॉलर एफसीएनआर (बी) डिपाजिट पर ब्याज दर करीब 3.35 प्रतिशत थी।

देश के सबसे बड़े बैंक, एसबीआई ने एफसीएनआर (बी) एडवांटेज डिपॉजिट स्कीम शुरू की है। इस स्कीम के तहत, 1 मिलियन डॉलर तक की जमा राशि पर 3 साल से 4 साल से कम की अवधि के लिए 5.25 प्रतिशत, 4 साल से 5 साल से कम की अवधि के लिए 5.50 प्रतिशत और 5 साल की अवधि के लिए 5.75 प्रतिशत ब्याज मिलेगा।

एक मिलियन डॉलर से ज्यादा की जमा राशि पर, एसबीआई पांच साल की अवधि के लिए 6 प्रतिशत तक ब्याज दे रहा है।

एसबीआई के अनुसार, नई स्कीम के तहत एफसीएनआर (बी) डिपॉजिट के पहले साल में पैसे निकालने की इजाजत नहीं है। एक साल के बाद लेकिन तीन साल से पहले पैसे निकालने पर, जितने समय तक डिपॉजिट बैंक के पास रहा, उस अवधि के लिए 3.50 प्रतिशत ब्याज मिलेगा।

इसी तरह, बैंक ऑफ बड़ौदा ने यूएस डॉलर, ब्रिटिश पाउंड स्टर्लिंग, यूरो, ऑस्ट्रेलियन डॉलर और कैनेडियन डॉलर जैसी प्रमुख विदेशी मुद्राओं के लिए एफसीएनआर (बी) दरों में बदलाव किया है।

इस स्कीम के तहत, ग्राहक यूएस डॉलर डिपॉजिट पर 6 प्रतिशत तक, पाउंड स्टर्लिंग और ऑस्ट्रेलियन डॉलर डिपॉजिट पर 4.75 प्रतिशत, कैनेडियन डॉलर डिपॉजिट पर 5.15 प्रतिशत और यूरो डिपॉजिट पर 3.75 प्रतिशत तक ब्याज कमा सकते हैं।

बैंक ऑफ बड़ौदा की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर बीना वाहीद ने कहा कि आरबीआई के हालिया उपायों ने बैंकों के लिए एनआरआई समुदाय के लिए अपनी एफसीएनआर (बी) पेशकशों को मजबूत करने के लिए एक अनुकूल माहौल बनाया है।

उन्होंने कहा, 'यह कदम एफसीएनआर (बी) डिपॉजिट को आकर्षित करने और भारतीय रुपए को मजबूत करने के मकसद से उठाया गया एक सोच-समझकर और कई स्तरों पर किया गया उपाय है।

'हमारा परिवार अब पूरा होगा', दूसरी बार मां बनने वाली हैं केली कुओको, शेयर की खुशखबरी

मुंबई । लोकप्रिय शो 'द बिग बैंग थ्योरी' में पेनी का किरदार निभाकर दुनियाभर में पहचान बनाने वाली हॉलीवुड एक्ट्रेस केली कुओको जल्द ही दूसरी बार मां बनने वाली हैं। अभिनेत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर यह जानकारी देते हुए बताया कि उनके घर जल्द ही एक और नन्हा मेहमान आने वाला है। इस खबर के सामने आते ही उनके फैंस और मनोरंजन जगत के कई लोगों ने उन्हें बधाई देना शुरू कर दिया।

केली ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में सोनोग्राम, परिवार के साथ बिताए गए खास पल और एक्ट्रेस का बेबी बंप भी नजर आ रहा है।

तस्वीरों के साथ केली ने कैप्शन में लिखा, ''हमारा परिवार अब पूरा होने जा रहा है। यह मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। दूसरी बार मां बनने का सफर पहले की तुलना में थोड़ा अलग और कुछ मामलों में ज्यादा चुनौतीपूर्ण रहा है, लेकिन मैं इस पल के लिए बेहद खुश और आभारी हूं।''

बता दें कि केली कुओको और अभिनेता टॉम पेल्फ्रे, दोनों पहली बार मई 2022 में हॉलीवुड वॉक ऑफ फेम सेरेमनी में साथ दिखाई दिए थे। इसके बाद दोनों के रिश्ते को लेकर चर्चाएं शुरू हुईं। कुछ समय बाद केली ने अपनी रिलेशनशिप को कन्फर्म किया। करीब पांच महीने बाद उन्होंने इंस्टग्राम पर जानकारी दी कि वह अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रही हैं। मार्च 2023 में उन्होंने अपनी बेटी मटिल्डा को जन्म दिया। बेटी के जन्म के बाद दोनों अक्सर उसके साथ बिताए गए खूबसूरत पलों की तस्वीरें शेयर करते रहे। इसके बाद 2024 में केली और टॉम ने अपनी सगाई की घोषणा की।

टॉम पेल्फ्रे भी अभिनय जगत का एक जाना-पहचाना चेहरा हैं। उन्होंने कई लोकप्रिय शोज और फिल्मों में काम किया है, जिनमें 'ओजार्क', 'मैनक' और 'आयरन फिस्ट' जैसे नाम शामिल है। वहीं केली कुओको का करियर भी काफी सफल रहा है। उन्होंने 'द मैन फ्रॉम टोरंटो', 'रोल प्ले', 'मीट क्यूट' और 'व्हाई हिम?' जैसे चर्चित फिल्मों में काम किया।

गर्मियों में बाजार में आ गई है लाल-लाल लीची?

खरीदते समय अपनाएं ये 5 ट्रिक्स, हमेशा निकलेगी मीठी और रसीली!

गर्मियों का मौसम आते ही बाजार में कई स्वादिष्ट और रसीले फल दिखाई देने लगते हैं. हालांकि कई बार बाजार से लीची खरीदने के बाद पता चलता है कि वह अंदर से खट्टी, सूखी या खराब निकली है.

गर्मियों के आते ही बाजार में कई तरह के स्वादिष्ट और रसीले फल मिलने लगते हैं, और उनमें लीची सबसे खास होती है. अपनी मीठी खुशबू, रसीले गुदे और अनोखे स्वाद की वजह से बच्चों से लेकर बड़ों तक, सभी को लीची बहुत पसंद आती है. लेकिन कई बार खरीदने के बाद पता चलता है कि फल अंदर से खट्टा, सूखा या खराब निकला है. इसलिए, लीची खरीदते समय कुछ ज़रुरी बातों का ध्यान रखना चाहिए. अगर आप चाहते हैं कि आप हर बार मीठी और ताजी लीची ही घर लाएं, तो ये पांच आसान टिप्स आपके बहुत काम आएंगे...

लीची खरीदते समय अपनाएं ये 5 ट्रिक्स

1 रंग पर ध्यान दें

अच्छी और पकी हुई लीची का रंग गुलाबी-लाल या गहरा लाल होता है. अगर छिलका बहुत ज़्यादा भूरा या काला दिखे, तो फल पुराना हो सकता है. वहीं, बहुत हरी लीची पूरी तरह से पकी नहीं होती। इसलिए, हमेशा चमकीले लाल रंग की लीची ही चुनें.

2 छिलके की बनावट देखें

ताज़ी लीची का छिलका थोड़ा खरदुरा और सख्त होता है. अगर छिलका बहुत सूखा, फटा हुआ या सिकुड़ा हुआ दिखे, तो इसका मतलब है कि फल कुछ समय पहले तोड़ा गया था. ऐसी लीची का गुदा खट्टा और कम स्वादिष्ट हो सकता है.

3 वजन देखें

लीची का वज़न जानने के लिए उसे अपने हाथ में पकड़. अच्छी लीची अपने आकार के हिसाब से थोड़ी भारी लगती है क्योंकि उसमें काफी रस होता है. खराब क्वालिटी की लीची अक्सर सूखी होती है या उसमें रस कम होता है.

4 ताजगी की जांच करें

ताज़ी लीची में हल्की, प्राकृतिक खुशबू होती है. अगर लीची से खट्टी या खराब गंध आ रही है, तो हो सकता है कि वह खराब हो गई हो. ऐसी लीची खराब होने लगी हो सकती है और उसका स्वाद अच्छा नहीं होगा.

5 गुच्छों वाली लीची

जब भी हो सके, ऐसी लीची चुनें जो अभी भी अपने गुच्छों से जुड़ी हों. ताज़ी हरी डंठल बताती है कि फल हाल ही में तोड़ा गया था. ऐसी लीची ज़्यादा समय तक ताज़ी रहती है और उसका स्वाद भी बेहतर होता है.

लीची एक स्वादिष्ट फल है, लेकिन सही लीची चुनना बहुत ज़रुरी है. अगली बार जब आप बाज़ार जाएं, तो रंग, वज़न, खुशबू और छिलके की हालत पर ध्यान दें. इन आसान टिप्स को अपनाकर आप हर बार मीठी, रसीली और ताज़ी लीची का मज़ा ले सकते हैं।

याद रखें: थोड़ी सी समझदारी से आप चुन सकते हैं सबसे मीठी और रसीली लीची!

क्या है ओपेक, जिससे यूएई ने खुद को अलग करने का किया ऐलान?

नई दिल्ली। होर्मुज संकट और ईरान के साथ पश्चिम एशिया में तनाव के बीच संयुक्त अरब अमीरात ने ऑर्गेनाइजेशन ऑफ द पेट्रोलियम एक्सपोर्टिंग कंट्रीज (ओपेक) से अलग होने का ऐलान किया है। 1 मई से यूएई ओपेक से अलग हो जाएगा। ईरान के हमले के बाद से यूएई ने दो बड़े फैसले लिए, जिसने सबको हैरान कर दिया। आइए जानते हैं कि ओपेक क्या है, और यह दुनिया में तेल सप्लाई और कीमत को कैसे प्रभावित करता है।

हाल ही में यूएई ने पाकिस्तान से अपना 3.45 अरब डॉलर का कर्ज वापस मांगा था। इसके बाद अब उसने ओपेक से खुद को बाहर करने का ऐलान किया है। ऐसा माना जा रहा है कि ईरान की तरफ से खाड़ी देशों पर किए गए हमले का मिलकर जवाब ना देने की वजह से यूएई में नाराजगी है। इसके साथ ही पाकिस्तान की तरफ से ईरान के खिलाफ स्पष्ट रुख ना अपनाना भी एक वजह है।

ओपेक की स्थापना 14 सितंबर 1960 को इराक के बगदाद में हुई थी। यह तेल उत्पादक देशों का एक स्थायी और अंतर सरकारी संगठन है, जो वैश्विक तेल बाजार में स्थिरता बनाए रखने के लिए उत्पादन और कीमतों में समन्वय रखता है। इसकी स्थापना पेट्रोलियम की अच्छी, किफायती और रेगुलर सप्लाई सुनिश्चित करने के साथ तेल बाजार को स्थिर करने के लिए की गई थी।

शुरुआत में, इसके सिर्फ पांच सदस्य थे: ईरान, इराक, कुवैत, सऊदी अरब और वेनेजुएला। हालांकि, बाद में यह बढ़कर 12 हो गया है, जो मिलकर दुनिया के कच्चे तेल के प्रोडक्शन का लगभग 36.17 फीसदी सप्लाई करते हैं। ओपेक के सदस्य दुनिया के कुल सिद्ध कच्चे तेल के भंडार का लगभग 79.22 फीसदी कंट्रोल करते हैं। 1960 में इसकी स्थापना के बाद संयुक्त अरब अमीरात 1967 में इसमें शामिल हुआ।

ओपेक सदस्य मार्केट पर नजर रखते हैं और कीमतें और सप्लाई स्थिर रखने के लिए तेल का प्रोडक्शन बढ़ाने या घटाने का मिलकर फैसला करते हैं। हालांकि, तेल का प्रोडक्शन बढ़ाने या घटाने के लिए संगठन के सदस्यों का एकमत से वोटिंग जरूरी है।

संयुक्त अरब अमीरात अमीरात तेल का प्रोडक्शन बढ़ाना चाहता है, जबकि सऊदी अरब कम उत्पादन चाहता है। यूएई ओपेक में तीसरा सबसे बड़ा तेल उत्पादक देश है। हालांकि, सऊदी अरब के पास तेल उत्पादन कोटा का नियंत्रण है, जिसकी वजह से यूएई अपनी पूरी क्षमता के हिसाब से तेल निर्यात नहीं कर पा रहा है।

ऐसे में यूएई ओपेक से निकलता है, तो उसके पास अपने हिसाब से तेल निर्यात करने के लिए फैसले लेने का हक होगा। अपनी जरूरतों के हिसाब से वह प्रोडक्शन और निर्यात बढ़ाकर लाभ ले सकता है। हालांकि, इसका नुकसान ये होगा कि सऊदी अरब का तेल बाजार पर पकड़ कम हो सकता है।

यूएई के ओपेक से निकलने के बाद तेल की कीमतों पर भी असर पड़ेगा। मीडिया रिपोर्ट्स का अनुमान है कि वैश्विक बाजार में तेल की कीमत में गिरावट देखने को मिलेगी और सप्लाई बढ़ेगा। इससे भारत को सीधा फायदा मिल सकता है। भारत भारी मात्रा में तेल आयात करता है। ऐसे में तेल सप्लाई बढ़ने की वजह से उसे कम कीमत में तेल आयात हो सकता है, जिसकी वजह से महंगाई पर भी असर पड़ने की उम्मीद है।

हालांकि, इससे ना केवल सऊदी अरब की नेतृत्व वाली भूमिका कमजोर होगी और फैसले लेने में मतभेद का सामना करना पड़ेगा, बल्कि तेल बाजार में कीमतों में अस्थिरता भी देखने को मिल सकता है।

वहीं ओपेक के सदस्य देशों और 10 गैर-ओपेक देशों को मिलाकर 'ओपेक प्लस' समूह का गठन किया गया है।

बीजिंग-टोक्यो के तनाव का असर पांडा डिप्लोमेसी पर भी, चीन लौटेंगे जापान में जन्मे 'शियाओ' और 'लेई'

टोक्यो/बीजिंग। चीन-जापान के बीच पड़ी दरार का असर 'पांडा डिप्लोमेसी' पर भी पड़ता दिख रहा है। वर्तमान विपरीत परिस्थितियों के चलते जायंट पांडा बंधुओं शियाओ-शियाओ और लेई-लेई को तय अवधि से पहले लौटाना पड़ेगा। भविष्य में इस समझौते का क्या होगा इस पर भी कुछ स्पष्ट नहीं हुआ है। इसे लेकर जब चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता से सवाल किया गया तो उन्होंने टका सा जवाब दे दिया!

टोक्यो मेट्रोपॉलिटन गवर्मेंट ने सोमवार को कहा कि उएनो जूलॉजिकल गार्डन में मौजूद जुड़वा जायंट पांडा को चीन वापस भेजने का फैसला किया गया है। इसके बाद जापान 1972 के बाद पहली बार पांडा रहित होगा, यानी अब देश में एक भी पांडा नहीं बचेगा। ये जापान और चीन के बीच दोस्ती का प्रतीक रहे हैं।

जापान में पांडा, शियाओ-शियाओ और लेई-लेई को जनवरी के अंत तक चीन वापस भेजे जाने की उम्मीद है।

द जापान टाइम्स के अनुसार, फरवरी में उनकी तय वापसी से पहले रहने की अवधि बढ़ाने या उनकी जगह नए पांडा लोन पर लेने के लिए चीन के साथ बातचीत की जा रही थी।

प्रजनन अनुसंधान के ऋण समझौते के अनुसार, जानवर 2021 में चिड़ियाघर में पैदा हुए थे। अनुबंध फरवरी 2026 में समाप्त हो रहा है।

हालांकि, चीन में शेड्यूल में फेरबदल कर अवधि लगभग एक महीने कम कर दी गई, और नए समझौते की अभी कोई संभावना नहीं दिख रही है। अधिकारियों के अनुसार चीनी पक्ष ने भविष्य की व्यवस्थाओं के संबंध में कोई जवाब नहीं दिया है।

2021 में टोक्यो में पैदा हुए इन जुड़वा पांडा के जाने के बाद, 50 से ज्यादा साल में यह पहली बार होगा कि जापान में कोई पांडा नहीं होगा।

यह जापान और चीन के बीच बढ़ते तनाव के बीच हुआ है, जो पिछले महीने जापानी प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची की टिप्पणियों के बाद शुरू हुआ है।

चीन की पांडा डिप्लोमेसी दोनों देशों के बीच एक सहयोगी रिसर्च प्रोजेक्ट के हिस्से के तौर पर काम करती रही है। चीन कानूनी तौर पर ऐसे सभी जानवरों का मालिक है, जो जापान में पैदा हुए हैं।

री री और शिन शिन के जोड़े ने तीन शावकों- शियाओ शियाओ, लेई लेई और शियांग शियांग को जन्म दिया था।

उस जोड़े को 2023 में चीन वापस भेज दिया गया था।

जून में, वाकायामा प्रीफेक्चर के एडवेंचर वर्ल्ड में पैदा हुए और पाले गए चार पांडा को भी चीन वापस भेज दिया गया, क्योंकि कॉन्ट्रैक्ट खत्म होने वाला था।

हाल तक, चीनी सरकार जापान को एक नया जायंट पांडा देने की संभावना के बारे में सकारात्मक संकेत दे रही थी। चीनी विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने अप्रैल में कहा था कि बीजिंग विशाल पांडा संरक्षण पर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में जापान की लगातार रुचि का स्वागत करता है।

उएनओ चिड़ियाघर ने कहा कि वह पांडा को होस्ट करना जारी रखना चाहता है और चीन के साथ संयुक्त रिसर्च प्रोजेक्ट जारी रखना चाहता है।

ग्रेट स्मॉग 1952: लंदन की वो धुंध जिसने 5 दिनों में ही लेली हजारों जान

नई दिल्ली। दिसंबर 1952 की शुरुआती ठंड में लंदन हमेशा की तरह धुएं, कोहरे और औद्योगिक धूल से घिरा हुआ था, लेकिन किसी को अंदाजा नहीं था कि 4 दिसंबर की सुबह से कुछ बदलाव दिखने लगा था लेकिन अगले दिन यानी 5 दिसंबर को इसका रूप ही बदल गया। यह धुंधला दौर दुनिया के पर्यावरण इतिहास का सबसे भयावह अध्याय बन जाएगा। इसे बाद में ग्रेट स्मॉग ऑफ लंदन कहा गया।

एक ऐसा जहरीला मिश्रण जिसमें धुआं, कोयले की राख, सल्फर डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड और पानी की बारीक बूंदें शामिल थीं। यह धुंध इतनी घनी थी कि लोग अपने ही घरों में सामने रखी वस्तुएं तक नहीं देख पा रहे थे। सड़कें ठप हो गईं, बसें-ट्राम रुक गईं, और अस्पतालों में अचानक सांस संबंधी रोगियों की भीड़ टूट पड़ी।

यह स्मॉग सामान्य स्थिति नहीं था; यह मानव-निर्मित प्रदूषण और असामान्य मौसम के खतरनाक मेल का नतीजा था। उस दौर में लंदन की अधिकतर चिमनियों, फैक्ट्रियों और घरों में निम्न-गुणवत्ता वाले 'पीले कोयले' (लो ग्रेड सल्फर कोल) का बड़े पैमाने पर उपयोग होता था। 4 दिसंबर को जैसे ही ठंडी हवा ने शहर को ढका, तापमान कुछ अलग सा हो गया। एंटी साइक्लोन वेदर सिस्टम ने पूरे शहर को अपनी आगोश में ले लिया। ऊपरी लेयर की गर्म हवा ने नीचे की ठंडी हवा को रोक दिया। प्रदूषक ऊपर उठ नहीं सके और पूरे शहर पर एक मोटी, दमघोंटू चादर की तरह बैठ गए।

इस घने स्मॉग ने केवल कुछ घंटों में हल्की तकलीफ को गंभीर संकट में बदल दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक अगले 5 दिनों में ही शहर में मौतों की संख्या तेजी से बढ़ने लगी। लोग सीढ़ियां चढ़ते हुए बेहोश हो जाते, बाहर चलना असंभव था। दमा, ब्रोंकाइटिस और हृदय-रोग से पीड़ित मरीजों की हालत सबसे पहले बिगड़ी। आधिकारिक अनुमानों में शुरुआती तौर पर लगभग 4,000 मौतें बताई गईं, लेकिन बाद में किए गए वैज्ञानिक अध्ययनों—खासकर 2004 में यूके हेल्थ प्रोटेक्शन एजेंसी और किंग्स कॉलेज लंदन की संयुक्त समीक्षा से स्पष्ट हुआ कि कुल मृतकों की संख्या 12,000 के आसपास थी।

यह घटना केवल एक प्राकृतिक आपदा नहीं थी; यह चेतावनी थी कि अनियंत्रित औद्योगिक विकास, खराब ईंधन, और शहरी प्रदूषण किस तरह एक आधुनिक महानगर को मौत के कुहासे में बदल सकता है। ग्रेट स्मॉग ने ब्रिटेन की राजनीति और समाज को झकझोर दिया।

जब 'लग जा गले' सुनकर मदन मोहन से नाराज हो गए राज खोसला, मनोज कुमार ने बनाई थी बिगड़ी बात

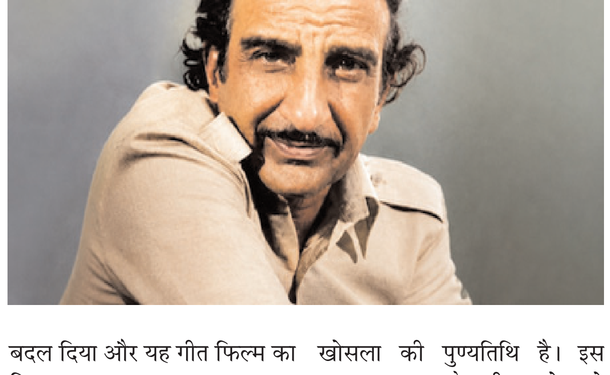

मुंबई। 'वो कौन थी' फिल्म का 'लग जा गले' हिंदी सिनेमा के इतिहास का एक ऐसा गीत है, जिसका जादू दशकों बाद भी बरकरार है। आज यह भारतीय फिल्म संगीत के सबसे लोकप्रिय गीतों में गिना जाता है, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि एक समय ऐसा भी था, जब फिल्म के निर्माता राज खोसला को यह धुन बिल्कुल पसंद नहीं आई थी।

स्थिति यहां तक पहुंच गई थी कि उन्होंने संगीतकार मदन मोहन से अपनी नाराजगी भी जाहिर कर दी थी। हालांकि, अभिनेता मनोज कुमार की पहल ने पूरा मामला बदल दिया और यह गीत फिल्म का हिस्सा बन सका।

9 जून को निर्देशक राज खोसला की पुण्यतिथि है। इस अवसर पर उनके जीवन से जुड़े दिलचस्प किस्से के बारे में हम आपको बताते हैं। राज खोसला हिंदी सिनेमा के उन सफल निर्देशकों में गिने जाते हैं, जिन्होंने रहस्य, रोमांस और सस्पेंस से भरपूर कई यादगार फिल्में दीं। उनकी फिल्मों की खासियत मजबूत कहानी और दर्शकों को अंत तक स्क्रीन से बांधे रखने वाली प्रस्तुति होती थी।

31 मई 1925 को पंजाब में जन्मे राज खोसला ने अपने करियर में कई सफल फिल्मों का निर्देशन किया। अभिनेत्री साधना के साथ उनकी जोड़ी खासतौर पर लोकप्रिय रही। 'वो कौन थी', 'मेरा साया' और 'अनीता' जैसी फिल्मों को आज भी हिंदी सिनेमा की बेहतरीन सस्पेंस थ्रिलर में गिना जाता है।

साल 1964 में रिलीज हुई 'वो कौन थी' में साधना और मनोज कुमार मुख्य भूमिका में थे। फिल्म का संगीत प्रसिद्ध संगीतकार मदन मोहन ने तैयार किया था। इसी फिल्म में 'लग जा गले' गीत शामिल था, जिसे महान गायिका लता मंगेशकर ने अपनी आवाज दी। प्रेम, भावनाओं और मधुर संगीत वाले गाने को लेकर मजेदार किस्सा है। मदन मोहन के बेटे समीर कोहली ने एक इंटरव्यू में इस गीत से जुड़ा रोचक किस्सा सुनाया था।

‘36 साल से यही रूटीन’, अक्षय कुमार ने बताया क्यों नहीं लेना चाहते हैं रिटायरमेंट

मुंबई । अभिनेता अक्षय कुमार की फिल्म ‘वेलकम टू द जंगल’ का ट्रेलर गुरुवार को रिलीज कर दिया गया है। ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम के दौरान अक्षय कुमार ने मीडिया से बातचीत के दौरान रवीना के प्रोफेशनलिज्म और मजबूत नैतिकता की भी तारीफ की। साथ ही, अपने रिटायरमेंट के प्लान पर मजेदार खुलासे किए।

ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम के दौरान जब मीडिया ने अक्षय से रिटायरमेंट प्लान को लेकर सवाल किए, तो अभिनेता ने अपने अंदाज में जवाब देते हुए बताया, ‘जब मैं रोज सुबह 4 बजे उठता हूं, तो सिर्फ 5 सेकंड के लिए मन में आता है कि अब रिटायरमेंट ले लूं, लेकिन अगले ही पल याद आता है कि मुझे शूटिंग पर जाना है। वहां पर पूरी टीम मेरी इंतजार कर रही होगी। बस, इसी ‘कश्मकश’ में जिंदगी चल रही है। अगले दिन फिर से वही रूटीन शुरू हो जाता है और ऐसा करते-करते मुझे 36 साल बीत चुके हैं।‘

उन्होंने आगे हंसते हुए कहा, ‘अगर मैं रिटायर हो भी गया, तो घर पर बैठकर ज्यादा से ज्यादा क्या करूंगा। इलेक्ट्रिशियन का काम हाथ आ जाएगा, या फिर कुत्तों घुमाने चला जाऊंगा। ऐसे ही घर के सारे काम मेरे हिस्से आ जाएंगे। मुझे लगता है कि उन सब कामों को करने से बेहतर है कि मैं फिल्मों में एक्टिंग करता रहूं।‘

अभिनेता ने अपनी बात को रखते हुए बताया कि उन्हें रिटायरमेंट शब्द से नफरत हैं। उन्होंने कहा, ‘अगर आपको एक लंबी और सेहतमंद जिंदगी जीनी है, तो कभी काम करना बंद मत कीजिए और हमेशा एक्टिव रहिए।

अभिनेता अक्षय कुमार ने आगे पुराने दिनों को याद करते हुए अभिनेत्री रवीना टंडन की जमकर तारीफ की। उन्होंने बताया कि समय कैसे बदल गया है; उनकी पुरानी साथी कभी बॉलीवुड में हीरोइन के तौर पर राज करती थीं, लेकिन अब वह हीरोइन की मां बन गई हैं। अक्षय कुमार ने रवीना की बेटी राशा थडानी की ओर इशारा किया।

एक्टर ने रवीना के प्रोफेशनलिज्म और मजबूत नैतिकता की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, ‘मैं आपको रवीना के बारे में बताना चाहता हूं कि वह हमेशा से बहुत प्रोफेशनल रही हैं। मुझे आज भी याद है, मैं एक फिल्म की शूटिंग कर रहा था और सूरज डूबने वाला था। सूरज डूबने में बस 25-30 मिनट बचे थे। ग्रीन रूम बहुत दूर था और उन्हें जल्दी से कपड़े बदलकर आना था। यह नामुमकिन लग रहा था। लेकिन मुझे याद है, वह जनरेटर वैन में गईं और जल्दी से कपड़े बदलकर वापस आ गईं।‘

दिवंगत अभिनेता पंकज धीर को याद करते हुए अक्षय कुमार ने कहा कि जैसा सभी जानते हैं, फिल्म ‘वेलकम टू द जंगल’ पंकज धीर की आखिरी फिल्म थी।

प्रणित मोरे की बढ़ीं मुश्किलें, कमीडियन समेत अन्य के खिलाफ एफआईआर

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर कथित अश्लील और आपत्तिजनक कंटेंट प्रसारित करने के आरोप में स्टैंड-अप कमीडियन और यूट्यूबर प्रणित मोरे की मुश्किलें बढ़ गई हैं। महाराष्ट्र साइबर विभाग ने उनके साथ शामिल अन्य के खिलाफ एफआईआर करते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। इस कार्रवाई में हिमांशु जांगड़ा, डॉक्टर सेजल पवार समेत अन्य व्यक्तियों को भी शामिल किया गया है। महाराष्ट्र साइबर विभाग के अनुसार, सोशल मीडिया पर प्रसारित कुछ वीडियो और क्लिप्स में महिलाओं, सहमति (कंसेंट) और मृत व्यक्तियों को लेकर कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणियां की गईं। इन वीडियो के वायरल होने के बाद विभाग ने मामले का संज्ञान लेते हुए कानूनी कार्रवाई शुरू की है। साइबर विभाग के अनुसार, यह मामला एक स्टैंड-अप कॉमेडी शो से जुड़ा है, जिसे मेजबानी प्रणित मोरे ने होस्ट किया था। शो के कुछ अंश यूट्यूब, इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर साझा किए गए थे। जांच एजेंसियों का आरोप है कि इन वीडियो में ऐसी बातें कही गईं, जिन्हें सामाजिक मर्यादा और कानून के दायरे से बाहर माना जा सकता है।

महाराष्ट्र साइबर की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि एक वीडियो क्लिप में हिमांशु जांगड़ा ने कथित तौर पर डेट पर खर्च किए गए पैसे के बदले शारीरिक संबंधों का अधिकार होने जैसी टिप्पणी की, इसके लिए उन्होंने 370 रुपए में बिरयानी और वसूली जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया।

‘फूल और कांटे’ में छेड़छाड़ को प्यार समझा गया था, आज ऐसा करने वाला जेल पहुंच जाएगा: मधु

मुंबई | फिल्मों में महिलाओं को किस तरह दिखाया जाता है, यह मुद्दा एक बार फिर चर्चा में है। हाल ही में अभिनेता राम चंवरग की फिल्म 'पेद्दी' में जान्हवी कपूर को जिस तरह दिखाया गया, उसे लेकर सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई।

इसी बहस के बीम 90 के दशक की लोकप्रिय अभिनेत्री मधु ने फिल्मों में महिलाओं की प्रस्तुति और बदलते समय को लेकर खुलकर अपनी राय रखी है। आइएएनएस को दिए इंटरव्यु में उन्होंने कहा कि सिनेमा हमेशा समाज हमेशा समाज का आईना होता है और समाज के बदलने के साथ फिल्मों को भी बदलना पड़ता है।

> आज जिन चीजों को गलत माना जाता है, कभी वही चीजों फिल्मों में सानान्य औ और रोमांटिक समझी जाती थीं। मेरी सुपरहिट फिल्म 'फूल और कांटे' में जो दिखाया गया था, उसे उस समय लोगों ने प्यार और रोमांस माना था, लेकिन आज के दौर में वही व्यवहार छेड़छाड़ और उत्पीड़न माना जाएगा।

सिनेमा समाज का आईना

यह सवाल केवल फिल्मों का नहीं, लल्कि समाज की सौच का भी है। फिल्मों की कहानियां और किरदार उसी तरह बदलते हैं जैसे लोगों की सोच बदलती है। अगर समाज किसी चीज को स्वीकार नहीं करता, तो धीरे-धीरे वह फिल्मों से भी गायब होने लगती है।

80-90 के दशक में रेप सीन आम बात थे

80 और 90 के दशक की फिल्मों में रेप सीन बहुत आम बात हुआ करते थे। लगभग हर दुसरी फिल्म में ऐसे सीन देखने को मिल जाते थे। उस दौर में इन सीन्स को लेकर ज्यादा सवाल लहीं उठाए जाते थे और न ही दर्शकों के बीच कोई बड़ी बहस होतीं थीं। लेकिन आज का समय पुरी तरह बदल युका है और अब ऐसे सीन्स को पहले की तरह स्वीकार नहीं किया जाता।

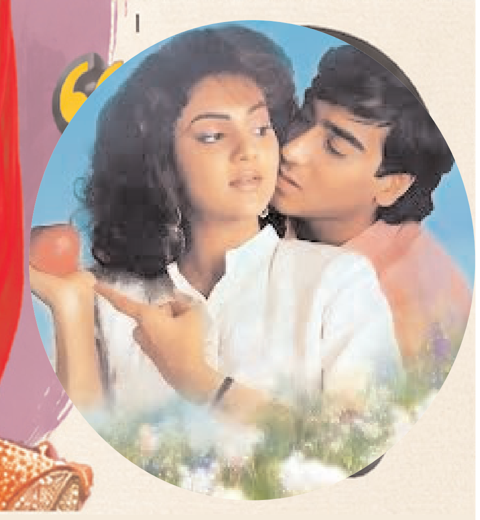

फिल्मों में महिलाओं को किस तरह दिखाया जाता है, यह मुद्दा एक बार फिर चर्चा में है। हाल ही में अभिनेता राम चरण की फिल्म ‘पेड्डी’ में जान्हवी कपूर को जिस तरह दिखाया गया, उसे लेकर सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई।

इसी बहस के बीच 90 के दशक की लोकप्रिय अभिनेत्री मधु ने फिल्मों में महिलाओं की प्रस्तुति और बदलते समय को लेकर खुलकर अपनी राय रखी है। आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि सिनेमा हमेशा समाज का आईना होता है और समाज के बदलने के साथ फिल्मों को भी बदलना पड़ता है।

मीडिया संग खास बातचीत में मधु ने कहा, ‘ ’आज जिन चीजों को गलत माना जाता है, कभी वही चीजें फिल्मों में सामान्य और रोमांटिक समझी जाती थीं। मेरी सुपरहिट फिल्म ‘फूल और कांटे’ में जो दिखाया गया था, उसे उस समय लोगों ने प्यार और रोमांस माना था, लेकिन आज के दौर में वही व्यवहार छेड़छाड़ और उत्पीड़न माना जाएगा।''

मधु से मीडिया ने जब पूछा कि क्या आज की फिल्मों में महिलाओं को महज एक वस्तू के तौर पर दिखाया जाता है, तो उन्होंने कहा, ‘ ’यह सवाल केवल फिल्मों का नहीं, बल्कि समाज की सोच का भी है। फिल्मों की कहानियां और किरदार उसी तरह बदलते हैं जैसे लोगों की सोच बदलती है। अगर समाज किसी चीज को स्वीकार नहीं करता, तो धीरे-धीरे वह फिल्मों से भी गायब होने लगती है।''

अभिनेत्री ने कहा, ‘80 और 90 के दशक की फिल्मों में रेप सीन बहुत आम बात हुआ करते थे। लगभग हर दूसरी फिल्म में ऐसे सीन देखने को मिल जाते थे। उस दौर में इन सीन्स को लेकर ज्यादा सवाल नहीं उठाए जाते थे और न ही दर्शकों के बीच कोई बड़ी बहस होती थी। लेकिन आज का समय पूरी तरह बदल चुका है और अब ऐसे सीन्स को पहले की तरह स्वीकार नहीं किया जाता।‘

उन्होंने कहा, ‘ ’आज अगर किसी फिल्म में ऐसी घटना दिखाई भी जाती है, तो उसे बहुत सावधानी के साथ पेश किया जाता है। अब फिल्मकार इस बात का ध्यान रखते हैं कि किसी गंभीर विषय को दिखाते समय गलत संदेश न जाए।''

मधु ने अपनी फिल्म ‘फूल और कांटे’ का जिक्र करते हुए कहा, ‘ ’फिल्म के शुरुआती

इम्तियाज अली की ‘मैं वापस आऊंगा’ ने जीता दिल, बिछड़ने के दर्द और सच्चे प्यार की कहानी ने छोड़ी गहरी छाप

नई दिल्ली। आज के दौर में जहां ज्यादातर प्रेम कहानियां बड़े-बड़े रोमांटिक पलों और दिखावे पर आधारित होती हैं, वहीं फिल्म ‘मैं वापस आऊंगा’ एक अलग रास्ता चुनती है। यह फिल्म प्यार में बिछड़ने के दर्द, किसी अपने के लौटने के इंतजार और दोबारा मिलने की उम्मीद को बेहद भावुक तरीके से दिखाती है। बंटवारे के बैकग्राउंड पर बनी यह कहानी दर्शकों को एक ऐसे सफर पर ले जाती है, जहां सच्चा प्यार समय, दूरी और सरहदों से भी बड़ा नजर आता है।

फिल्म के निर्देशक इम्तियाज अली को हमेशा से रिश्तों और भावनाओं को पर्दे पर खूबसूरती से दिखाने के लिए जाना जाता है और इस फिल्म में भी उन्होंने वही संवेदनशीलता दिखाई है। उन्होंने कहानी को इस तरह पेश किया है कि दर्शक हर किरदार के दुख, खुशी, इंतजार और प्यार को महसूस कर सकें। फिल्म इंसानी रिश्तों, सब्र और भावनात्मक जुड़ाव की अहमियत को सामने लाती है।

फिल्म की सबसे बड़ी ताकत कलाकारों का अभिनय है। एक्टर वेदांग रैना ने दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह के निभाए गए किरदार कीनू के यंग वर्जन को निभाया है। उन्होंने अपने किरदार में मासूमियत, सादगी और भावनाओं को काफी अच्छी तरह दिखाया है। उनके अभिनय की वजह से दर्शक शुरुआत से ही इस किरदार से जुड़ जाते हैं।

वहीं अभिनेत्री शरवरी वाघ ने जिया उर्फ अफसाना का किरदार निभाया है। फिल्म में उनकी मौजूदगी कहानी को और खूबसूरत बनाती है। उन्होंने अपने अभिनय में प्यार, उम्मीद, दर्द और भावनाओं को बहुत सहज तरीके से दिखाया है।

फिल्म में दिलजीत दोसांझ ने पोते का किरदार निभाया है। उनका अभिनय काफी सधा हुआ है, लेकिन फिर भी वह दर्शकों पर गहरा असर छोड़ते है। उन्होंने अपने किरदार की भावनाओं को बखूबी पेश किया है। वहीं नसीरुद्दीन शाह एक बार फिर अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीत लेंगे।

फिल्म के बाकी कलाकारों ने भी अपने किरदारों के साथ पूरा न्याय किया है। सभी कलाकार मिलकर एक ऐसी दुनिया बनाते हैं, जो वास्तविक लगती है।

फिल्म का म्यूजिक भी इसकी सबसे बड़ी खूबियों में शामिल है। गाने कहानी को आगे बढ़ाने का काम करते हैं। फिल्म में ऐसे कई गीत हैं, जो प्यार, इंतजार और भावनाओं को खूबसूरती से बयां करते हैं। फिल्म खत्म होने के बाद भी इसके गाने लंबे समय तक याद रहेंगे।

संगीतकार ए. आर. रहमान का म्यूजिक और बैकग्राउंड स्कोर फिल्म को एक अलग ऊंचाई पर ले जाता है।

‘हर सीन में झलकता है अटूट विश्वास’, अनुभव सिन्हा को पसंद आई इम्तियाज अली की ‘मैं वापस आऊंगा’

मुंबई । निर्देशक इम्तियाज अली की फिल्म ‘मैं वापस आऊंगा’ अपनी अनोखी कहानी को लेकर चर्चा में है। इसी बीच फिल्म निर्देशक अनुभव सिन्हा ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इम्तियाज अली और उनकी फिल्म की खुलकर सराहना की। साथ ही आज के दौर के सिनेमा और फिल्म निर्माण पर भी अपनी राय रखी।

अनुभव सिन्हा ने इंस्टाग्राम पर फिल्म ‘मैं वापस आऊंगा’ का एक पोस्टर साझा किया और लिखा, ‘ ’आज के समय में कई कारणों से फिल्म निर्देशकों से उनकी कला की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता छीनती जा रही है। ऐसे दौर में इम्तियाज अली की यह फिल्म उन्हीं विशेषताओं से भरपूर है। इस फिल्म का सबसे बड़ा आधार विश्वास है, जो हर सीन में झलकता है। एक कलाकार का अपने काम और अपनी कहानी पर विश्वास ही उसकी असली पहचान होता है।''

उन्होंने आगे लिखा, ‘ ’यह फिल्म उन धारणाओं को तोड़ती है जो अक्सर यह तय करने की कोशिश करती हैं कि दर्शक क्या देखना चाहते हैं और उन्हें क्या पसंद आएगा। कई बार व्यापारिक सोच के कारण फिल्मों को एक तय ढांचे में ढालने की कोशिश की जाती है, लेकिन ‘मैं वापस आऊंगा’ उन सीमाओं को तोड़ते हुए अपनी आत्मा और संवेदनाओं के साथ खड़ी नजर आती है। यह फिल्म किसी भेड़-चाल को फॉलो नहीं करती, बल्कि अपनी सच्चाई और भावनाओं के सहारे आगे बढ़ती है।'' अनुभव ने आगे कहा, ‘ ’फिल्म में एक कहानीकार का अपने देश के प्रति प्रेम दिखाई देता है। यह सिर्फ एक कहानी नहीं है, बल्कि अपने लोगों, अपनी मिट्टी और अपने इतिहास के साथ जुड़े भावनात्मक रिश्ते की अभिव्यक्ति है।

जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा ने जैकलीन फर्नांडिस की याचिका पर सुनवाई से खुद को किया अलग

नई दिल्ली। 200 करोड़ रुपए के चर्चित मनी लॉन्ड्रिंग और जबरन वसूली मामले में सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा ने बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस की याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग कर लिया है। अब यह मामला नई पीठ के समक्ष रखा जाएगा।

जानकारी के अनुसार, जैकलीन फर्नांडिस की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा ने कहा कि वह इस मामले की सुनवाई नहीं कर सकते, क्योंकि इस प्रकरण से जुड़े एक अन्य मामले में उनका बेटा वकील है। ऐसे में निष्पक्षता ध्यान में रखते हुए उन्होंने खुद को सुनवाई से अलग करने का फैसला किया है

अब इस मामले की सुनवाई दूसरी पीठ करेगी। जानकारी के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट ने मामले को 24 जून के लिए सूचीबद्ध किया है। अब नई बेंच यह तय करेगी कि जैकलीन फर्नांडिस की याचिका पर आगे क्या रुख अपनाया जाए।

जैकलीन फर्नांडिस ने दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट के 30 मई के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। ट्रायल कोर्ट ने अपने आदेश में जैकलीन, सुकेश चंद्रशेखर, उसकी पत्नी लीना पॉल और 14 अन्य आरोपितों के खिलाफ प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत आरोप तय करने का निर्देश दिया था। इसी आदेश के खिलाफ अभिनेत्री सुप्रीम कोर्ट पहुंची हैं।

जैकलीन का कहना है कि उपलब्ध तथ्यों और सबूतों के आधार पर उनके खिलाफ आरोप तय किया जाना उचित नहीं है, जिसके चलते उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से ट्रायल कोर्ट के आदेश को रद्द करने की मांग की।

यह पूरा मामला 200 करोड़ की जबरन वसूली और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा है, जिसकी जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कर रहा है। जांच एजेंसी का आरोप है कि सुकेश चंद्रशेखर ने जेल में रहते हुए एक कारोबारी की पत्नी से करीब 200 करोड़ रुपए की ठगी और वसूली की थी। ईडी का दावा है कि इस कथित अपराध से प्राप्त धन का इस्तेमाल कई लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए किया गया।

जांच एजेंसी के अनुसार, जैकलीन फर्नांडिस को भी सुकेश चंद्रशेखर की ओर से करोड़ों रुपए की कीमत के महंगे उपहार मिले थे।

फिलीपींस के विनाशकारी भूकंप में अब तक 47 की मौत, सैकड़ों घायल

मनीला। फिलीपींस के दक्षिणी द्वीप क्षेत्र मिंडानाओ तट के पास सोमवार को आए 7.8 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप ने भारी तबाही मचाई है। देश की आपदा प्रबंधन एजेंसी के अनुसार, इस आपदा में अब तक 47 लोगों की मौत हो चुकी है, 31 लापता हैं और 688 से अधिक लोग घायल हुए हैं।

नेशनल डिजास्टर रिस्क रिडक्शन एंड मैनेजमेंट काउंसिल (एनडीआरआरएमसी) ने गुरुवार को बताया कि 75,000 से अधिक परिवार भूकंप पीड़ित हैं, जबकि लगभग 3.46 लाख लोगों पर इसका सीधा असर पड़ा है। 45,000 से ज्यादा लोगों को अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा और 12,600 से अधिक मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं।

भूकंप के बाद 45 अन्य घटनाएं भी दर्ज की गईं, जिनमें अधिकांश भूस्खलन (लैंडस्लाइड) से जुड़ी थीं। कई सड़कें, पुल, एक हवाई अड्डा और दो बंदरगाह प्रभावित हुए हैं, जिससे राहत और बचाव कार्यों में भी मुश्किलें आ रही हैं। इसके अलावा कृषि, पशुपालन और मत्स्य उद्योग को भी भारी नुकसान पहुंचा है। 48 शहरों और नगरपालिकाओं में बिजली आपूर्ति बाधित हुई। फिलीपींस इंस्टीट्यूट ऑफ वोल्कैनोलॉजी एंड सिसमोलॉजी के अनुसार, भूकंप स्थानीय समयानुसार सुबह 7:37 बजे आया। इसका केंद्र मासिम तट से लगभग 32 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में और 33 किलोमीटर की गहराई पर था।

सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में जनरल सैंटोस शामिल है, जहां कई इमारतों को नुकसान पहुंचा। एक दो-मंजिला स्कूल भवन ढह गया, जिसमें छात्रों के फंसे होने की आशंका जताई गई। अधिकारी घटना की पुष्टि और बचाव कार्य में जुटे हुए हैं।

ऑनलाइन सामने आए वीडियो में विश्वविद्यालयों, रेस्तरां और अन्य व्यावसायिक इमारतों के ढहने के दृश्य दिखाई दे रहे हैं। कई स्थानों पर इमारतों के शीशे टूट गए और साइनबोर्ड गिर गए, जिससे लोगों में दहशत फैल गई। जान बचाने के लिए स्थानीय निवासी तुरंत घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए।

यह भूकंप ऐसे समय आया जब गर्मियों की छुट्टियों के बाद पूरे फिलीपींस में स्कूल दोबारा खुलने शुरू हुए थे। कई स्कूलों के सीसीटीवी फुटेज में भूकंप के दौरान तेज झटके महसूस होते दिखाई दिए, जहां शिक्षक और छात्र या तो तुरंत बाहर निकले या फिर मेज के नीचे शरण लेते नजर आए।

चीन में समुद्री अर्थव्यवस्था का कुल उत्पादन मूल्य 110 खरब युआन पर पहुंचा

बीजिंग। चीनी प्राकृतिक संसाधन मंत्रालय के मिली खबर के अनुसार, चीनी राजकीय समुद्र सूचना केंद्र ने हाल ही में वर्ष 2026 चीनी समुद्री अर्थव्यवस्था विकास सूचकांक बनाया। इसके अनुसार वर्ष 2025 में चीनी समुद्री आर्थिक विकास का सूचकांक 128.8 है, जो गतवर्ष से 2.2 प्रतिशत से अधिक था। वर्ष 2025 में चीनी समुद्री अर्थव्यवस्था का कुल उत्पादन मूल्य 110 खरब युआन पर पहुंचा, जो गतवर्ष से 5.5 प्रतिशत से अधिक था।

इस सूचकांक से पता चला कि चीन की समुद्री अर्थव्यवस्था नई मंजिल पर पहुंची है। समुद्री अर्थव्यवस्था से जुड़ी इकाइयों की संख्या गतवर्ष से 6.2 प्रतिशत बढ़ी। समुद्री व्यवसायों का ढांचा निरंतर सुधर रहा है। नए समुद्री व्यवसायों का अतिरिक्त मूल्य गतवर्ष से 7.3 प्रतिशत बढ़ा, जिसका कुल समुद्री उत्पादन मूल्य में अनुपात निरंतर उन्नत हो रहा है। उधर, समुद्री संसाधन के विकास व प्रयोग की क्षमता भी निरंतर मजबूत हो रही है। वर्ष 2025 में चीन के समुद्री यातायात से निर्यात-आयात का कुल मूल्य गतवर्ष से 1.7 प्रतिशत बढ़ा, जो कुल आयात-निर्यात का 61.5 प्रतिशत था। उल्लेखनीय बात है कि चीन का समुद्री पर्यावरण लगातार बेहतर हो रहा है और किनारे के पास के समुद्री इलाके में पानी की बेहतर क्वालिटी का हिस्सा बढ़कर 84.9 प्रतिशत हो गया है।

संक्षिप्त खबर

ईरान रोक नहीं सकता, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर हमारा प्रभावी नियंत्रण : पीट हेगसेथ

वॉशिंगटन। सेक्रेटरी ऑफ वॉर पीट हेगसेथ ने कहा है कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने प्रभावी रूप से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर नियंत्रण स्थापित कर लिया है और ईरान के साथ तनाव के बावजूद इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से 100 मिलियन बैरल से अधिक तेल की आवाजाही को सुरक्षित रखा है।

बुधवार (स्थानीय समय) को फ्लोरिडा स्थित अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) मुख्यालय में बोलते हुए हेगसेथ ने एक ऐसे समुद्री अभियान की नई जानकारी दी, जिसके बारे में सार्वजनिक रूप से बहुत कम बताया गया था। उनके अनुसार, इस अभियान का उद्देश्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्गों में से एक को खुला रखना और साथ ही ईरान पर दबाव बनाए रखना था।

हेगसेथ ने कहा, 'प्रोजेक्ट फ्रीडम यानी स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से जहाजों को सुरक्षित रूप से गुजरने देना कभी बंद नहीं हुआ। यह बस सार्वजनिक नजरों से दूर चला गया था। कुछ बातें लोगों को पता हैं और कुछ नहीं, लेकिन सच यह है कि हम लगातार इस रास्ते से गुजरने वाले व्यावसायिक जहाजों की सुरक्षा कर रहे हैं।' पेंटागन प्रमुख के अनुसार, इस अभियान की वजह से 10 करोड़ बैरल से अधिक तेल अमेरिकी सुरक्षा के तहत इस संकरे समुद्री मार्ग से गुजर चुका है। उन्होंने कहा, 'हम स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरने वाले व्यावसायिक जहाजों की सुरक्षा कर रहे हैं।

दक्षिण कोरिया और अमेरिका ने दोहराया प्योंगयांग के परमाणु निरस्त्रीकरण का संकल्प

सोल। दक्षिण कोरिया और अमेरिका ने गुरुवार को दोहराया कि उत्तर कोरिया का परमाणु निरस्त्रीकरण उनका साझा लक्ष्य है। प्योंगयांग के परमाणु खतरों के खिलाफ आयोजित एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक में दोनों ने अपना रुख स्पष्ट किया। न्यूक्लियर कंसल्टेटिव ग्रुप (एनसीजी) की छठी बैठक गुरुवार को सोल में आयोजित की गई। यह बैठक ऐसे समय में हुई जब प्योंगयांग खुद को परमाणु हथियार संपन्न राष्ट्र के रूप में स्थापित करने के प्रयास तेज कर रहा है और उसने अपने परमाणु हथियार कार्यक्रम को कभी न छोड़ने की कसम खाई है। योनहाप न्यूज एजेंसी ने बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान के हवाले से बताया, 'दोनों पक्ष उत्तर कोरिया की लगातार विकसित हो रही परमाणु और मिसाइल क्षमताओं तथा बदलते सुरक्षा माहौल के बीच गठबंधन और विस्तारित प्रतिरोध को मजबूत करने के लिए एनसीजी की गतिविधियों को आगे बढ़ाने पर सहमत हुए हैं।' बयान में आगे कहा गया, 'दक्षिण कोरिया और अमेरिका ने उत्तर कोरिया के परमाणु निरस्त्रीकरण के अपने साझा लक्ष्य की पुन: पुष्टि की है।'

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज अगली सूचना तक पूरी तरह बंद : ईरान

तेहरान। ईरान की समुद्री निगरानी संस्था ने घोषणा की है कि रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को 'अगली सूचना तक पूरी तरह बंद' कर दिया गया है। यह कदम रेवोल्यूशनरी गार्ड्स की ओर से बुधवार रात में दिए गए आदेश के बाद उठाया गया है।

हाल ही में बनाई गई संस्था 'पर्शियन गल्फ स्ट्रेट अथॉरिटी' के अनुसार, यह निर्णय क्षेत्र में बढ़ते तनाव और अमेरिकी बलों की कार्रवाई के बाद लिया गया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी बयान में कहा गया कि मौजूदा हालात के चलते जलमार्ग को फिलहाल पूरी तरह बंद किया जा रहा है।

बयान में कहा गया, 'अमेरिकी बलों की आक्रामकता से उत्पन्न तनाव और ईरानी सशस्त्र बलों के हालिया बयान के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य को अगले आदेश तक बंद किया जाता है।'

साथ ही, जिन जहाजों को पहले से पारगमन अनुमति दी गई थी, उन्हें निर्देशों का इंतजार करने और स्थिति सामान्य होने तक धैर्य रखने को कहा गया है।

ये फैसला ईरान के एक मालवाहक शिप को अमेरिकी प्रोजेक्टाइल से निशाना बनाने के बाद लिया गया। ईरान के सिरिक काउंटी के गवर्नर रेजा शाहीदियान के अनुसार, यह 150 टन का स्थानीय रूप से स्वामित्व वाला था, जो ओमान के खासाब बंदरगाह से आवश्यक सामान लेकर जा रहा था। यह घटना लगभग बंदरगाह से 5 समुद्री मील की दूरी पर ओमान की खाड़ी में हुई। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल परिवहन मार्गों में से एक है, जहां से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का बड़ा हिस्सा गुजरता है। यदि यह बंदी लंबी चली, तो इसका प्रभाव तेल कीमतों, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और क्षेत्रीय सुरक्षा स्थिति पर सीधे तौर पर पड़ सकता है।

इससे पहले आईआरजीसी ने बुधवार रात को ऐलान किया कि होर्मुज को बंद रखा जा रहा है। जो भी जहाज वहां से गुजरने की हिमाकत करेगा उसे शत्रुओं का मददगार समझा जाएगा और उसे निशाना बनाया जाएगा। होर्मुज स्ट्रेट को लेकर अभी ईरान और अमेरिका के दावे अलग-अलग हैं। ईरान ने घोषणा की है कि उसने होर्मुज स्ट्रेट को बंद कर दिया है। दूसरी ओर अमेरिकी सेना ने दावा किया कि होर्मुज बंद नहीं हुआ है। जहाज अब भी इस रास्ते से आ-जा रहे हैं।

लेबनान संकट के बीच यूनाइटेड नेशंस की 'यूनिफॉर्म्ड मौजूदगी' बनाए रखना जरूरी: यूएन महासचिव

यूनाइटेड नेशंस। एंटोनियो गुटेरेस ने कहा है कि यूनाइटेड नेशंस की 'यूनिफॉर्म्ड मौजूदगी' को बनाए रखना जरूरी है, खासकर तब जब 'यूनाइटेड नेशंस इंटेरिम फोर्स इन लेबनान' (यूएनआईएफआईएल) का कामकाज इस साल के अंत में खत्म होने की प्रक्रिया शुरू होने वाली है।

'यूनाइटेड नेशंस सिक्योरिटी काउंसिल' में बुधवार (स्थानीय समय) को मध्य पूर्व की स्थिति पर हुई खुली बहस में बोलते हुए गुटेरेस ने कहा कि यह इलाका लगातार गंभीर संकट की ओर बढ़ रहा है और इसके नतीजे सिर्फ इस क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि दुनिया के बाकी हिस्सों पर भी असर डालेंगे।

उन्होंने कहा, 'मुझे बहुत चिंता है कि यह स्थिति फिर से बड़े युद्ध में बदल सकती है।' सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, गुटेरेस ने चेतावनी दी कि मध्य पूर्व में बढ़ता तनाव सीमाओं से बाहर भी असर डाल रहा है। उन्होंने कहा कि इस पूरे क्षेत्र के लोगों को बहुत भारी कीमत चुकानी पड़ रही है और इसका असर दुनिया के सबसे कमजोर देशों और समुदायों पर भी पड़ रहा है।

उन्होंने बताया कि मार्च के बाद से लेबनान में हालात और बिगड़े हैं। इस दौरान इजरायल ने लेबनान के अंदर अपने सैन्य अभियान तेज किए हैं, जबकि हिज्?बुल्लाह ने भी इजरायल की ओर गहरे इलाकों तक हमले किए हैं। गुटेरेस ने कहा, 'हमने नागरिकों की मौत देखी है। पूरे-पूरे समुदाय अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं और दक्षिणी लेबनान में घरों और नागरिक ढांचे को बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है। दस लाख से ज्यादा लोग विस्थापित हुए हैं।'

उन्होंने यह भी बताया कि अब तक सात यूएन शांति सैनिकों की मौत हो चुकी है, जिनमें एक पिछले हफ्ते मारा गया था।

अल नीनो की आहट के बीच श्रीलंका ने किसानों को सलाह, पानी का सावधानी से करें इस्तेमाल

कोलंबो। अल नीनो से पड़ने वाले दुष्प्रभाव की आशंका के चलते श्रीलंका ने किसानों को पानी का उपयोग बेहद सावधानी से करने की सलाह दी है। देश के कृषि विभाग ने चेतावनी दी है कि आने वाले महीनों में वर्षा में कमी और सूखे जैसी परिस्थितियां पैदा हो सकती हैं।

कृषि मंत्रालय के महानिदेशक तुषारा विक्रमाराच्ची ने किसानों से एहतियात के तौर पर कम अवधि में तैयार होने वाली फसल की खेती करने का आग्रह किया है।

उन्होंने कहा कि किसानों को याला कृषि मौसम के दौरान खेती को लेकर घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन जल संसाधनों का सोच-समझकर उपयोग करना चाहिए और कृषि अधिकारियों के दिशा-निर्देशों का पालन करना चाहिए।

कृषि विभाग ने बताया कि वह मौसम की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और परिस्थितियों में बदलाव होने पर किसानों को आवश्यक सलाह दी जाएगी।

इससे पहले बुधवार को मौसम विज्ञान विभाग के कार्यवाहक महानिदेशक अजीत विजेमन्ना ने कहा था कि यदि अल नीनो विकसित होता है, तो जुलाई और अगस्त में श्रीलंका में सामान्य से काफी कम वर्षा हो सकती है, जिससे सूखे का खतरा बढ़ जाएगा।

उन्होंने चेतावनी दी कि कम बारिश का असर कृषि, सिंचाई, पेयजल आपूर्ति, ऊर्जा उत्पादन और जनस्वास्थ्य पर पड़ सकता है। उनके अनुसार, यदि इस वर्ष अल नीनो की स्थिति बनती है, तो इसका प्रभाव फरवरी 2027 तक बना रह सकता है।

वहीं, विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने कहा है कि जून से अगस्त के बीच अल नीनो बनने की आशंका 80 प्रतिशत है, जबकि इसके बाद यह 90 प्रतिशत तक

ईरान ने अमेरिकी एफ-35, एफ-15 और एफ-16 विमानों के ठिकानों पर किया हमला

नई दिल्ली। ईरान की एक शक्तिशाली सैन्य और सुरक्षा संस्था इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि उसने 12 बैलिस्टिक मिसाइलों से किए जवाबी हमले में अमेरिकी सैन्य ठिकानों और उसके लड़ाकू विमानों को निशाना बनाया। आईआरजीसी का कहना है कि इस कार्रवाई में कई महत्वपूर्ण ठिकानों को नुकसान पहुंचाया गया।

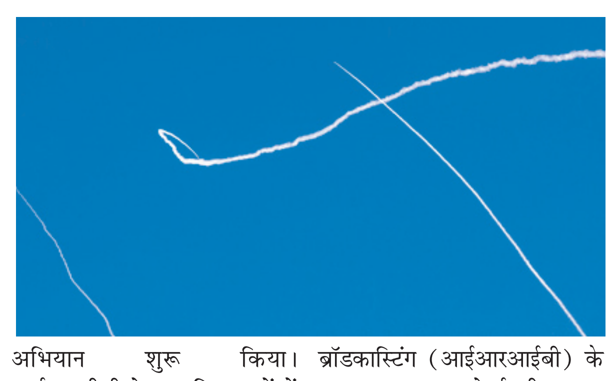

इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) की रिपोर्ट के अनुसार, आईआरजीसी ने दावा किया है कि उसने हालिया हमले के जवाब में अमेरिकी एफ-35, एफ-15 और एफ-16 लड़ाकू विमानों की तैनाती वाली जगहों को निशाना बनाया है। यह जानकारी गुरुवार को आईआरजीसी के जनसंपर्क विभाग की ओर से जारी एक बयान में दी गई। आईआरजीसी की एयरोस्पेस फोर्स ने गुरुवार तड़के 12 बैलिस्टिक मिसाइलों के साथ यह अभियान शुरू किया। आईआरजीसी ने कहा कि हमलों में अमेरिकी एफ-35, एफ-15 और एफ-16 लड़ाकू विमानों की तैनाती वाले ठिकानों के साथ-साथ अल-अजराक एयर बेस (जॉर्डन) और वहां स्थित अमेरिकी सेना के महत्वपूर्ण नियंत्रण केंद्रों को निशाना बनाया गया। बयान में कहा गया कि मिसाइल हमलों में इन सुविधाओं को पूरी तरह नष्ट कर दिया गया और बड़ी संख्या में अमेरिकी लड़ाकू विमान भी तबाह हो गए। इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग (आईआरआईबी) के अनुसार, गुरुवार को ईरानी सशस्त्र बलों ने पांच सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने का दावा किया। इनमें मुवाफक अल-साल्टी एयर बेस (जॉर्डन), अहमद अल-जाबेर एयर बेस (कुवैत), अली अल-सालेम एयर बेस (कुवैत), अमेरिकी 5वें बेड़े का मुख्यालय (बहरीन) और शेख ईसा एयर बेस (बहरीन) शामिलल हैं। आईआरजीसी के मुताबिक, ये हमले अमेरिका के बुधवार शाम किए गए हमलों के जवाब में किए गए।

महंगाई और वेतन असमानता के खिलाफ बलूचिस्तान में कर्मचारियों का आंदोलन

क्वेटा। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में विभिन्न सरकारी कर्मचारी संगठनों और ट्रेड यूनियनों के महागठबंधन ने मांगों और कर्मचारियों के खिलाफ सरकार की कार्रवाई के विरोध में दो दिन के प्रदर्शन और धरना शिविरों की घोषणा की है।

पाकिस्तान के प्रमुख अखबार 'डॉन' की रिपोर्ट के अनुसार, गठबंधन के आयोजक अब्दुल कुद्दूस काकर ने बताया कि बलूचिस्तान में विरोध प्रदर्शन गुरुवार से शुरू हो गया, जबकि 15 जून को धरना दिया जाएगा। उन्होंने कर्मचारियों और आम लोगों की समस्याओं को हल करने में सरकार की 'नाकामी' की आलोचना की। गठबंधन ने महंगाई के अनुसार न्यूनतम वेतन बढ़ाने की मांग की है। साथ ही, संघीय और प्रांतीय कर्मचारियों के बीच वेतन में मौजूद असमानता खत्म करने की भी मांग की है। उनका कहना है कि एक ही ग्रेड के कर्मचारियों को समान वेतन और सुविधाएं मिलनी चाहिए। इससे पहले दो जून को ऑल गवर्नमेंट एम्प्लॉइज ग्रैंड अलायंस (एजीईजीए) पंजाब के नेताओं ने कहा था कि पाकिस्तान में लगातार बढ़ती महंगाई के कारण सरकारी कर्मचारियों की खरीदने की क्षमता काफी कम हो गई है, जिससे सीमित आय में घर का खर्च चलाना मुश्किल हो गया है।

दक्षिणी लेबनान में इजरायली हमलों में 18 लोगों की मौत, कई घायल

बेरूत। इजरायल और लेबनान के बीच जारी सीमा पर संघर्ष में दक्षिणी लेबनान में कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई है और कई अन्य घायल हुए हैं। यह जानकारी नागरिक सुरक्षा और स्वास्थ्य अधिकारियों ने दी है।

सिन्हुआ ने लेबनान की नेशनल न्यूज एजेंसी का हवाला देते हुए बताया, सबसे घातक हमला टायर डेबबा शहर कस्बे में हुआ, जहां शुरुआती रिपोर्ट के मुताबिक नौ लोगों की मौत हुई और सात अन्य घायल हो गए। हिज्बुल्लाह ने बुधवार (स्थानीय समयानुसार) कहा कि उसने दक्षिणी लेबनान के कंतारा और बयादा इलाकों में इजरायली सैनिकों और सैन्य वाहनों को निशाना बनाया।

वहीं, इजरायली सेना ने बुधवार को कहा कि उसने पिछले 24 घंटों में टायर और दक्षिणी लेबनान के अन्य इलाकों में हिज्बुल्लाह के ठिकानों पर हमला किया और उसके कई लड़ाकों को मार गिराया। सेना ने यह भी पुष्टि की कि हिज्बुल्लाह ने दक्षिणी लेबनान में मौजूद इजरायली सैनिकों की ओर एक ड्रोन भेजा था, जिसे बीच में ही रोक दिया गया। एक बयान में लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन ने बुधवार को कहा कि वह 'अंत तक' बातचीत जारी रखेंगे और उनका मानना है कि कूटनीति ही लेबनान की संप्रभुता बहाल करने का सबसे अच्छा रास्ता है। राष्ट्रपति के बयान के अनुसार उन्होंने कहा, 'युद्ध से किसी को कोई फायदा नहीं होता, सिर्फ सभी को नुकसान उठाना पड़ता है।' उन्होंने इजरायली हमलों को रोकने, इजरायली सेना की वापसी और लेबनान के आंतरिक मामलों में विदेशी दखलअंदाजी खत्म करने की मांग की। इसी बीच, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को लेबनान की जनता के नाम एक वीडियो संदेश जारी किया और उनसे हिज्बुल्लाह के खिलाफ इजरायल का साथ देने की अपील की।

उन्होंने दावा किया कि इजरायल अब तक लगभग 10,000 हिज्बुल्लाह लड़ाकों को मार चुका है। उन्होंने कहा, 'वे कहीं भी हों, हम उन्हें ढूंढ लेंगे।' ये घटनाक्रम उस संक्षिप्त इजरायल-ईरान तनाव के बाद सामने आए हैं, जिसकी शुरुआत रविवार को बेरूत पर इजरायली हवाई हमलों से हुई थी। हालांकि अप्रैल के मध्य में इजरायल और लेबनान के बीच युद्धविराम हो गया था।

टीएमसी को एक और झटका, तीसरे राज्यसभा सांसद प्रकाश चिक बड़ाईक ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को एक और झटका लगा है। पार्टी के राज्यसभा सांसद प्रकाश चिक बड़ाईक ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है।

बड़ाईक ने राज्यसभा के सभापति को अपना इस्तीफा भेज दिया है। राज्यसभा के सभापति को भेजे गए अपने इस्तीफा पत्र में प्रकाश चिक बड़ाईक ने लिखा कि वह राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे रहे हैं और इसे तत्काल प्रभाव से स्वीकार किया जाए। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान मिले सहयोग के लिए सभापति, उपसभापति तथा राज्यसभा सचिवालय के अधिकारियों के प्रति आभार भी व्यक्त किया।

उन्होंने आगे लिखा, 'राज्यसभा सदस्य के तौर पर अपने कार्यकाल के दौरान मिली हर तरह की मदद और सहयोग के लिए मैं सभापति, उप-सभापति और राज्यसभा सचिवालय के सभी अधिकारियों का तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूं।'

प्रकाश चिक बड़ाईक पश्चिम बंगाल से राज्यसभा सांसद थे और तृणमूल कांग्रेस के महत्वपूर्ण नेताओं में गिने जाते थे। उनके इस्तीफे को पार्टी के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है, खासकर ऐसे समय में जब संगठनात्मक स्तर पर कई बदलाव और राजनीतिक चुनौतियां सामने हैं।

इससे पहले टीएमसी के दो राज्यसभा सांसद सुखेंदु शेखर रॉय और सुष्मिता देव राज्यसभा से इस्तीफा दे चुके हैं। प्रकाश चिक बड़ाईक के इस्तीफे के बाद टीएमसी के राज्यसभा में 10 सांसद रह जाएंगे।

बता दें कि तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सदस्य सुष्मिता देव ने बुधवार को उच्च सदन की सदस्यता के साथ पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से भी इस्तीफा दे दिया है। इस्तीफे के बाद उन्होंने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा से मुलाकात की, जिसके बाद उनके भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने की अटकलें तेज हो गई हैं।

इससे पहले 8 जून को तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुखेंदु शेखर रॉय ने राज्यसभा सदस्यता और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने कहा था कि उनका यह निर्णय पश्चिम बंगाल में हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों और जनता के जनादेश को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

मणिपुर में छह नागा की हत्या के विरोध में दिखा बंद का असर

कई इलाकों में जनजीवन प्रभावित

इंफाल। छह नागा नागरिकों की हत्या के विरोध में यूनाइटेड नागा काउंसिल (यूएनसी) द्वारा बुलाए गए 24 घंटे के पूर्ण बंद के कारण गुरुवार को मणिपुर के नागा-बहुल इलाकों में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ।

मणिपुर में नागा समुदाय की मुख्य संस्था यूएनसी ने 11 जून की सुबह 6 बजे से 12 जून की सुबह 6 बजे तक शटडाउन (बंद) का आह्वान किया। यह विरोध प्रदर्शन 13 मई को अलग-अलग आदिवासी समुदायों के हथियारबंद समूहों द्वारा अगवा किए गए छह ग्रामीणों की हत्या के खिलाफ था।

उनके क्षत-विक्षत शव बुधवार को कांगपोकपी जिले के सैतू-गाम्फाजोल सब-डिविजन में खराम वैफेई गांव के पास एक जंगली इलाके से बरामद किए गए। यह गांव मुख्य रूप से कुकी-जो आदिवासी समुदाय का इलाका है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पूरे दिन दुकानें और बाजार बंद रहे, जबकि सरकारी और निजी कार्यालय, शिक्षण संस्थान और वित्तीय संस्थान भी बंद रहे। शटडाउन के कारण इलाके में रोजमर्रा की गतिविधियां प्रभावित हुईं और निजी वाहन व यात्री परिवहन सेवाएं सड़कों से नदारद रहीं। यूएनसी ने नागरिकों से शांतिपूर्ण ढंग से शटडाउन का पालन करने और पीड़ितों व उनके परिवारों को न्याय मिलने तक नागा समुदाय के साथ एकजुटता दिखाने की अपील की। आदिवासी संस्था ने यह भी घोषणा की कि जब तक उनकी चार सूत्रीय मांगों पर कार्रवाई नहीं होती और मणिपुर सरकार व केंद्र सरकार द्वारा न्याय सुनिश्चित नहीं किया जाता, तब तक वे छह नागा बंधकों के शव स्वीकार नहीं करेंगे।

संक्षिप्त खबर

फारूक अब्दुल्ला ने पीओके में हिंसा पर पाकिस्तान पर साधा निशाना, यूएन से जांच की अपील

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने गुरुवार को पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में हो रही हिंसा और प्रदर्शनों पर तीखा हमला बोला है।

फारूक अब्दुल्ला ने विरोध-प्रदर्शनों और हिंसक झड़पों पर चिंता जताते हुए कहा कि वहां की स्थिति बेहद गंभीर है और पूरी जानकारी अभी स्पष्ट नहीं है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से मानवाधिकारों की स्थिति पर ध्यान देने की मांग की। उन्होंने श्रीनगर में पत्रकारों से बातचीत में कहा, 'पीओके कठिन स्थिति से गुजर रहा है और वहां लोगों पर जुल्म हो रहा है। जो हिस्सा पाकिस्तान के पास है, वहां आज जुल्म हो रहा है। वहां कई लोग शहीद हो चुके हैं।' उन्होंने पूरे मामले की सच्चाई जानने के लिए संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद से अपील की। उन्होंने कहा कि यूएन की टीम को वहां का दौरा करना चाहिए और खुद जमीनी हालात देखने चाहिए कि वहां के लोगों को किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। राज्य का दर्जा बहाल किए जाने के सवाल पर फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में स्थिरता तभी आएगी, जब भारत के साथ विलय की शर्तों की समीक्षा की जाएगी और कश्मीरियों का सम्मान बहाल किया जाएगा। उन्होंने कहा स्थिति स्थिर नहीं है।

गुजरात ट्रैफिक नियम तोड़ने पर1.88 लाख से अधिक लोगों पर कार्रवाई, 5123 सरकारी कर्मचारियों पर भी एक्शन

गांधीनगर। गुजरात में मई में हेलमेट को लेकर चलाए गए अभियान के दौरान 1.88 लाख से अधिक वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई और करीब 5.21 करोड़ रुपए का जुर्माना वसूला गया। यह विशेष 'हेलमेट ड्राइव' 1 मई से 31 मई तक राज्य के सभी हिस्सों में उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी के निर्देश पर चलाया गया था। इसका उद्देश्य सड़क सुरक्षा को बढ़ाना, सड़क हादसों में होने वाली मौतों को कम करना और ट्रैफिक नियमों का पालन सुनिश्चित करना था। इस अभियान का एक महत्वपूर्ण पहलू सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ भी की गई कार्रवाई रही। ट्रैफिक पुलिस को सरकारी दफ्तरों के प्रवेश द्वारों पर तैनात किया गया था, जिसके दौरान हेलमेट नियमों का उल्लंघन करने वाले 5,123 सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों पर कार्रवाई की गई। इन कर्मचारियों और अधिकारियों से कुल 16.58 लाख रुपए का जुर्माना वसूला गया। पुलिस महानिदेशक जी.एस. मलिक ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य जुर्माना वसूलना नहीं, बल्कि सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि गुजरात पुलिस का लक्ष्य हर नागरिक की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। वाहन चालकों और पीछे बैठने वालों को हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग सिर्फ पुलिस के डर या जुर्माने से बचने के लिए नहीं, बल्कि अपने परिवार की सुरक्षा के लिए करना चाहिए। डीजीपी ने कहा कि सड़क सुरक्षा सभी की साझा जिम्मेदारी है और लोगों से ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन करने की अपील की। उन्होंने यह भी बताया कि कई सड़क हादसों की जांच में यह पाया गया है कि हेलमेट पहनने से गंभीर दुर्घटनाओं में भी लोगों की जान बच गई।

नोएडा में ई-बस सेवा का सीएम योगी करेंगे शुभारंभ, 20 से 50 रुपए तक किराया

नोएडा। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को आधुनिक और पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में ई-बस सेवा की शुरुआत होने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को इन बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

कार्यक्रम का आयोजन सेक्टर-33ए स्थित शिल्प हाट में किया जाएगा, जिसकी तैयारियां तेजी से पूरी की जा रही हैं। बताया गया है कि उद्घाटन समारोह में करीब 300 लोगों के शामिल होने की संभावना है। इस अवसर पर 10 इलेक्ट्रिक बसें शिल्प हाट परिसर में मौजूद रहेंगी, जबकि अन्य बसें सेक्टर-90 स्थित बस डिपो से अपने निर्धारित मार्गों पर संचालन शुरू करेंगी।

पहले चरण में नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण अपने-अपने क्षेत्रों में 10-10 बसों का संचालन शुरू करेंगे। नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ वंदना त्रिपाठी के अनुसार तीनों प्राधिकरणों ने अपने-अपने क्षेत्रों में बसों के संचालन के लिए विस्तृत रूट प्लान तैयार कर लिया है। फिलहाल चार प्रमुख रूटों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इन बसों का न्यूनतम किराया 20 रुपए और अधिकतम किराया 50 रुपए निर्धारित किया गया है, जिससे यात्रियों को किफायती और सुविधाजनक यात्रा का विकल्प मिलेगा।

ई-बस सेवा का प्रमुख उद्देश्य आगामी जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को नोएडा, ग्रेटर नोएडा और आसपास के क्षेत्रों से बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करना है। कई रूट सीधे एयरपोर्ट तक जाएंगे, जबकि कुछ बसें बॉटनिकल गार्डन, सेक्टर-62, ग्रेटर नोएडा वेस्ट, सूरजपुर और परी चौक जैसे महत्वपूर्ण स्थानों को जोड़ेंगी। इसके अलावा, यात्रियों को सराय काले खां, आनंद विहार, गाजियाबाद और आईएसबीटी तक भी कनेक्टिविटी उपलब्ध कराई जाएगी।

केमिकल गोदाम में भीषण आग, घंटों की मशक्कत के बाद काबू

गाजियाबाद। गाजियाबाद के नंदग्राम क्षेत्र के आदर्श नगर स्थित एक केमिकल गोदाम में गुरुवार दोपहर भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी भयावह थी कि दूर-दूर तक काले धुएं का गुबार और ऊंची-ऊंची लपटें दिखाई देने लगीं।

सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई टीमें मौके पर पहुंचीं और घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। जानकारी के अनुसार, 11 जून को दोपहर करीब 2:05 बजे फायर स्टेशन कोतवाली को सूचना मिली कि खसरा नंबर-159, आदर्श नगर, नंदग्राम स्थित आरएनजी ट्रेडिंग कंपनी के केमिकल गोदाम में आग लग गई है। सूचना मिलते ही अग्निशमन अधिकारी कोतवाली चार फायर टेंडरों के साथ तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुए। मौके पर पहुंचने पर दमकल कर्मियों ने देखा कि गोदाम से घना काला धुआं निकल रहा था और आग तेजी से फैल रही थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मुख्य अग्निशमन अधिकारी के निर्देश पर फायर स्टेशन वैशाली से दो वाटर ब्राउज़र और एक अतिरिक्त फायर टेंडर तथा फायर स्टेशन साहिबाबाद से भी दमकल वाहन बुलाए गए। कुल सात दमकल गाड़ियों को आग बुझाने के अभियान में लगाया गया। केमिकल सामग्री होने के कारण आग तेजी से फैल रही थी और धुएं की अधिकता के चलते दमकल कर्मियों को आग बुझाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद फायर सर्विस के जवानों ने विशेष सुरक्षा उपकरण बीए (ब्रीदिंग अपरेटस) सेट पहनकर अंदर पहुंचने का साहसिक प्रयास किया।

मोदी सरकार के 12 साल पर संजय राउत का हमला, चुनावी प्रक्रिया पर उठाए सवाल

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 साल के कार्यकाल पर शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने तीखा हमला बोला है। उन्होंने पंडित जवाहरलाल नेहरू की तुलना पीएम मोदी से किए जाने का विरोध करते हुए कहा कि नेहरू एक महान स्वतंत्रता सेनानी थे और उनके योगदान की तुलना किसी से नहीं की जा सकती। साथ ही उन्होंने चुनाव आयोग, सुप्रीम कोर्ट और चुनावी प्रक्रिया को लेकर भी सवाल उठाए।

शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा कि पंडित नेहरू के कार्यकाल से किसी की तुलना नहीं की जा सकती। वह एक महान स्वतंत्रता सेनानी थे, उन्होंने देश के लिए बहुत त्याग किया है। संजय राउत ने कहा कि पंडित नेहरू 16 साल तक प्रधानमंत्री रहे। 15 अगस्त 1947 से वह देश के प्रधानमंत्री थे, लेकिन भाजपा और मोदी जी इसे मानने को तैयार नहीं हैं क्योंकि उनका कहना है कि वह निर्वाचित प्रधानमंत्री नहीं थे। उनके मंत्रिमंडल में बाबा साहेब आंबेडकर, सरदार वल्लभभाई पटेल सहित कई बड़े नेता शामिल थे। ऐसे में इसका मतलब यही हुआ कि आप सरदार वल्लभभाई पटेल को देश का पहला गृह मंत्री और बाबा साहेब आंबेडकर को पहला कानून मंत्री मानने से इनकार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2014 में नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री जरूर चुने गए, लेकिन वह 2019 तक ही निर्वाचित प्रधानमंत्री थे। उसके बाद जो भी चुनाव हुए, उन्हें हाईजैक किया गया। चुनाव आयोग को हाईजैक कर और सुप्रीम कोर्ट पर दबाव डालकर वह दो बार और प्रधानमंत्री बन गए। हम उन्हें 2019 के बाद निर्वाचित प्रधानमंत्री नहीं मानते। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा कि नामांकन के समय प्रधानमंत्री ने अपनी कई बातें छिपाई थीं, लेकिन मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द कर दिया गया। ये लोग डकैती करके चुनाव जीतते हैं और खुद को निर्वाचित प्रधानमंत्री कहते हैं। उनकी तुलना नेहरू से नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी का मामला चार साल से सुप्रीम कोर्ट में पड़ा हुआ है। सुनवाई नहीं हो पा रही है।

होर्मुज के पास जहाज पर हमले में हमीरपुर के डेक कैडेट आदित्य शर्मा की मौत

हमीरपुर। होर्मुज के पास पालाउ-ध्वज वाले वाणिज्यिक जहाज पर हुए हमले में तीन भारतीय नाविकों की मौत हो गई है। इस हमले में 21 नाविकों को सुरक्षित बचा लिया गया था, जबकि तीन लापता बताए जा रहे थे। अब इन तीनों भारतीय नाविकों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। मृतकों में एक हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर का रहने वाला था, जिसके परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

परिजनों का कहना है कि आदित्य शर्मा डेक कैडेट थे और हाल ही में उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की थी। जब जहाज पर हमले और तीन क्रू के लापता होने की खबर मिली, तो वे जल्द अपडेट के लिए कंपनी से संपर्क करने लगे। कंपनी से बातचीत चल रही थी, लेकिन कोई भी अपडेट नहीं मिल पा रहा था। अब उनकी मृत्यु की खबर सामने आई है।

आदित्य शर्मा की मौत की खबर सुनकर परिवार में दुख का पहाड़ टूट पड़ा। वह इकलौता बेटा था। परिजन अब सरकार से मांग कर रहे हैं कि शव को जल्द से जल्द भारत लाने की व्यवस्था की जाए। मृतक आदित्य के चाचा ने कहा कि उन्हें कल ही उनके लापता होने की जानकारी उनके भाई ने दी थी। वे तुरंत उनके पास पहुंचे। कंपनी से बातचीत शुरू की, लेकिन कोई अपडेट नहीं मिल पाया। वह 24 मई को वापस आने वाले थे, लेकिन उन्होंने एक महीने के लिए कॉन्ट्रैक्ट बढ़ाया था। उन्हें खबर के जरिए उनकी मौत की जानकारी मिली।

उन्होंने कहा कि वे कोशिश कर रहे हैं कि जल्द से जल्द शव वापस लाया जाए। वह अपने भाई का इकलौता बेटा था। उसकी उम्र लगभग 22 से 23 साल थी। कुछ दिन पहले ही उनकी ग्रुप कॉल पर बातचीत हुई थी। उन्होंने सांसद, मुख्यमंत्री, विदेश मंत्री और शिपिंग मंत्रालय से मांग की है कि शव को जल्द से जल्द वापस लाया जाए।

नेहरू और पीएम मोदी की तुलना अनुचित दोनों में जमीन-आसमान का अंतर : कांग्रेस

मुंबई। कांग्रेस नेता नसीम खान ने जवाहरलाल नेहरू की तुलना पीएम मोदी से किए जाने को लेकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और पीएम नरेंद्र मोदी के बीच जमीन-आसमान का अंतर है। मैं उनके बारे में कोई जुमला इस्तेमाल नहीं करना चाहता, लेकिन नेहरू ने आजादी के बाद इस देश को खड़ा किया। दुनिया के नक्शे पर भारत की पहचान बनाने का काम यदि किसी ने किया है तो वह पंडित जवाहरलाल नेहरू हैं। उन्होंने देश के लिए अपना सब कुछ समर्पित कर दिया। ऐसे पंडित जवाहरलाल नेहरू के बारे में जिस तरह से भाजपा बात कर रही है, वह बहुत ही अनुचित है। उन्होंने कहा, 'भाजपा के पास न कोई नीति है, न देश चलाने की क्षमता रखने वाला कोई नेता है और न ही कोई ठोस सोच है। इसी कारण उनकी नीतियों से देश बर्बादी की राह पर जा रहा है। हम लोग शुरू से ही इसका विरोध कर रहे हैं।' उनका कहना है कि भाजपा और मोदी सरकार अधिकारियों पर दबाव डालकर उनसे अपने कार्यकर्ताओं की तरह काम करवा रही है।

चुनाव आयोग के निर्णयों में भी यह स्पष्ट दिखाई देता है। जहां शिकायतें सही थीं, वहां निर्णय गलत लिए गए और जहां गलतियां थीं, वहां उन्हें पास किया गया। इससे लगता है कि अधिकारी भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं की तरह काम कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय जनता पार्टी अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए हिंदू-मुस्लिम और भारत-पाकिस्तान जैसे मुद्दे उठाती है।

डीपफेक वीडियो और नकली पहचान से हो सकती है बड़ी ठगी

साइबर फ्रॉड को लेकर सरकार ने जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने देश की जनता के लिए साइबर फ्रॉड को लेकर एक एडवाइजरी जारी की है। एडवाइजरी के मुताबिक, साइबर अपराधी एआई का इस्तेमाल करके असली लगने वाले डीपफेक वीडियो और नकली पहचान (सिंथेटिक आइडेंटिटी) बना बनाकर धोखाधड़ी कर सकते हैं।

एडवाइजरी में कहा गया है कि साइबर अपराधी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल करके सिक्योरिटी सिस्टम को बायपास कर सकते हैं और फाइनेंशियल इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बना सकते हैं। सरकार ने एडवाइजरी में साइबर अपराधियों के काम करने के तरीकों के बारे में भी जानकारी दी है। एडवाइजरी में कहा गया है, 'साइबर अपराधी अब असली लगने वाले डीपफेक वीडियो और नकली पहचान (सिंथेटिक आइडेंटिटी) बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल कर रहे हैं। इन तकनीकों का इस्तेमाल फेशियल ऑथेंटिकेशन, लाइवनेस वेरिफिकेशन, वीडियो-केवाईसी, अकाउंट रिकवरी और फाइनेंशियल व डिजिटल सेवाओं तक अनधिकृत पहुंच (बिना इजाजत एक्सेस) पाने के लिए किया जा सकता है।'

एडवाइजरी में बताया गया है कि धोखाधड़ी करने वाले आमतौर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, जॉब पोर्टल, डेटिंग प्लेटफॉर्म या फोन कॉल के जरिए संपर्क करते हैं। वे पीड़ितों का फेशियल डेटा इकट्ठा करते हैं, जिसके लिए वे कभी-कभी उन्हें कैमरे के सामने पलक झपकाने, सिर घुमाने या बोलने जैसी आसान हरकतें करने के लिए मना लेते हैं। साइबर फ्रॉड से बचने के लिए सरकार ने कुछ सुरक्षा उपाय भी साझा किए हैं। सरकार ने फिनटेक कंपनियों समेत फाइनेंशियल संस्थानों को डीपफेक का पता लगाने वाले सिस्टम को मजबूत करने और कस्टमर ऑनबोर्डिंग सिस्टम को बेहतर बनाने की सलाह दी है।

अमेरिका में एआई पर चल रही बहस को प्रभावित करने के लिए चैटजीपीटी का इस्तेमाल कर रहा चीन: रिपोर्ट

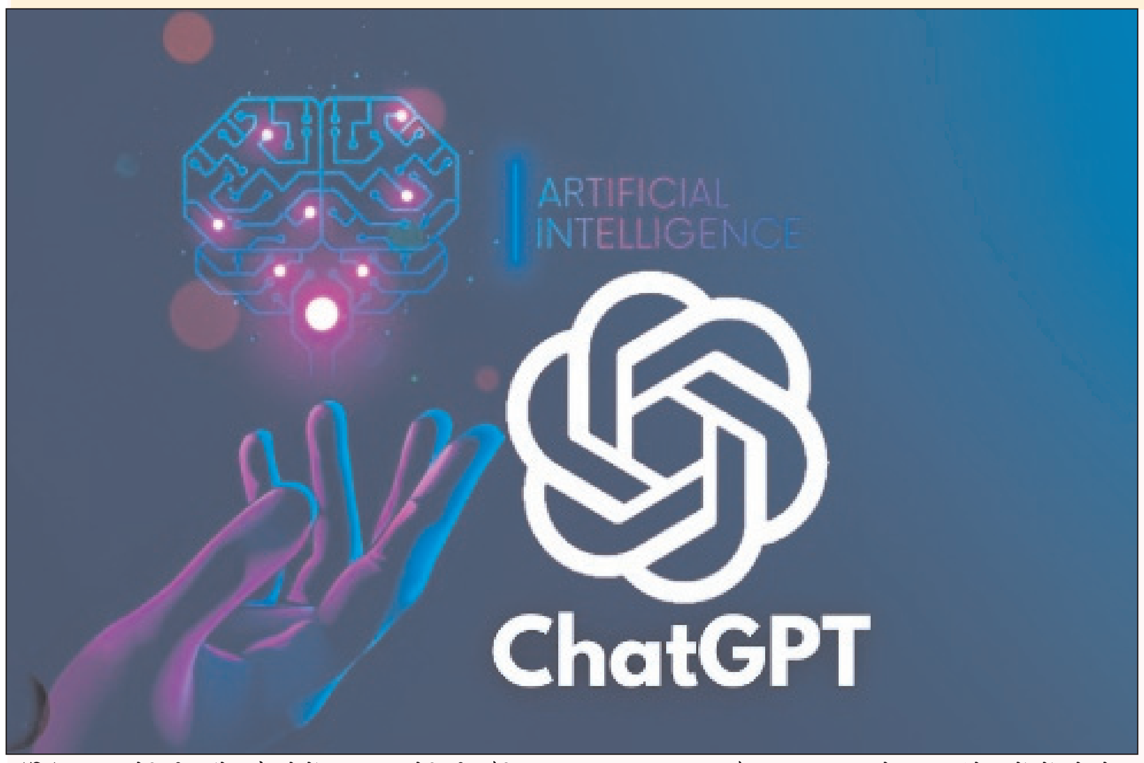

वॉशिंगटन। अमेरिकी कांग्रेस के दोनों प्रमुख दलों के एक वरिष्ठ नेता की ओर से चीन पर अमेरिका की खुली राजनीतिक व्यवस्था का फायदा उठाने की कोशिश करने का आरोप लगाया गया है।

यह आरोप ओपनएआई के खुलासे के बाद लगाया गया है, जिसमें बताया गया है कि चीन से जुड़े कुछ लोगों ने अमेरिका में चल रही बहसों को प्रभावित करने के लिए चैटजीपीटी का इस्तेमाल किया। इस मामले में अमेरिकी नेता का कहना है कि इन लोगों ने अमेरिकी टैरिफ (आयात शुल्क) और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़े बुनियादी ढांचे के तेजी से विस्तार जैसे मुद्दों पर जनमत को प्रभावित करने के लिए सामग्री तैयार की।

'हाउस सेलेक्ट कमिटी ऑन द चाइनीज कम्युनिस्ट पार्टी' के चेयरमैन और अमेरिकी प्रतिनिधि जॉन मूलनार ने यह आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि चीनी सरकार अमेरिका में आम लोगों के बीच हो रही वैध चर्चाओं में हस्तक्षेप करने की कोशिश कर रही थी।

मूलनार ने कहा, 'डेटा सेंटरों को लेकर जायज सवाल हैं और अमेरिकी लोगों को इनके जवाब मिलने चाहिए क्योंकि कंपनियां हमारे देश के भविष्य के लिए जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर बना रही हैं। हम खुशकिस्मत हैं कि हम एक आजाद और खुले समाज में रहते हैं जहां हम इन विषयों पर बहस कर सकते हैं।

उन्होंने आगे कहा, 'दुर्भाग्य से, चीनी कम्युनिस्ट पार्टी हमारे खुलेपन का फायदा उठाती है और अपने 'यूनाइटेड फ्रंट' संगठनों और दूसरी संस्थाओं के जरिए अमेरिकियों को बांटने का काम करती है। उसके सरकारी मीडिया ने अंग्रेजी भाषा में ऐसे लेख छापे हैं, जिनमें साफ तौर पर डेटा सेंटर बनाने के मुद्दे पर अमेरिकियों को बांटने की कोशिश की गई है और चीन में कुछ लोग छिपे हुए तरीकों से ऐसा करने की कोशिश कर रहे हैं।'

ओपनएआई की जून 2026 की थ्रेट रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी ने चैटजीपीटी अकाउंट्स के दो समूहों पर प्रतिबंध लगा दिया। इन अकाउंट्स के बारे में आशंका थी कि उनका संचालन 'चीन से शुरू हुआ था'। इन अकाउंट्स का इस्तेमाल ऐसे गुप्त प्रभाव अभियानों के लिए किया गया, जिनका उद्देश्य अमेरिकी एआई नीति और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा से जुड़ी बहसों को प्रभावित करना था।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पहले ऑपरेशन, जिसे 'डेटा सेंटर बैंडवैगन कैंपेन' नाम दिया गया था, के तहत सोशल मीडिया पर ऐसे कमेंट्स और तस्वीरें पोस्ट की गईं, जिनमें दावा किया गया कि एआई डेटा सेंटरों की वजह से आम अमेरिकियों के लिए बिजली की कीमतें बढ़ रही हैं। ओपनएआई की ओर से कहा गया कि यह कंटेंट संभवत: नकली सोशल मीडिया अकाउंट्स के जरिए पोस्ट किया गया था और इसका मकसद एआई इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी बढ़ती ऊर्जा लागत के बारे में चिंताओं को बढ़ाना था।

दूसरे ऑपरेशन 'टेक एंड टैरिफ्स' के तहत ऐसे कमेंट्स और राजनीतिक कार्टून तैयार किए गए, जिनमें अमेरिकी टैरिफ की आलोचना की गई और वॉशिंगटन को टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में दबदबा बनाने की कोशिश करने वाले के तौर पर दिखाया गया।

आईएन-स्पेस ने टेक्नोलॉजी एडॉप्शन फंड के लिए तीन भारतीय अंतरिक्ष स्टार्टअप्स का किया चयन

नई दिल्ली। सरकारी एजेंसी इंडियन नेशनल स्पेस प्रमोशन एंड ऑथराइजेशन सेंटर (आईएन-स्पेस) ने गुरुवार को तीन भारतीय अंतरिक्ष स्टार्टअप्स — एस्ट्रोबेस स्पेस टेक्नोलॉजीज, सैटश्योर एनालिटिक्स इंडिया और टीएम2स्पेस टेक्नोलॉजीज — को अपने टेक्नोलॉजी एडॉप्शन फंड (टीएएफ) योजना के तहत वित्तीय सहायता के लिए चुना है।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, ये तीनों स्टार्टअप्स इस योजना के तहत वित्त पोषण प्राप्त करने के लिए भारतीय गैर-सरकारी अंतरिक्ष संस्थान (एनजीई) के पहले समूह के रूप में चुने गए हैं।

इन स्टार्टअप्स को ऐसी परिवर्तनकारी अंतरिक्ष तकनीकों के विकास के लिए वित्तीय सहायता दी जाएगी, जो भारत की स्वदेशी क्षमताओं को मजबूत करने और वैश्विक अंतरिक्ष क्षेत्र में उसकी प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने में मदद करेंगी।

बेंगलुरु स्थित अंतरिक्ष स्टार्टअप एस्ट्रोबेस स्पेस टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड को अंतरिक्ष प्रक्षेपण यानों के लिए 800 किलोन्यूटन क्षमता वाला उच्च-थ्रस्ट क्लोज्ड-साइकिल लिक्विड रॉकेट इंजन विकसित करने का जिम्मा मिला है।

यह पुन: उपयोग योग्य एलओएक्स-एलएनजी रॉकेट इंजन उच्च दक्षता और मॉड्यूलर संरचना के साथ मध्यम और भारी क्षमता वाले प्रक्षेपण यानों के लिए तैयार किया जाएगा। यह अगली पीढ़ी की लॉन्च प्रणालियों और कक्षीय चरणों के लिए एक व्यावसायिक प्रोपल्शन समाधान के रूप में काम करेगा।

वहीं, बेंगलुरु की स्पेस एनालिटिक्स कंपनी सैटश्योर एनालिटिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड 'धारिणी' नामक एक बड़े पृथ्वी अवलोकन मॉडल (एलओएम) का विकास करेगी।

इसे भारत के रिमोट सेंसिंग अनुप्रयोगों के लिए एक बुनियादी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मंच के रूप में तैयार किया जाएगा।

विभिन्न उपग्रह और हवाई डेटा सेट पर प्रशिक्षित यह मॉडल कृषि, बुनियादी ढांचे और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में उपयोगी जानकारियां उपलब्ध कराएगा, जिससे राष्ट्रीय स्तर पर डेटा-आधारित निर्णय लेने में मदद मिलेगी।

हैदराबाद स्थित टीएम2स्पेस टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड उपग्रहों के लिए स्वदेशी एआई-संचालित स्टार ट्रैकर प्रणाली विकसित करेगी।

यह प्रणाली उच्च-रिजॉल्यूशन इमेजिंग और संचार मिशनों के लिए आवश्यक सटीक दिशा-निर्धारण क्षमता प्रदान करेगी।

इस परियोजना के तहत छोटे उपग्रहों के लिए 'स्टारसेंस लाइट' और 50 किलोग्राम से अधिक वजन वाले उपग्रहों के लिए 'स्टारसेंस प्रो' विकसित किए जाएंगे, जिनमें उन्नत प्रकाशिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑनबोर्ड एल्गोरिद्म का उपयोग कर अत्यधिक सटीक दिशा निर्धारण क्षमता उपलब्ध कराई जाएगी।

इन स्टार्टअप्स का चयन एक कड़ी बहु-स्तरीय मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद किया गया।

बच्चों में दस्त की समस्या को न करें नजरअंदाज, सही देखभाल और उपचार से टल सकता है बड़ा खतरा

नई दिल्ली। दस्त बच्चों में होने वाली एक सामान्य लेकिन गंभीर स्वास्थ्य समस्या है, जो समय पर ध्यान न दिए जाने पर उनके स्वास्थ्य पर गंभीर असर डाल सकती है। हेल्थ एक्सपर्ट बताते हैं कि दस्त की रोकथाम और उपचार को लेकर जागरूक रहें और बच्चों की सेहत को सुरक्षित रखने के लिए जरूरी सावधानियां अपनाएं।

नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) लोगों से इस समस्या को नजरअंदाज न करने की अपील करते हुए बताता है कि दस्त के कारण बच्चों के शरीर में पानी और जरूरी पोषक तत्वों की कमी हो सकती है। इससे कमजोरी, निर्जलीकरण और कई अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। इसलिए दस्त को हल्के में लेने के बजाय समय रहते उचित उपचार और देखभाल करना बेहद जरूरी है।

एनएचएम ने बताया कि दस्त से बचाव के लिए तीन महत्वपूर्ण उपायों पर विशेष ध्यान देने की

आवश्यकता है। पहला, छह माह तक के शिशुओं को केवल मां का दूध दिया जाए। स्तनपान बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाता है और उन्हें कई प्रकार के संक्रमणों से बचाने में मदद करता है।

दूसरा, स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए। साफ-सफाई अपनाने से संक्रमण फैलने का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है। बच्चों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराना, हाथों की नियमित सफाई और सुरक्षित पेयजल का उपयोग दस्त की रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके साथ ही रोटावायरस और खसरा जैसे रोगों के खिलाफ समय पर टीकाकरण भी आवश्यक है। टीकाकरण बच्चों को गंभीर बीमारियों से सुरक्षा प्रदान करता है और उनके स्वस्थ विकास में सहायक होता है।

तीसरा, यदि बच्चे को दस्त हो जाए तो तत्काल उपचार शुरू किया जाए। विशेषज्ञों के अनुसार, दस्त के दौरान बच्चे को हर बार ओआरएस (ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन) का घोल पिलाना चाहिए ताकि शरीर में पानी और लवणों की कमी पूरी हो सके। इसके अलावा, चिकित्सीय सलाह के अनुसार 14 दिनों तक जिंक की गोली देना भी लाभकारी माना जाता है। जिंक दस्त की अवधि और उसकी गंभीरता को कम करने में मदद करता है।

एनएचएम ने बताया कि स्वच्छता, स्तनपान और नियमित टीकाकरण स्वस्थ बचपन की मजबूत नींव हैं।

यदि अभिभावक इन उपायों को अपनाएं और दस्त होने पर समय पर उपचार कराएं, तो बच्चों को इस गंभीर समस्या से सुरक्षित रखा जा सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि जागरूकता और समय पर देखभाल ही बच्चों को स्वस्थ और सुरक्षित रखने का सबसे प्रभावी माध्यम है।

बढ़ती उम्र में गिरने का खतरा सबसे ज्यादा, जानें इस जोखिम को कैसे कम करता है योगासन

नई दिल्ली। उम्र बढ़ने के साथ-साथ गिरने का खतरा सबसे ज्यादा हो जाता है। छोटी-सी असावधानी या कमजोर संतुलन बुजुर्गों को गंभीर चोट पहुंचा सकता है। ऐसी स्थिति में योगासन एक सुरक्षित और प्रभावी उपाय साबित हो रहा है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अनुसार, नियमित योगाभ्यास बुजुर्गों में गिरने के जोखिम को काफी हद तक कम कर सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी चेतावनी देता है कि गिरना बुजुर्गों में चोट और विकलांगता का प्रमुख कारण है। 60 साल से ज्यादा उम्र के लोगों में संतुलन बिगड़ना, मांसपेशियों में कमजोरी और जोड़ों की अकड़न आम समस्या बन जाती है। इन सबके कारण रोजमर्रा के कामों में भी दिक्कत होती है और गिरने की आशंका बढ़ जाती है।

रिसर्च बताती है कि योग इन समस्याओं का बेहतरीन समाधान है। नियमित योग से शरीर का संतुलन, तालमेल और शारीरिक गतिशीलता में उल्लेखनीय सुधार आता है। एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-एनालिसिस में 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों पर किए गए अध्ययनों का विश्लेषण किया गया। नतीजे चौंकाने वाले रहे। योग करने वाले बुजुर्गों में बैलेंस और मोबिलिटी दोनों ही बेहतर पाए गए, जिससे गिरने का खतरा साफ तौर पर कम हुआ।

आसान योगासन जैसे वृक्षासन, ताड़ासन, भुजंगासन और सेतु बंधासन पैरों, कमर और पीठ की मांसपेशियों को मजबूत बनाते हैं। ये आसन संतुलन की क्षमता बढ़ाते हैं और शरीर को स्थिर रखने में मदद करते हैं। साथ ही, योग से मन शांत रहता है, डर और घबराहट कम होती है, जिससे आत्मविश्वास बढ़ता है।

आयुष मंत्रालय के मुताबिक, योग सिर्फ शारीरिक फिटनेस ही नहीं बढ़ाता, बल्कि बुजुर्गों को स्वस्थ और सक्रिय जीवन जीने में भी सहायक है।

इबोला से बचाव के लिए युगांडा ने उठाए सख्त कदम, सीमावर्ती इलाकों में अलर्ट

कंपाला। इबोला संक्रमण के प्रसार की आशंका के चलते युगांडा ने अतिरिक्त एहतियाती कदमों की घोषणा की है। देश के स्वास्थ्य मंत्रालय ने सीमावर्ती जिलों में निगरानी बढ़ाने के साथ-साथ सार्वजनिक आयोजनों पर भी प्रतिबंध लगाए हैं।

बुधवार को राष्ट्रपति योवेरी मुसेवेनी के राष्ट्र के नाम संबोधन के बाद स्वास्थ्य मंत्री क्रिस बार्योमुंसी ने बताया कि वर्तमान इबोला प्रकोप के केंद्र डीआरसी से लगने वाले सभी जिलों को विशेष रोकथाम दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

सरकार ने शादी समारोहों, बाजार दिवसों और अन्य बड़े सार्वजनिक आयोजनों को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। वहीं स्कूलों को स्वास्थ्य मंत्रालय के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, पिछले पांच दिनों में युगांडा में इबोला का कोई नया मामला सामने नहीं आया है। अब तक देश में कुल 19

पुष्ट मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें दो लोगों की मौत हो चुकी है।

मंत्रालय की स्थायी सचिव डियाना एटवाइन ने बताया कि हालिया अध्ययन से संकेत मिले हैं कि लक्षण दिखाई देने के बाद इबोला वायरस रक्त की तुलना में लार, उल्टी और मल में अधिक मात्रा में पाया जाता है।

उन्होंने लोगों से कप, गिलास या अन्य पीने के बर्तनों को किसी और से शेयर न करने की अपील की। साथ ही कटे फल खाने से बचने की सलाह दी, क्योंकि यह पता लगाना मुश्किल होता है कि उन्हें किसी जानवर ने पहले छुआ या खाया है या नहीं।

उधर, डीआरसी में इबोला के मामलों की संख्या बढ़कर 635 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्री रोजर कांबा ने बताया कि 9 जून तक दर्ज आंकड़ों के अनुसार, प्रकोप अभी भी चुनौती बना हुआ है, लेकिन राहत और उपचार प्रयासों में प्रगति हो रही है।

उन्होंने कहा कि संक्रमित लोगों के संपर्क में आए व्यक्तियों की निगरानी का प्रतिशत बढ़कर 61.1 प्रतिशत हो गया है, जो एक दिन पहले 56.4 प्रतिशत था। स्वास्थ्य टीमें हर प्रभावित क्षेत्र और संभावित संक्रमण संकेतों पर लगातार नजर रख रही हैं।

कांबा ने आठ नए मरीजों के स्वस्थ होने की भी जानकारी दी।

केरल में निपाह वायरस का नया मामला, कोझिकोड में 43 वर्षीय व्यक्ति संक्रमित, स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

कोझिकोड । केरल के कोझिकोड में फारूक के रहने वाले एक 43 वर्षीय व्यक्ति में निपाह वायरस की पुष्टि हुई है, जिससे नई चिंताएं पैदा हो गई हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने आपातकालीन रोकथाम के उपाय शुरू कर दिए हैं।

निपाह जैसे लक्षण दिखने के बाद इलाज करा रहे मरीज को कोझिकोड मेडिकल कॉलेज अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया है।

मेडिकल कॉलेज की लैब में हुई जांच में संक्रमण का पता चला, जिसके बाद मरीज को आधी रात के आसपास खास आइसोलेशन सुविधा में ले जाया गया। अंतिम पुष्टि के लिए उनके सैंपल नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (एनआईवी) पुणे भेजे गए हैं।

पुरानी इमारतों की सफाई का काम करने वाले इस मरीज को शक है कि फारूक में चमगादड़ों की भारी मौजूदगी वाली एक इमारत में सफाई का काम करते समय वह वायरस की चपेट में आया होगा।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना ??है कि चमगादड़ की बीट या दूषित चीजों के संपर्क में आने से यह संक्रमण हो सकता है।

बीमारी की पहचान में देरी से चिंता बढ़ने के बाद इस मामले ने बड़े पैमाने पर कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग (संपर्क में आए लोगों का पता लगाने) की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

मरीज शुरू में तेज बुखार के साथ डॉक्टरों के पास गया था, लेकिन बाद में उसमें भ्रम और व्यवहार में बदलाव जैसे गंभीर लक्षण दिखे।

बार-बार हिचकी आने की वजह है डायफ्राम की समस्या, जानें राहत पाने के घरेलू उपाय

नई दिल्ली। हिचकी एक ऐसी समस्या है जो लगभग हर व्यक्ति ने कभी न कभी जरूर महसूस की होगी। कई बार खाना खाते समय या अचानक हंसने-रोने जैसी स्थिति में हिचकी शुरू हो जाती है। आमतौर पर यह कुछ मिनटों में अपने आप बंद हो जाती है, लेकिन कभी-कभी यह लंबे समय तक बनी रहती है और व्यक्ति को असहज कर देती है।

मेडिकल विशेषज्ञों के अनुसार, हिचकी का संबंध शरीर की एक महत्वपूर्ण मांसपेशी डायफ्राम से होता है। डायफ्राम फेफड़ों के नीचे मौजूद एक मांसपेशी है, जो सांस लेने की प्रक्रिया में मदद करती है। जब यह मांसपेशी अचानक सिकुड़ जाती है, तो स्वर तंत्र के पास मौजूद रास्ता तुरंत बंद हो जाता है। इसी वजह से 'हिक' जैसी आवाज निकलती है, जिसे हम हिचकी कहते हैं। इसे रोकने के कई आसान घरेलू उपाय हैं।

विशेषज्ञ बताते हैं कि ठंडा पानी धीरे-धीरे पीना हिचकी रोकने का सबसे सरल तरीका है। जब ठंडा पानी गले से होकर नीचे जाता है, तो यह वहां मौजूद नसों को संकेत देता है। इससे दिमाग को नया संदेश मिलता है और हिचकी पैदा करने वाला अनियंत्रित चक्र टूट जाता है। खास बात यह है कि पानी को एक बार में गटकने की बजाय छोटे-छोटे घूंट में पीना अधिक लाभदायक माना जाता है। इससे गले और डायफ्राम के बीच तालमेल दोबारा सामान्य होने में मदद मिलती है।

'मैंने यही चाहा था': फीफा वर्ल्ड कप वॉर्म-अप में इंग्लैंड की कोस्टा रिका पर जीत से खुश ट्यूशेल

न्यूयॉर्क। इंग्लैंड के कोच थॉमस ट्यूशेल अपनी टीम से खुश हैं, क्योंकि उनकी टीम ने ऑरलैंडो में कोस्टा रिका को मात देकर फीफा वर्ल्ड कप 2026 की ओर एक और कदम बढ़ाया है।

ऑरलैंडो में भारी तूफान के कारण मैदान पर पानी भर जाने से मैच शुरू होने में एक घंटे की देरी हुई, जिसके बाद इंग्लैंड ने शनिवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ शानदार और आक्रामक खेल दिखाते हुए 3-0 से जीत हासिल की।

डेक्लान राइस के शुरुआती गोल ने 'थ्री लायंस' (इंग्लैंड टीम) को अच्छी शुरुआत दिलाई, जिसके बाद दूसरे हाफ में एंथनी गॉर्डन की पेनाल्टी और ओली वॉटकिंस के देर से किए गए हेडर ने जीत पक्की कर दी।

'सिन्हुआ' की रिपोर्ट के अनुसार, ट्यूशेल ने कहा, 'मैंने यही चाहा था, मैंने यही मांग की थी; मैंने मैच से पहले कहा था कि हम तीव्रता, प्रतिबद्धता और आपसी तालमेल के मामले में खेल को अगले स्तर पर ले जाना चाहते हैं। हमने ऐसा किया। हम गर्मी के हिसाब से ढलने की प्रक्रिया देख रहे हैं और चीजें सही दिशा में आगे बढ़ रही हैं, लेकिन आज हमने खिलाड़ियों से अगले कदम की उम्मीद की थी और उन्होंने वैसा ही किया। नतीजा तो अपने आप मिल जाता है, लेकिन हमने बहुत ऊंचे स्तर का खेल दिखाया।'

ट्यूशेल ने पहले कहा था कि इंग्लैंड ने साल 1966 के बाद से वर्ल्ड कप नहीं जीता है, इसलिए उन्हें टूर्नामेंट के लिए पसंदीदा टीमों में से एक नहीं माना जा सकता, लेकिन मैच के बाद उन्होंने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'काम करने की क्षमता और तीव्रता से हमें अच्छा महसूस होता है। हम विरोधी टीम पर हावी हो सकते हैं; साथ ही, हमारा मूवमेंट आगे की ओर होता है, न कि पीछे की ओर।'

इसके बाद उन्होंने खिलाड़ियों की तारीफ में कहा, 'मैं आज पहली बार खेल के केंद्र में हैरी (केन), इलियट (एंडरसन) और डेक्लान (राइस) के साथ जूड का तालमेल देखना चाहता था। मुझे पता है कि मॉर्गन (रोजर्स) वहां हमें क्या दे सकते हैं। मैंने कई बार देखा है।

वनडे विश्व कप में कोहली-रोहित की मौजूदगी गिल के लिए होगी फायदेमंद: सुरेश रैना

नई दिल्ली। भारत के पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना का मानना है कि 2027 विश्व कप में भारतीय टीम के लिए विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की मौजूदगी बेहद महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। उन्होंने कहा कि युवा कप्तान शुभमन गिल को इन दोनों दिग्गजों के अनुभव का बहुत फायदा मिलेगा।

रैना के अनुसार, बड़े टूर्नामेंटों में अनुभव अक्सर निर्णायक भूमिका निभाता है और कोहली-रोहित जैसे खिलाड़ी टीम को मुश्किल परिस्थितियों से बाहर निकालने की क्षमता रखते हैं। टी20 इंटरनेशनल और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद अब कोहली और रोहित केवल वनडे क्रिकेट खेल रहे हैं। दोनों का विश्व कप में शानदार रिकॉर्ड रहा है।

2019 में हुए आईसीसी वनडे विश्व कप में रोहित शर्मा ने 9 मुकाबलों में 648 रन बनाए थे। उन्होंने पांच शतक और एक अर्धशतक लगाया था और वह टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे थे। इसके साथ ही वह विश्व कप के एक ही संस्करण में पांच शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने थे।

वहीं, 2023 में भारत की धरती पर खेले गए वनडे विश्व कप में विराट कोहली ने इतिहास रचते हुए 11 पारियों में 765 रन बनाए थे। वह टूर्नामेंट के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे और उन्हें 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुना गया। कोहली ने एक विश्व कप संस्करण में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया, जो इससे पहले सचिन तेंदुलकर(673 रन) के नाम था।

रैना का मानना है कि अगर कोहली और रोहित 2027 विश्व कप तक फिट रहते हैं, तो उनका अनुभव और मैच जिताने की क्षमता भारतीय टीम की खिताबी उम्मीदों को और मजबूत कर सकती है। रैना ने 'जियोस्टार' से बात करते हुए कहा, 'विराट कोहली के लिए शारीरिक और मानसिक तैयारी जरूरी होगी। वह सफेद गेंद की क्रिकेट में बहुत मजबूत दिखते हैं। यही बात रोहित शर्मा पर भी लागू होती है। दोनों आईसीसी वर्ल्ड कप में रन बनाने में माहिर हैं।

मुंबई चेस इवेंट के जूनियर मास्टर्स सेक्शन में सीडेड खिलाड़ियों के लिए राह आसान रही

मुंबई । स्विस लीग इवेंट के शुरुआती राउंड आम तौर पर ज्यादा रेटिंग वाले खिलाड़ियों के पक्ष में होते हैं। मुंबई के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में खेले जा रहे '360 वन जूनियर मास्टर्स' इवेंट के पहले राउंड में भी ऐसा ही देखने को मिला।

जूनियर खिलाड़ियों का लड़ने का जज्बा साफ दिखा। पहले 48 बोर्ड पर निर्णायक नतीजे आए और सभी सीडेड खिलाड़ियों के पक्ष में रहे, जबकि सिर्फ 49वें बोर्ड पर मैच ड्रॉ हुआ।

13 वर्षीय माधवेंद्र प्रताप शर्मा (ईएलओ रेटिंग 2373) को जूनियर मास्टर्स में टॉप वरीयता दी गई है और वे आसानी से खिताब के प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं। पहले ही राउंड में काले मोहरों के साथ खेलते हुए माधवेंद्र ने अक्ष श्रीवास्तव को हराया।

जूनियर मास्टर्स चेस टूर्नामेंट जूनियर चेस का सबसे अहम टूर्नामेंट है और इसे देश में जूनियर्स के लिए सबसे ज्यादा इनामी राशि वाला टूर्नामेंट माना जाता है, जिसमें 10 लाख रुपए का इनाम दिया जाता है। युवा प्रतिभाओं को अपनी काबिलियत दिखाने के लिए वर्ल्ड-क्लास प्लेटफॉर्म देने के मकसद से शुरू किया गया।

चैंपियंस ट्रॉफी की वजह से क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने किया महिला टीम के घरेलू शेड्यूल में बदलाव

नई दिल्ली । क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के शेड्यूल से टकराव होने की वजह से अपने इंटरनेशनल कार्यक्रम में बदलाव किया है। यह बदलाव न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली घरेलू सीरीज को लेकर किया गया है।

दरअसल, तय कार्यक्रम के अनुसार, आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन अगले साल जून में होना था। हालांकि, आईसीसी ने इसके शेड्यूल में बदलाव करते हुए ऐलान किया कि चैंपियंस ट्रॉफी अब साल 2027 में जून की जगह फरवरी में खेली जाएगी। यही वजह है कि ऑस्ट्रेलिया की गवर्निंग बॉडी को घरेलू मैचों की लिस्ट में बदलाव करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

चैंपियंस ट्रॉफी के शेड्यूल में बदलाव के कारण न्यूजीलैंड टीम अब ऑस्ट्रेलिया का दो बार दौरा करेगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड से बातचीत के बाद यह फैसला लिया है कि न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया की टीमों के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज इसी साल अक्टूबर में खेली जाएगी। वहीं, तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज चैंपियंस ट्रॉफी के बाद मार्च में खेली जाएगी।

वहीं, घरेलू सरजमीं पर ऑस्ट्रेलिया को बांग्लादेश के खिलाफ तीन टी20 और इतने ही मुकाबलों की वनडे सीरीज खेलनी थी। हालांकि, शेड्यूल में बदलाव के बाद अब कंगारू टीम बांग्लादेश से सिर्फ तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज खेलेगी, जिसका आयोजन अक्टूबर में होगा।

ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला डे-नाइट होगा, जिसकी मेजबानी मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड करेगा। यह पहला मौका होगा, जब इस मैदान पर डे-नाइट वनडे मुकाबला खेला जाएगा। तीसरा और आखिरी वनडे 10 मार्च को होना है, जो मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में 150वीं एनिवर्सरी टेस्ट के पहले दिन से ठीक 24 घंटे पहले होगा।

फीफा विश्व कप 2026 : इन 5 दिग्गजों के करिश्मे को देखने का आखिरी मौका

नई दिल्ली । फीफा विश्व कप 2026 के रोमांचक सफर की शुरुआत में बस कुछ ही घंटे शेष रह गए हैं। तीन देशों (अमेरिका, कनाडा, और मेक्सिको) में आयोजित हो रहा यह अब तक का सबसे बड़ा विश्व कप है। इसमें 48 देश भाग ले रहे हैं और कुल 104 मैच खेले जाने हैं। विश्व कप के शुरू होने का इंतजार जिस बेसब्री से फैंस कर रहे हैं, उतनी ही मायूसी भी उनके दिल में है।

फैंस के मायूस होने की वजह इस विश्व कप का उन 5 दिग्गज खिलाड़ियों का संभवत: आखिरी विश्व कप होना है, जिन्होंने अपने करिश्माई और साहसिक खेल से लगभग डेढ़-दो दशक से फुटबॉल की दुनिया पर राज किया है और फैंस को अनगिनत रोमांचक यादें दी हैं।

आइए जानते हैं उन 5 खिलाड़ियों के बारे में जिनका यह आखिरी विश्व कप हो सकता है।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो: 41 साल के हो चुके पुर्तगाल के स्टार फॉरवर्ड क्रिस्टियानो रोनाल्डो अपना छठा विश्व कप खेलने के लिए तैयार हैं। उनकी उम्र को देखते हुए यह उनका आखिरी विश्व कप माना जा रहा है। पिछले दो दशक में अपने करिश्माई खेल से खुद को महानतम फुटबॉलर के रूप में स्थापित करने वाले रोनाल्डो का आखिरी सपना पुर्तगाल को विश्व चैंपियन बनाना है। 2026 उनके लिए आखिरी मौके की तरह है और वह विश्व कप जीतने के सपने को इस आखिरी मौके पर जरूर पूरा करना चाहेंगे। वर्ल्ड कप ही एकमात्र ऐसी बड़ी ट्रॉफी है, जो रोनाल्डो के पास नहीं है। रोनाल्डो पुर्तगाल के लिए 228 मैचों में 143 गोल कर चुके हैं।

लियोनेल मेसी: अर्जेंटीना को अपनी कप्तानी में विश्व कप 2022 में चैंपियन बनाने वाले मेसी 24 जून को 39 साल के हो जाएंगे। फीफा विश्व कप 2030 तक वह 43 साल के हो जाएंगे। ऐसे में फीफा विश्व कप 2026 उनके करियर का आखिरी विश्व कप हो सकता है। मेसी को सर्वकालिक महान फुटबॉलर माना जाता है। वह मौजूदा समय के सबसे लोकप्रिय फुटबॉलरों में से एक हैं। अपने आखिरी विश्व कप में वह एक बार फिर से अर्जेंटीना को चैंपियन बनाने की कोशिश करेंगे।

लुका मोड्रिक: क्रोएशिया को अपनी कप्तानी में विश्व कप 2018 के फाइनल में पहुंचाने वाले लुका मोड्रिक 40 साल के हो चुके हैं। मोड्रिक ने क्रोएशियाई फुटबॉल को दुनियाभर में लोकप्रिय बनाने में अहम भूमिका निभाई है।

श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय अंडर-19 टीम घोषित, यशवर्धन चौहान होंगे कप्तान

नई दिल्ली। यशवर्धन सिंह चौहान को श्रीलंका के आगामी दौरे के लिए भारत की पुरुष अंडर-19 टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। भारतीय टीम अगले महीने से शुरू होने जा रहे इस दौरे पर 3 वनडे मैच और 2 मल्टी-डे मैच खेलेगी।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने वनडे और मल्टी-डे मैचों के लिए टीमों का ऐलान किया है, जिसमें लक्ष्य रायचंदानी उप-कप्तान होंगे। वनडे टीम में रजत बघेल और अन्वय द्रविड़ विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभालेंगे, जबकि मल्टी-डे मुकाबलों के लिए मानव कृष्णा और आर्यन संदेश सकपाल को विकेटकीपिंग का जिम्मा सौंपा गया है।

इस दौरे का व्हाइट-बॉल वाला हिस्सा 4 जुलाई को हंबनटोटा में शुरू होगा, जहां तीनों वनडे मुकाबले खेले जाएंगे। सीमित ओवरों की सीरीज के बाद, भारतीय टीम दो मल्टी-डे मुकाबलों के लिए रेड-बॉल क्रिकेट खेलेगी। पहला मल्टी-डे मैच 13-16 जुलाई के बीच गाले में खेला जाएगा, जबकि आखिरी मैच 20-23 जुलाई तक कोलंबो में आयोजित होगा।

भारत पुरुष अंडर-19 वनडे टीम: सागर विर्क, लक्ष्य रायचंदानी (उप-कप्तान), यशवर्धन सिंह चौहान (कप्तान), विनीत वीके, अर्जुन राजपूत, कुशाग्र ओझा, रजत बघेल (विकेटकीपिंग), अन्वय द्रविड़ (विकेटकीपिंग), अनमोलजीत सिंह, वुतकुरी यशवीर गौड़, रोहित अनिल यादव, शविन वी, काव्या परेश पटेल, मोहित उलवा, ईशान सूद।

भारत पुरुष अंडर-19 मल्टी-डे टीम: सागर विर्क, लक्ष्य रायचंदानी (उप-कप्तान), यशवर्धन सिंह चौहान (कप्तान), पटेल कुश, मनाल चौहान, कुशाग्र ओझा, मानव कृष्णा (विकेटकीपिंग), आर्यन संदेश सकपाल (विकेटकीपिंग), हेमचुदेशन जे, बीके किशोर, रोहित अनिल यादव, काव्या परेश पटेल, प्रियांशु सिंह, प्रणव राघवेंद्र, चिगुरुपति वेंकट। इससे पहले, महिला चयन समिति ने श्रीलंका महिला अंडर-19 टीम के खिलाफ भारतीय महिला अंडर-19 टीमों का चयन किया था। यह दौरा 20 जून से 6 जुलाई तक आयोजित किया जाएगा।

एफसी बार्सिलोना ने 2029 चैंपियंस लीग फाइनल की मेजबानी का दावा आधिकारिक तौर पर पेश किया

नई दिल्ली । एफसी बार्सिलोना ने घोषणा की है कि उनकी तरफ से 2029 यूईएफए चैंपियंस लीग फाइनल की मेजबानी के लिए आवेदन करने हेतु यूईएफए को 'बोली और पूरी जानकारी वाली फाइल' औपचारिक रूप से सौंप दी गई है।

यह प्रस्ताव बार्सिलोना सिटी काउंसिल, कैटेलोनिया सरकार और रॉयल स्पैनिश फुटबॉल फेडरेशन (आरएफईएफ) के सहयोग से तैयार किया गया है, जो मेजबान और सह-आयोजक संस्था के तौर पर शामिल हैं।

ला लीगा क्लब ने एक बयान में कहा, 'एफसी बार्सिलोना ने बार्सिलोना सिटी काउंसिल, कैटेलोनिया सरकार और रॉयल स्पैनिश फुटबॉल फेडरेशन (आरएफईएफ) के सहयोग से—जो मेजबान और सह-आयोजक संस्था हैं—2029 यूईएफए चैंपियंस लीग फाइनल की मेजबानी के लिए आवेदन करने हेतु यूईएफए को औपचारिक रूप से बोली और पूरी जानकारी वाली फाइल सौंप दी है। 'बयान में कहा गया है, 'जमा किए गए दस्तावेजों में यूईएफए द्वारा मांगी गई सभी तकनीकी, अनुबंध संबंधी और संस्थागत जरूरतें शामिल हैं। साथ ही, इसमें दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण खेल आयोजनों में से एक की मेजबानी करने के लिए स्पॉटिफाई कैंप नोउ और बार्सिलोना शहर की आयोजन क्षमता को साबित करने वाली जरूरी गारंटी भी शामिल हैं।'

इस फाइल को जमा करने के साथ ही औपचारिक बोली प्रक्रिया पूरी हो गई है। अब फैसला यूईएफए के हाथों में है। संस्था जमा किए गए अलग-अलग प्रस्तावों के मूल्यांकन का चरण शुरू करने वाली है ताकि यह तय किया जा सके कि 2029 चैंपियंस लीग फाइनल की मेजबानी के लिए किस स्थान को चुना जाएगा। 2029 यूईएफए चैंपियंस लीग फाइनल के लिए मेजबान वेन्यू का चयन इस साल की आखिरी तिमाही में किया जाना है। बोली में बार्सिलोना को बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजनों की मेजबानी के अनुभव वाले शहर के तौर पर और कैंप नोउ को विश्व-स्तरीय स्टेडियम के तौर पर पेश किया गया है।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रींटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415